श्रर्मा হাৰ্ডওৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 09 | अंक : 333 | गुवाहाटी | रविवार, 2 जुलाई, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/

मंत्री केशव महंत ने दक्षिण सालमारा जिला अस्पताल का किया उद्घाटन पेज 3
भारत को आत्मनिर्भर बनाने में सहकारी समितियां प्रमुख भूमिका निभा... पेज 4
प्रधानमंत्री मोदी सात जुलाई को वाराणसी में करेंगे जनसभा, प्रशासनिक तैयारियां शुरू पेज 5
मोदी सरकार की कृषि हितैषी योजनाएं किसानों की बनी असली शक्ति : कृष्णपाल पेज 8

समृद्धि हाइवे पर बस पलटी, 25 लोग जिंदा जले, आठ झुलसे

मुंबई (हि.स.)। महाराष्ट्र में बुलढ़ाणा जिले के सिंदखेड राजा इलाके में समृद्धि हाइवे पर पिंपलखुटा फाटा के पास विदर्भ ट्रेवल्स की बस (एमएच29 बीई-1819) में आधीरात बाद करीब 1:30 बजे आग लग गई। इससे बस में सवार 25 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में तीन बच्चे शामिल हैं। मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। आठ यात्री बुरी तरह झुलस गए हैं। सभी का इलाज बुलढ़ाणा जिला अस्पताल में हो रहा है। बुलढाणा पुलिस के डिप्टी एसपी बाबूराव महामुनि के मुताबिक, बस में 33 लोग सवार थे। जिनमें से 25 लोगों की जलकर मौत हो गई। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने प्रत्येक मृतक के आश्रित को पांच लाख रुपए की मदद देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि झुलसे सभी लोगों का इलाज सरकारी खर्च से किया जाएगा। शिंदे ने वाहनचालकों से समृद्धि हाइवे पर संभल कर चलने की अपील की है। जिला पुलिस अधीक्षक सुनील कड़ासेन ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद बस की डीजल की टंकी फट गई। दुर्घटनाग्रस्त बस में घर्षण की वजह से हुए स्पार्क से आग लग गई। हादसे की जांच कराई जाएगी। पहली प्राथमिकता डीएनए परीक्षण से शवों की पहचान कर उन्हें रिश्तेदारों को सौंपना है। पुलिस के अनुसार बस नागपुर से पुणे जा रही थी। 30 जून को यह बस शाम 5 बजे नागपुर से पुणे के लिए रवाना हुई थी। 1 जुलाई की रात 1:30 बजे बस का अगला टायर अचानक निकल गया -शेष पृष्ठ दो पर

गृहमंत्री फडणवीस ने दिए जांच के आदेश

मुंबई (हि.स.)। महाराष्ट्र के गृहमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रात को हुए बुलढ़ाणा बस हादसे के कारणों की उच्चस्तरीय जांच का आदेश दिया है। फडणवीस ने शनिवार को पत्रकारों को बताया झुलसे और घायल यात्रियों की हालत खतरे से बाहर है। घटना बहुत ही दुखद है। राज्य सरकार पीड़ितों के साथ है। उन्होंने कहा बस ड्राइवर दानिश शेख इस्माइल शेख को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। जिला अस्पताल में से पांच लोगों को छुट्टी दे दी गई है। अस्पताल में इलाज के दौरान एक यात्री ने दम तोड़ दिया। इस हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर 26 हो गई है। हादसे की सूचना मिलते ही मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उप मुख्यमंत्री फडणवीस अपने नियमित कार्यक्रम रद्द कर बुलढ़ाणा रवाना हो गए हैं। मुख्यमंत्री ने प्रत्येक मृतक -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री ने डिब्रूगढ़ में बिहू नृत्य करने वालों को प्रशस्ति पत्र और सम्मान प्रदान किया

लाचित बरफुकन और उनकी वीरता को अन्य राज्यों के पाठ्यक्रम में शामिल करने का प्रयास जारी : सीएम

नई दिल्ली में 25 हजार युवा प्रस्तुत करेंगे बिहू

डिब्रूगढ़ (हि.स.)। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने वाले मेगा बिहू कार्यक्रम में भाग लेने वालों के प्रति अपना आभार व्यक्त करने और उन्हें स्वीकृति प्रदान करने के लिए राज्य सरकार की ओर से मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज बिहूआ और बिहूवति (बिहू नृत्य करने वालों) को आज डिब्रूगढ़ के मोनकोटा में -शेष पृष्ठ दो पर

रथयात्रा : मारे गए लोगों के मामले में आंतरिक जांच करेगा इस्कॉन

अगरतला। त्रिपुरा में रथयात्रा के दौरान बिजली के झटके से सात लोगों की मौत हो गई थी। वहीं अब इस्कॉन ने इसकी आंतरिक जांच करने का फैसला लिया है। संस्था के एक अधिकारी ने शनिवार को कहा कि रथ यात्रा उत्सव के दौरान त्रिपुरा के उनाकोटी जिले में बिजली के करंट लगने से हुई मौतों के मामले में आंतरिक जांच होगी और भविष्य में ऐसे समारोहों के लिए दिशानिर्देश तय किए जाएंगे। त्रिपुरा इस्कॉन के सह-अध्यक्ष श्रीधाम -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री ने एपीएल के नए उत्पादित मेथेनॉल के निर्यात का किया शुभारंभ

डिब्रूगढ़ (हि.स.)। असम पेट्रो-केमिकल्स लिमिटेड (एपीएल) के नए संयंत्र में उत्पादित मेथेनॉल के निर्यात को मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज झंडी दिखाई। एपीएल से मेथेनॉल भूटान, नेपाल और बांग्लादेश को निर्यात किया जाएगा। आज मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने पड़ोसी देशों बांग्लादेश, भूटान और नेपाल को डिब्रूगढ़ के नामरूप स्थित एपीएल के निर्यात प्रक्रिया की औपचारिक रूप से शुरुआत की। ज्ञात हो कि एपीएल के विस्तारित संस्थान से प्रतिदिन 500 मैट्रिक टन मेथेनॉल का उत्पादन होगा। उल्लेखनीय है कि 14 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने करीब 18 हजार करोड़ रुपए की लागत से बने असम पेट्रोकेमिकल लिमिटेड के विस्तारित मेथेनॉल संयंत्र को सोरूसजाई स्टेडियम से वर्चुअल माध्यम से राष्ट्र को समर्पित किया था। संयंत्र अपने उद्घाटन के बाद से प्रतिदिन 500 टन मेथेनॉल और 200 टन फॉर्मेलिनिल का उत्पादन कर रहा है। एपीएल के पुराने संयंत्र में पहले से ही मेथेनॉल का उत्पादन हो रहा था। भारत के साथ-साथ भूटान, नेपाल और बांग्लादेश को भी निर्यात किया जाएगा। संस्थान के उत्पादन की क्षमता अब दोगुनी हो जाएगी, इससे आर्थिक रूप से देश लाभान्वित होगा।

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

हिंसा के बाद मणिपुर में होने लगी शांति तो रोने लगी कांग्रेस : हिमंत

डिब्रूगढ़। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को कहा कि हिंसाग्रस्त मणिपुर में दिन-प्रतिदिन स्थिति में सुधार हो रहा है और आने वाले 10 दिनों में तेजी से सुधार होने की उम्मीद है। सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने इस दौरान कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस मणिपुर का रोना रो रही है। हालांकि, उनके अनुमान से उलट राज्य में शांति आ गई है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि मणिपुर की स्थिति में दिन-प्रतिदिन सुधार हो रहा है और मेरा -शेष पृष्ठ दो पर

समान नागरिक संहिता पर एनडीए में मतभेद!

भारत के विचारों के खिलाफ है यूसीसी : कॉनराड सांग्मा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर से समान नागरिक संहिता पर टिप्पणी की है। पीएम मोदी की इस टिप्पणी के बाद राजनीतिक बहस फिर से छिड़ गई है। वहीं अब इस बहस में मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड सांग्मा भी शामिल हो गए हैं। उन्होंने कहा कि समान नागरिक संहिता भारत के वास्तविक विचार के विपरीत है। भारत एक विविधतापूर्ण देश है और विविधता ही हमारी ताकत है। एक राजनीतिक दल के रूप में, हमें एहसास है कि पूरे पूर्वोत्तर में अनूठी संस्कृति है और हम चाहेंगे कि वह बनी रहे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि भारत दो कानूनों पर नहीं चल सकता और समान नागरिक संहिता संविधान का हिस्सा है। पीएम द्वारा दिए गए इस बयान से देश भर में ये मुद्दा फिर से चर्चा में आ गया है, क्योंकि -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर में सबकुछ पूर्वनियोजित लगता है : सीएम

इंफाल। मणिपुर में हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। ऐसे में मौजूदा संकट के शांतिपूर्ण समाधान की मांग को लेकर प्रदेशवासियों ने शनिवार को इंफाल घाटी में प्रदर्शन किया। इसी बीच मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह का बयान सामने आया। जिसमें उन्होंने इस्तीफा नहीं देने की वजहें गिनाईं। उन्होंने कहा कि मणिपुर के लोगों के लिए मैं काम करता रहूंगा। मुख्यमंत्री पद से अपने इस्तीफे से जुड़े सवाल पर बीरेन सिंह ने कहा कि बीते दिनों बड़ी संख्या में मेरे लिए लोग आए, जनता का विश्वास अभी भी मेरे साथ है। ऐसे में मैं लोगों का आभारी हूं। उन्होंने कहा कि मणिपुर के लोगों के लिए मैं -शेष पृष्ठ दो पर

Door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

देशभर के पांच लाख मंदिरों में मनाया जाएगा रामलला का प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव

अयोध्या। श्री राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को मनाए जाने के लिए श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट एक बड़ा अभियान चलाने की तैयारी में है। देश के शहर व गांव के पांच लाख मंदिरों में श्री राम भगवान का प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव मनाया जाएगा। ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कहा कि राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा की तैयारी चल रही है इसके लिए देश में जिन लोगों को तमाम बड़े बड़े आयोजन करने का अनुभव है। उनके साथ वार्ता चल रही है। दावा किया जा रहा है कि संघ को देशभर में इस प्रकार के बड़े आयोजन करने का अनुभव रहा है। पिछले 3 महीने से हर 15 दिन पर बैठक की जा रही है। हालांकि अभी महोत्सव की तिथि निश्चित नहीं की गई है, लेकिन बताया जा रहा है कि महोत्सव का आगाज जनवरी 2024 में ही शुरू होगा। -शेष पृष्ठ दो पर

गुवाहाटी में दूध की कीमत पर प्रति लीटर पांच रुपए की हुई वृद्धि

गुवाहाटी (हि.स.)। वृहत्तर गुवाहाटी गोपालक संस्था आज से दूध की कीमतों में 5 रुपए प्रति लीटर की वृद्धि करने का निर्णय लिया है। इसकी जानकारी गोपालक संस्था की ओर से शनिवार को दी गई। वृहत्तर गुवाहाटी के गोपालकों ने कहा कि आए दिन गायों को खिलाने वाला चारा, दवाइयां, खेर (पुआल) आदि के दामों में इजाफा हो रहा है। जिसको लेकर हमें काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। पिछले वर्ष एक अगस्त से गुवाहाटी में 3 रुपए प्रति लीटर की वृद्धि की गई थी। बेलगाम मूल्य वृद्धि को देखते हुए हम न चाहते हुए भी 10 महीने बाद फिर से 5 रुपए प्रति लीटर दूध के दाम में इजाफा करने को मजबूर होना पड़ा है। जानकारी के अनुसार गोपालक दूध को 2022 में 50 रुपए में खूंटी (अपने घर) से पहले बेच दिया करते थे। पिछले वर्ष दूध के दाम में प्रति लीटर तीन रुपए वृद्धि होने के बाद बाजार में ग्राहकों को प्रति लीटर दूध 60 रुपए में मिल रहा था। गोपालक आज से 53 के बदले में 58 रुपए प्रति लीटर दूध व्यापारियों को देंगे। वृहत्तर गुवाहाटी गोपालक संस्था द्वारा प्रति लीटर 5 रुपए दूध के दाम में वृद्धि किए जाने के बाद शनिवार को वृहत्तर गुवाहाटी दूध व्यवसायी संस्था गोपालकों का दूध लेने नहीं पहुंचे। जिसके बाद गोपालको ने शनिवार की सुबह और शाम को स्वयं ही गुवाहाटी के बाजार में जाकर 60 रुपए से 65 रुपए प्रति लीटर दूध बेचा। दूध के दाम में वृद्धि के निर्णय को लेकर उपभोक्ताओं का कहना है कि गोपालकों से आज तक 53 रुपए दूध खरीद कर दूध के व्यापारी प्रति लीटर 10 रुपए का मुनाफा कमा रहे थे। जिला प्रशासन इस पर कोई ठोस कदम नहीं उठाता है। गोपालक और दूध -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

चंचल चित वाले के कार्य कभी समाप्त नहीं होते।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

बेल्जियम तक पहुंची फ्रांस हिंसा की आग, ब्रसेल्स में सौ लोग गिरफ्तार

ब्रसेल्स। फ्रांस में अल्जीरियाई मूल के 17 वर्षीय किशोर की पुलिस की गोली से हुई मौत के बाद भड़की हिंसा की आग पड़ोसी देश बेल्जियम तक भड़क उठी है। हिंसा भड़काने के आरोप में यहां बड़ी तादाद में लोगों को गिरफ्तार किया है। फ्रेंच मीडिया के अमुसार हिंसा के आरोप में ब्रसेल्स में 100 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उधर ब्रिटेन ने भी एडवाइजरी जारी करते हुए अपने नागरिकों से फ्रांस की यात्रा न करने को कहा है। फ्रांस के गृह मंत्री जेराल्ड दारमेनिन ने कहा कि देश में चौथी रात हिंसा में थोड़ी कमी देखी गई -शेष पृष्ठ दो पर

एनआईए चार्जशीट में बड़ा खुलासा

आतंकी हमले के लिए आईएसआईएस करा रहा रोबोटिक्स कोर्स

नई दिल्ली। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने देशभर में आतंकवादी हमले करने की आईएसआईएस की साजिश से जुड़े एक मामले में कथित संलिप्तता को लेकर कर्नाटक के नौ लोगों के खिलाफ अपना पहला पूरक आरोपपत्र दाखिल किया है। आईएसआईएस एक अंतर्राष्ट्रीय आतंकी संगठन है। अभिकरण ने बताया कि आरोपपत्र में जिन नौ लोगों का उल्लेख है उनमें पाचं तकनीकी पृष्ठभूमि के हैं तथा उन्हें विदेशी धरती से आईएसआईएस के आका (हैंडलर) ने आतंकी संगठन के एजेंडे को आगे बढ़ाने एवं आतंकवादी हमले करने के लिए रोबोटिक्स का कोर्स करने का निर्देश दिया था। यह आरोपपत्र शुक्रवार को दाखिल किया गया जिसमें मोहम्मद शरीक (25), माज मुनीर अहमद (23), सैयद यासिन (22), रीशान थाजुद्दीन शेख (22) हुजैर फरहान बेग (22), माजिद अब्दुल रहमान (22), नदीम अहमद के ए (22), जीउल्लाह (32) और नदीम फैजल एन (27) नामजद हैं। एनआईए ने बताया कि ये सभी कर्नाटक के रहने वाले हैं और उनपर अवैध गतिविधि रोकथाम अधिनियम, -शेष पृष्ठ दो पर

फ्रांस दंगे पर सीएम योगी को लेकर किया गया ट्वीट निकला फेक

नई दिल्ली। 2024 लोकसभा चुनाव के पहले उत्तर प्रदेश की योगी सरकार एक बार फिर से सुर्खियों में है। शनिवार को यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन से जुड़े प्रोफेसर एन. जॉन कॉम के ट्वीटर अकाउंट से किया गया एक ट्वीट सामने आया, जिसमें लिखा गया कि सीएम योगी को भारत फ्रांस दंगे काबू करने के लिए भेज दे। जिसके बाद 24 घंटे में दंगा कंट्रोल हो जाएगा। फिलहाल जांच पड़ताल करने के बाद ट्वीटर अकाउंट को फेक भी बताया जा रहा है। फैक्ट चेकर्स का दावा है कि यह ट्विटर हैंडल नरेंद्र विक्रमादित्य यादव नाम का शख्स चलाता है। वह पहले धोखाधड़ी के मामले में गिरफ्तार हो चुका है। वहीं, इस ट्वीट के सामने आने के कुछ घंटे बाद ही मुख्यमंत्री योगी के ऑफिस ने रीट्विट कर -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

देश के विकास का मॉडल है पूर्वोत्तर : जितेंद्र सिंह

गुवाहाटी (हि.स.)। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने शनिवार को कहा कि पूर्वोत्तर भारत देश के विकास का एक मॉडल प्रस्तुत करता है। डॉ. सिंह ने यहां के खानापाड़ा स्थित एक निजी होटल में प्रबुद्ध नागरिकों और मीडियाकर्मियों से बातचीत में कहा कि विभिन्न राजनीतिक कारणों से पूर्वोत्तर भारत हमेशा से ही उपेक्षित रहा है। यही कारण है कि चीन से सटे राज्य अरुणाचल प्रदेश में न तो कोई एयरपोर्ट था और न ही रेल कनेक्टिविटी थी। सिक्किम जैसे राज्य में एक एयरपोर्ट तक नहीं था। इसी से पता चलता है कि पहले भारत की राजनीति में पूर्वोत्तर के लिए कितनी जगह थी। डॉ. सिंह ने कहा कि एक समय था जब एक पुल, एक उद्योग के लिए आंदोलन करना पड़ता था, लेकिन आज पूर्वोत्तर में सबसे लंबा पुल, एयरपोर्ट, चौड़ी-चौड़ी सड़कें बन गई हैं। हैवी फंडिंग, समय पर कार्य और उपयुक्त योजना के कारण यह संभव हो सका है। यही कारण है कि आज शिलांग जाने के लिए लोग हेलीकॉप्टर का नहीं बल्कि सड़क मार्ग का इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने कहा कि मिजोरम जैसे राज्य को रेल से जोड़ना इस सरकार की इच्छा शक्ति को दिखाता है। चाहे वह रेलवे कनेक्टिविटी हो या एयर कनेक्टिविटी, या फिर जलमार्ग, या साइबर कनेक्टिविटी- हर क्षेत्र में पूर्वोत्तर भारत आज आगे है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में देश की अर्थव्यवस्था का पूर्वोत्तर के राज्य नेतृत्व करेंगे। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर भारत के सर्वांगीण विकास के लिए जो कार्य हुआ है, उसकी जड़ में सीधे प्रधानमंत्री मोदी हैं। प्रधानमंत्री मोदी की न सिर्फ इच्छाशक्ति पूर्वोत्तर के प्रति है, बल्कि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से इस पर ध्यान देकर पूर्वोत्तर को आगे बढ़ाने के लिए कार्य किया है। एक समय था जब पूर्वोत्तर के लोग, यहां के छात्रों का दिल्ली में उपहास किया जाता था, लेकिन आज स्थितियां बदल गई हैं। आज दिल्ली हो या फिर पश्चिम से दक्षिण तक, सभी जगह पूर्वोत्तर राज्य के युवक अलग-अलग क्षेत्रों में कार्य कर रहे हैं। यह सब इस सरकार की प्राथमिकताओं के कारण हुआ है। अपने संबोधन में उन्होंने मोदी सरकार के 9 वर्षों में किए गए एक से बढ़कर एक कार्यों की चर्चा की। कार्यक्रम की शुरुआत भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भवेश कलिता के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने सरकार की उपलब्धियां गिनाई। कार्यक्रम के दौरान पूर्वोत्तर में सरकार द्वारा किए गए कार्यों से संबंधित एक पत्रिका *पूर्वोदय* तथा प्रदेश भाजपा की मासिक पत्रिका भाजपा वार्ता का भी विमोचन किया गया।

भारत को आंख दिखाने की कोशिश मत करना वर्ना मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा : रक्षा मंत्री

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को भारत के पड़ोसी देश को चेतावनी दी कि यदि किसी ने देश को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की तो करारा जवाब दिया जाएगा। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित कांकेर जिले में एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने दावा किया कि यदि छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार ने पूरा सहयोग किया होता तो देश से नक्सली समस्या समाप्त हो गई होती। रक्षा मंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि राज्य में विशेषकर बस्तर क्षेत्र में जबरन धर्म परिवर्तन बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार को इस पर रोक लगानी चाहिए। सिंह कांकेर जिला मुख्यालय में स्थित नरहरदेव हाई स्कूल मैदान में मोदी सरकार की नौ साल की उपलब्धियों पर प्रकाश डालने के लिए आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उरी (2016) और पुलवामा (2019) में आतंकवादी हमलों के बाद भारत की प्रतिक्रिया का जिक्र करते हुए सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत एक शक्तिशाली देश के रूप में उभरा है और यह अब कमजोर नहीं है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान से कुछ आतंकवादियों ने भारत में घुसपैठ की और हमारे जवानों पर हमला किया, जिनमें कई शहीद हो गए। मैं तब गृह मंत्री था। हमारे प्रधानमंत्री ने दिल्ली में एक बैठक की और 10 मिनट के भीतर निर्णय लिया। हमारी सेना के जवानों ने पाकिस्तान की धरती पर आतंकवादियों को सफलतापूर्वक मार गिराया। रक्षा मंत्री ने कहा किमैं अपने पड़ोसी को यह बता देना चाहता हूं कि भारत के साथ छेड़-छाड़ मत करना। भारत को आंख दिखाने की कोशिश मत करना।

तीस्ता सीतलवाड़ को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं

नई दिल्ली। कार्यकर्ता तीस्ता सीतलवाड़ 2002 के गुजरात दंगों से संबंधित मामलों में कथित तौर पर सबूतों को गढ़ने और गवाहों को पढ़ाने के मामले में तुरंत आत्मसमर्पण करने के गुजरात उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। 2002 के गुजरात दंगों के मामले में तुरंत आत्मसमर्पण करने के गुजरात उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाने के बाद सुप्रीम कोर्ट की दो न्यायाधीशों की पीठ इस बात पर सहमत नहीं हो सकी कि कार्यकर्ता तीस्ता सीतलवाड़ को राहत दी जाए या नहीं। न्यायाधीशों ने शनिवार को उसके मामले को बड़ी पीठ के समक्ष रखने के लिए भारत के मुख्य न्यायाधीश के पास भेज दिया। जस्टिस एएस ओका और प्रशांत कुमार मिश्रा ने सीतलवाड के मामले की सुनवाई की। सीतलवाड पर 2002 के गुजरात दंगों से संबंधित मामलों में सबूत गढ़ने और गवाहों को प्रशिक्षित करने का आरोप लगाया गया था।

जयशंकर की फिर पाकिस्तान को दो टूक, कहा– आतंकवाद के रहते सामान्य संबंध असंभव

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक कार्यक्रम के दौरान बड़ी बेबाकी से पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) को छोड़ने को लेकर भारत की गलती का जिक्र करते हुए कहा कि इस मुद्दे पर हमें पहले अपने रुख को साफ रखना चाहिए। केंद्रीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बताया कि पाकिस्तान के साथ भारत के संबंध सामान्य क्यों नहीं हो सकते हैं। विदेश मंत्री ने पाकिस्तान को एक बार फिर दो टूक जवाब देते कहा कि पाकिस्तान की ओर से सीमा पार से आतंकवाद की नीति के रहते सामान्य संबंध होना संभव नहीं है। जयशंकर पहले भी यूरोप समेत दुनिया के अन्य देशों के प्रति भारत का रवैये को स्पष्ट तौर पर सामने रख चुके हैं। जयशंकर ने कहा कि पहले हमें अपनी बात साफ तौर पर रखनी चाहिए। विदेश मंत्री ने कहा कि हमने बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के खिलाफ सख्त रुख अपनाया था। उन्होंने कहा कि चीन पाकिस्तान आर्थिक गलियारे पर हमारा रुख कड़ा था। उन्होंने कहा कि मैं कह सकता हूं कि इस देश में कई वर्ग थे जिन्होंने हम पर सवाल उठाया था। उन्होंने इस पर सार्वजनिक रूप से सवाल उठाया था। भले ही वे आज इससे इनकार करें लेकिन ये रिकॉर्ड में दर्ज है। उन्होंने कहा कि कहां हम सही हैं, कहां हमारे हित हैं इस बारे में स्पष्टता रखनी होगी। पिछले 75 सालों में ऐसी गड़बड़ी हुई है। विदेश कहा कि विदेश मंत्री ने कहा कि हमने वास्तव में उन बुनियादी गलतियों को सुधार लिया है जो 1947 में हुई थीं। विदेश मंत्री ने कहा कि वो गलती जिसे सुधारने के लिए श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जीवन भर पुरजोर लड़ाई लड़ी। विदेश मंत्री ने कहा कि सच तो यह है कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर को छोड़कर हमने दो विरोधी देशों के बीच निकटता विकसित होने दी। उन्होंने कहा कि आज हमें इसकी कीमत भी चुकानी पड़ रही है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने चीन के साथ संबंधों पर भी भारत का रुख साफ किया।

असम की युवती का भारतीय क्रिकेट टीम में चयन

नगांव (हिंस)। असम के नगांव जिले के कठियातली कचहरी गांव की एक दृष्टिहीन युवती सिमू दास के भारतीय दृष्टिहीन क्रिकेट टीम के लिए चुने जाने की खबर से कठियातली इलाके में खुशी की लहर दौड़ गई है। असम की पहली दृष्टिहीन महिला ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेलने के लिए क्वालीफाई किया है। गौरतलब है कि सिमू ने पिछले साल जनवरी में नेपाल में आयोजित दृष्टिहीन महिला क्रिकेट टूर्नामेंट में मैन ऑफ द सीरीज और मैन ऑफ द मैच जीतकर असम का नाम रौशन किया था। इस बार अगस्त में सिमू इंग्लैंड में भारतीय क्रिकेट टीम के लिए खेलेंगी। सिमू का भाई भी विशेष रूप से सक्षम है। सिमू कठियातली के एक बहुत गरीब परिवार की युवती है।

चंद्रशेखर पर हमला करने वाले चार आरोपी हरियाणा से गिरफ्तार

सहारनपुर (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले के देवबंद में पिछले दिनों भीम आर्मी प्रमुख चंद्रशेखर आजाद पर जानलेवा हमला करने वाले चार अभियुक्तों को हरियाणा के अंबाला से गिरफ्तार किया गया है। चारों अभियुक्त अंबाला की अदालत में सरेंडर करने की फिराक में थे। सादी में वर्दी में तैनात सहारनपुर के पुलिसकर्मियों ने चारों को अदालत परिसर से ही गिरफ्तार कर लिया। सभी को ट्रांजिड रिमांड पर लाया जा रहा है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉक्टर विपिन ताडा ने चंद्रशेखर पर जानलेवा हमला करने वाले चार लोगों की गिरफ्तारी की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार चारों आरोपितों को अंबाला से ट्रांजिट रिमांड पर सहारनपुर लाया जा रहा है। पकड़े गए तीन युवक देवबंद क्षेत्र के गांव रणखंडी के रहने वाले लविश, आकाश और पोपट हैं। चौथा आरोपित हरियाणा के करनाल के गांव गोंदर का रहने वाला है। लविश ने पिछले दिनों उत्तराखंड के जेलर पर हमला बोला था। उत्तराखंड पुलिस ने इस मामले में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। 15 दिन पहले ही लविश जमानत पर जेल से बाहर आया था। अब इसने अपने साथियों के साथ मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया है।

पृष्ठ एक का शेष

समृद्धि हाइवे पर ...

और डिवाइडर से टकराकर पलट गई। इस दौरान बस में आग लग गई। बस में आग लगने के बाद आठ यात्री बस का शीशा तोड़कर बाहर किसी तरह निकल पाए। मगर वह भी झुलस गए। बस से निकलते वक्त कुछ चोट भी इन लोगों को आई है।

गृहमंत्री फडणवीस ने ...

के आश्रितों को पांच लाख रुपए की मदद की देने घोषणा की है। यह हादसा शुक्रवार रात करीब एक बजकर 35 मिनट पर बुलढ़ाणा जिले में समृद्धि हाइवे पर पिंपलखुटा फाटा के हुआ है। यहां नागपुर से पुणे जा रही बस दुर्घटनाग्रस्त होकर पलट गई और बस में आग लग गई। इस बस में दो चालकों सहित 33 लोग सवार थे। बस चालक दानिश शेख ने पहले बताया था कि बस का अगला टायर निकल गया था। बस जलने के बाद चारों टायर पूर्ववत मिले हैं। इसी वजह से संभावना जताई जा रही है कि चालक को अचानक नींद आने से यह हादसा हुआ। दूसरा ड्राइवर अरविंद मारुति जाधव सो रहा था। उसे मामूली चोट आई है। बुलढ़ाणा जिले के पुलिस अधीक्षक सुनील कडासने ने कहा है कि शवों का डीएनए टेस्ट कराने के लिए जिला अस्पताल के प्रमुख डॉक्टर से बात की गई है। डीएनए परीक्षण के बाद शव उनके रिश्तेदारों को सौपे जाएंगे।

लाचित बरफुकन और ...

आयोजित एक समारोह में नकद प्रोत्साहन एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर बोलते हुए, मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने कहा कि अप्रैल के महीने में गुवाहाटी के सोरुसजाई खेल परिसर में मेगा बिहू कार्यक्रम राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बिहू मान्यता दिलाई थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असमिया गामोछा धारण किया है, तब से इसका उपयोग पूरे देश में व्यापक हो गया है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि वैश्विक मंच पर बिहू के प्रचार के साथ, बिहू नृत्य जल्द ही देश भर में अन्य लोकप्रिय नृत्य रूपों की तरह लोकप्रिय हो जाएगा और मास्टर प्रशिक्षकों को अन्य क्षेत्रों के लोगों को बिहू सिखाने के लिए देश भर में यात्रा करनी होगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार नई दिल्ली में लगभग 25 हजार बिहूआ और बिहूवति द्वारा बिहू नृत्य आयोजित करेगी। डॉ. शर्मा ने कहा कि नई दिल्ली में लाचित बरफुकन की 400वीं जयंती मनाए जाने से लोगों में देशभक्त के बारे में और अधिक जानने का नया रुझान पैदा हुआ है। उन्होंने कहा कि लाचित बरफुकन पर विशेष रूप से एक पुस्तक प्रकाशित की गई है और पुस्तक का विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद करने का प्रयास किया गया है। उनकी सरकार हर राज्य में पुस्तक जारी करने और अन्य राज्यों के पाठ्यक्रम में लाचित बरफुकन पर एक पाठ शुरू करने के लिए कदम उठाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जोरहाट में स्थापित की जा रही लाचित बरफुकन की प्रस्तावित प्रतिमा पूरी होने पर देश की तीन सबसे भव्य प्रतिमाओं में से एक बन जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि असम को सबसे विकसित राज्यों में से एक में बदलने के लिए राज्य की युवा शक्ति की क्षमताओं उपयोग करना होगा। इसके एक हिस्से के रूप में, राज्य सरकार ने भर्ती प्रक्रिया को बहुत पारदर्शी बनाया है और शिक्षित युवाओं को सरकारी नौकरियों में नियुक्त किया है। इससे असम को एक नई पहचान मिली है। असम के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए, राज्य सरकार ने 2 अक्तूबर, 2023 को एक करोड़ पौधे लगाने का भी फैसला किया है। उन्होंने कहा कि ये पौधे अगले पांच वर्षों में व्यावसायिक संसाधन बन जाएंगे। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री रामेश्वर तेली, असम सरकार के सांस्कृतिक मामलों के मंत्री बिमल बोरा, विधायक प्रशांत फुकन, तरंगा गोगोई, विनोद हजारिका, पोनाकन बरुवा, चक्रधर गोगोई, तेरश ग्वाला, पद्मश्री हेमप्रभा सुतिया और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति इस अवसर पर उपस्थित थे।

रथयात्रा : मारे गए लोगों ...

गोविंदा दास ने कहा कि मैं पहले ही घटनास्थल का दौरा कर चुका हूं और प्रभावित लोगों के परिवारों से मिल चुका हूं। हम घटना की आंतरिक जांच करेंगे और अगर किसी की गलती पाई गई तो आवश्यक कदम उठाएंगे। हम जल्द ही रथ यात्रा आयोजित करने के लिए दिशानिर्देश तैयार करेंगे क्योंकि ऐसी घटना कहीं भी हो सकती है। बता दें कि त्रिपुरा के कुमारघर इलाके में बुधवार दोपहर वापसी रथ यात्रा उत्सव के दौरान भगवान जगन्नाथ का रथ एक हाई-टेंशन तार के संपर्क में आ गया, जिससे दो बच्चों सहित सात लोगों की मौत हो गई और 16 अन्य घायल हो गए। इसके बाद यात्रा में भगदड़ के हालात हो गए थे, हालांकि पुलिस ने स्थिति को संभाल लिया था। त्रिपुरा पुलिस ने त्योहार के दौरान बिजली के झटके से हुई मौतों की जांच शुरू कर दी है। कुमारघाट पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी शंकर दास ने दावा किया कि वापसी रथ यात्रा उत्सव के दौरान जुलूस के लिए आयोजकों ने अनुमत मार्ग का पालन नहीं किया था। इस बीच, पूर्व मुख्यमंत्री माणिक सरकार के नेतृत्व में वाम मोर्चा के एक प्रतिनिधिमंडल ने कुमारघाट का दौरा किया जहां घटना हुई थी। उन्होंने घटना में जान गंवाने वाले लोगों के परिवार के सदस्यों से भी मुलाकात की। त्रिपुरा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष आशीष कुमार साहा के साथ पूर्व विधायक डी सी ह्रांगखॉल ने भी शोक संतप्त परिवारों से मुलाकात की और इसकी उचित जांच की मांग की।

हिंसा के बाद मणिपुर ...

मानना है कि अगले एक सप्ताह या 10 दिनों में और सुधार होगा। कांग्रेस मणिपुर का रोना रो रही है, जबकि अपेक्षाकृत शांति आ गई है। उन्हें उस समय कोशिश करनी चाहिए थी जब स्थिति खराब थी। तब उन्होंने मणिपुर के बारे में बात तक नहीं की। सीएम शर्मा ने राहुल गांधी की मणिपुर की यात्रा पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि मणिपुर में अब स्थिति सुधार हो रही है और मणिपुर लगभग सामान्य स्थिति की ओर लौट रहा है तो वह इसपर बात कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि मैं आपको गारंटी के साथ बता सकता हूं कि मणिपुर की स्थिति में एक महीने पहले की तुलना में सुधार हुआ है...स्थिति तेजी से सामान्य हो रही है।

भारत के विचारों ...

विपक्षी नेताओं ने पीएम मोदी पर कई राज्यों में चुनाव नजदीक आने पर राजनीतिक लाभ के लिए यूसीसी मुद्दा उठाने का आरोप लगाया है। यूनिफॉर्म सिविल कोड सभी धर्मों के लोगों के लिए व्यक्तिगत कानूनों को एक समान संहिता रखने का विचार है। व्यक्तिगत कानून में विरासत, विवाह, तलाक, चाइल्ड कस्टडी और गुजारा भत्ता जैसे कई पहलू शामिल हैं। हालांकि, वर्तमान में भारत के व्यक्तिगत कानून काफी जटिल और विविध हैं, प्रत्येक धर्म अपने विशिष्ट नियमों का पालन करता है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 44 के मुताबिक, राज्य भारत के पूरे क्षेत्र में नागरिकों के लिए एक समान नागरिक संहिता को सुरक्षित करने का प्रयास करेगा। यानी संविधान सरकार को सभी समुदायों को उन मामलों पर एक साथ लाने का निर्देश दे रहा है, जो वर्तमान में उनसे संबंधित व्यक्तिगत कानूनों द्वारा शासित हैं। हालांकि, यह राज्य की नीति का एक निर्देशक सिद्धांत है, जिसका अर्थ है कि यह लागू करने योग्य नहीं है।

गुवाहाटी में दूध की ...

व्यवसायी संस्था अपनी इच्छा अनुसार जब मर्जी दूध के दाम में इजाफा करते हैं। इस पर जिला प्रशासन का कोई नियंत्रण नहीं है। अगर हालात ऐसे ही रहे तो जल्द ही 100 रुपए प्रति लीटर दूध खरीदना पड़ेगा। दूध के दाम में इजाफा से पहले वृहत्तर गुवाहाटी गोपालक संस्था और वृहत्तर गुवाहाटी दूध व्यवसायी संस्था को जिला उपायुक्त के साथ बैठक कर दाम में इजाफा करना चाहिए न कि हर साल अपनी मर्जी से दाम में इजाफा करना चाहिए। इससे आम जनता की जेब पर काफी बुरा असर पड़ता है। उपभोक्ताओं का कहना है कि अन्य राज्यों की तुलना में गुवाहाटी में दूध की कीमत काफी अधिक है। ज्ञात हो कि 2020 में वृहत्तर गुवाहाटी गोपालक संस्था द्वारा एक जुलाई को दो रुपए, 2021 में एक जुलाई को 2 रुपए और 2022 में एक अगस्त से 3 रुपए प्रति लीटर दूध के दाम में वृद्धि किया था। जिसका हम घोर विरोध करते हैं, जिला प्रशासन दूध के दामों पर अंकुश लगाए।

मणिपुर में सबकुछ ...

काम करता रहूंगा। उन्होंने कहा कि जनता के विश्वास के बिना कोई भी नेता, नेता नहीं हो सकता। मुझे अच्छा लग रहा है कि जब मैं (मुख्यमंत्री आवास से) बाहर निकला तो सड़कों पर भारी भीड़ थी। वे रोये और मुझ पर अपना भरोसा दिखाया। इससे मेरे विचार गलत साबित हुए, क्योंकि लोग अभी भी मेरे समर्थन में खड़े थे। उन्होंने मुझसे कहा कि मैं इस्तीफा न दूं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि वे मुझसे इस्तीफा देने के लिए कहेंगे, तो मैं इस्तीफा दे दूंगा और अगर ऐसा नहीं करने के लिए कहेंगे तो मैं ऐसा नहीं करूंगा। उन्होंने कहा कि मणिपुर के लिए राज्य और केंद्र सरकार की ओर से प्रयास किए जा रहे हैं। स्थिति को संभालने के प्रयास जारी हैं। फोर्स की 40 से ज्यादा कंपनियां यहां आ चुकी हैं। खाद्य सामाग्री पर्याप्त मात्रा में है। रिलीफ कैंप में लोगों को पहुंचाने से लेकर बाकी काम हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ जगहों में भाजपा के दफ्तर और अन्य जगहों पर हमले हुए यह देखकर मुझे लगा कि 5-6 वर्ष में जो हमने मणिपुर के लिए किया, शायद लोगों का समर्थन हमने खो दिया है। जिस कारण से मैंने यह (मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा) फैसला लिया, लेकिन फिर मुझे एहसास हुआ कि जनता का विश्वास अब भी मेरे साथ है, मैं जो सोच रहा था वैसा नहीं है। वहीं, क्या राज्य में हुई हिंसा में किसी अंतर्राष्ट्रीय संगठन की भूमिका हो सकती है? इस सवाल पर बीरेन सिंह ने कहा कि हम यह नहीं कह सकते हैं, लेकिन मणिपुर म्यांमार का पड़ोसी है। पास में चीन है। हमारी 398 किमी सीमाएं असुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय सुरक्षा बल है, लेकिन इतने बड़े इलाके की सुरक्षा नहीं की जा सकती, जो अभी हो रहा है उसे देखते हुए हम न तो इससे इनकार कर सकते हैं और न ही जोरदार तरीके से पुष्टि कर सकते हैं... यह पूर्वनियोजित लग रहा है, लेकिन इसके कारण का खुलासा नहीं हुआ है। उल्लेखनीय है कि बीते दिनों बीरेन सिंह द्वारा इस्तीफा टाइप करने की अपुष्ट खबरें सामने आई थीं। हालांकि, उन्होंने ट्वीट कर तमाम अटकलों पर विराम लगा दिया था। उन्होंने कहा था कि मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि इस कठिन समय में मैं मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा नहीं दूंगा। पूर्वोत्तर राज्य में मेइती और कुकी समुदायों के बीच जातीय हिंसा में अबतक 100 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है।

देशभर के पांच लाख ...

चंपत राय ने बताया कि प्राण प्रतिष्ठा उत्सव के दौरान देशभर से लोग अयोध्या पहुंचने में परेशानी होगी इसलिए अयोध्या आने से अच्छा है कि पूरे देश में आयोजन किया जाए। हिंदुस्तान में ढाई लाख पंचायते हैं और हर पंचायत में एक मंदिर जरूर है। शहर के मोहल्लों में भी ढाई लाख मंदिर होंगे इसलिए 5 लाख मंदिरों में 12 दिन पहले से अपनी श्रद्धा और आस्था के अनुसार राम नाम संकीर्तन समाज के अनुकूल किया जाएगा। इस प्रकार की अपील देश के लोगों से की है। इस पूरे कार्यक्रम का आयोजन लाइव किया जाएगा। देश के 5 लाख गांव और मोहल्लों के मंदिरों में इस प्रकार के कार्यक्रम को दिखाया जाएगा। पूरे आयोजन का प्रसाद गांव-गांव में वितरित किया जाए, इस पर विचार किया जा रहा है। इसके बाद भी 5 लाख से अधिक लोग अयोध्या आएंगे। अयोध्या के 500 से अधिक मठ मंदिरों मैं भी भगवान राम लला के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को मनाया जाएगा। इसके साथ ही अयोध्या के मठ मंदिरों में बड़े स्क्रीन के माध्यम से मंदिर के उत्सव का लाइव प्रसारण हो इसके लिए श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि व सदस्य विश्व तीर्थ प्रसन्नाचार्य अयोध्या के संतों के साथ बैठक कर एक वृहद योजना तैयार कर रहे हैं। राम मंदिर में भगवान राम लला प्राण प्रतिष्ठा के पहले परिसर में स्थित कुबेर टोला पर दिसंबर 2023 में ही जटायु की मूर्ति की स्थापना हो जाएगी। मंदिर निर्माण समिति के चेयरमैन नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि राष्ट्र के लिए जो बचन बद्धता दी थी को दिसंबर 2023 तक भूतल बनकर तैयार हो जाएगा इसका प्रयास है।

आतंकी हमले के....

आईपीएस तथा संपत्ति विध्वंस एवं नुकसान अधिनियम की संबंधित धाराएं लगाई गई हैं। संघीय जांच एजेंसी ने बताया कि अहमद और सैयद यासीन के खिलाफ इस साल मार्च में आरोपपत्र दाखिल किया गया था और उन्हें अब अन्य अपराधों को लेकर भी आरोपित किया गया है। उसने बताया कि अहमद, सैयद, रीशान, थाजुद्दीन शेख, माजिद अब्दुल रहमान और नदीम अहमद के ए ने यांत्रिकी और इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी की पढ़ाई कर रखी है। संघीय जांच एजेंसी ने कहा कि उन्हें विदेशी धरती से आईएसआईएस के आका ने देश में आतंकी संगठन के एजेंडे को आगे बढ़ाने एवं आतंकवादी हमले करने के लिए रोबोटिक्स का कोर्स करने का निर्देश दिया था। उसने कहा कि जांच से खुलासा हुआ है कि शरीक, मुनीर और यासिन ने इस्लामिक इस्टेट के निर्देश पर इस क्षेत्र में आतंक एवं हिंसा बढ़ाने के लिए विदेश स्थित आईएसआईएस सदस्यों की मिलीभगत से आपराधिक साजिश रची थी। एनआईए ने बताया कि इन तीनों ने देश की सुरक्षा, एकता और संप्रभुता को नुकसान पहुंचाने के मकसद से सह -आरोपियों को कट्टरपंथ की घुट्टी पिलाई और उनकी अपने संगठन में भर्ती की। उसने बताया कि ऑनलाइन आका (हैंडलर) ने क्रिप्टोकरेंसी की मदद से आरोपियों तक पैसे पहुंचाए। यह मामला शुरू में पिछले साल 19 नवंबर को शिवमोगा ग्रामीण पुलिस ने दर्ज किया और बाद में 15 नवंबर को एनआईए ने जांच अपने हाथ में ले ली।

फ्रांस दंगे पर सीएम ...

जवाब दिया गया है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ऑफिस से किए गए रीट्विट में लिखा गया है कि जब भी विश्व के किसी भी हिस्से में उग्रवाद दंगे भड़काता है। अराजकता फैलती है और कानून-व्यवस्था की स्थिति उत्पन्न होती है, तो दुनिया सांत्वना तलाशती है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी द्वारा स्थापित कानून-व्यवस्था के परिवर्तनकारी *योगी मॉडल* के लिए तरसती है। आपको बता दें कि फ्रांस की राजधानी पेरिस के सब-अर्बन एरियानेन्तेरे में बीती 27 जून को 17 साल के लड़के नाहेल को ट्रैफिक सिग्नल पर ना रुकने के बाद पुलिस ने गोली मार दी थी। जिसके बाद से फ्रांस में हिंसा जारी है। फ्रांस 24 की रिपोर्ट के अनुसार, तीन दिनों में प्रदर्शनकारियों ने 492 इमारतों को नुकसान पहुंचाया है, 2000 गाड़ियां जला दी गईं, 3880 अन्य जगहों पर आगजनी हुई। फ्रांस की इंटीरियर मिनिस्ट्री ने 40 हजार पुलिसकर्मियों को सड़कों पर तैनात कर दिया है। अब तक 875 प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया है।

बेल्जियम तक पहुंची ...

और 471 लोगों को गिरफ्तार किया। जबकि तीसरी रात की हिंसा के दौरान 917 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। हालांकि नानतेरे में कई वाहन जलते दिखे। वीडियो फुटेज में दमकलकर्मी बसों और कारों में लगी आग बुझाते दिख रहे हैं। फ्रांस की राजधानी पेरिस के नानतेरे में ही मंगलवार को 17 वर्षीय नाहेल को पुलिस ने गोली मार दी थी। इसके बाद नानतेरे समेत लगभग पूरे देश में हिंसा भड़क उठी थी। दारमेनिन ने बताया है कि हिंसा भड़काने के आरोप में 13 साल के बच्चों को भी गिरफ्तार किया गया है। इस बीच, फ्रांस के फुटबॉल स्टार किलियान बप्पे ने शांति की अपील करते हुए कहा है कि हिंसा से कोई समाधान नहीं निकल सकता। उन्होंने लोगों से मृतक का शोक मनाने, आपस में बातचीत कर मसला सुलझाने और हिंसा में नष्ट हुई चीजों को दोबारा खड़ा करने की अपील की है। नानतरे के मेयर जेरी ने कहा कि शहर के माहौल में गम और गुस्सा है। आज का दिन इंसाफ की मांग का दिन है। वामपंथी और फ्रांस की कम्युनिस्ट पार्टी के पूर्व सदस्य जेरी ने कहा कि हम बेहद कठिन क्षणों को जी रहे हैं। हमें नाहेल की मां के साथ हमदर्दी है और हमें उनके इर्द-गिर्द ही रहना होगा।

स्वर्वेद भाष्य

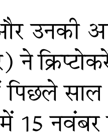

चतुर्थ मंडल **चतुर्दश अध्याय**

(आध्यात्मिक वंदना)

हे प्रभु महिला आपकी, कौन कहे तुम देख।
नेति नेति वेदन कहा, सहस शारदा शेष॥ 29॥

शब्दार्थ : (नेति) जिसका अंत नही (सहस) हजार (शारदा) वाणी (शेष) अन्त।

भाष्य : परब्रह्म के साक्षात्कार, अनुभव के महत्व को कौन कह सकता है? हे प्रभु! आप की महिमा का सहस्त्र सरस्वती एवं वेदों ने भी अंत न पाकर नेति-नेति कहा है।

माप नाप सब अंत है, बुद्धि विज्ञानप शांत।
सत्ता पूर्ण अनंत है, सर्व अनंत अनंत॥ 30॥

शब्दार्थ : (माप) नापना (नाप) तौल करना (अंत) सीमा (विज्ञानप) जानना (शांत) सीमावद्ध।

भाष्य : जीव को बुद्दि द्वारा जो कुछ ज्ञान है, उन सभी का आधार सीमा है और वे सभी ज्ञान परिमित शांत है। पूर्ण परमप्रभु अनंत हैं एवं उनकी सभी क्रियाएं तथा गुण भी अनंत हैं।

लाभार्थी शिक्षकों और कर्मचारियों को पेंशन स्वीकृति पत्र प्रदान

रंगिया (विभास)। कामरूप जिले में 30 जून को सेवानिवृत्त हुए प्राथमिक और माध्यमिक स्तर के कुल 30 शिक्षकों और कर्मचारियों को आज पेंशन लाभ के विभागीय स्वीकृति पत्र सौंपे गए। यह कार्यक्रम कामरूप जिले के एकीकृत उपायुक्त कार्यालय के जिला विकास आयुक्त के बैठक कक्ष में आयोजित किया गया। कामरूप जिले के स्कूलों के निरीक्षक, अपूर्ब ठाकुरिया ने सेवानिवृत्त शिक्षकों और कर्मचारियों के कल्याण के लिए राज्य सरकार द्वारा उठाए गए विभिन्न कदमों के बारे में बताया। उन्होंने सेवानिवृत्त शिक्षकों से सेवानिवृत्ति के दौरान भी शिक्षा व्यवस्था से जुड़े रहने का आग्रह किया। आमंत्रित अतिथि के रूप में बोलते हुए, भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व अधिकारी थानेश्वर मालाकार ने शिक्षक समुदाय से छात्रों को होम वर्क प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। उन्होंने शिक्षकों से आग्रह किया कि वे चारदीवारी तक ही सीमित न रहें, बल्कि नई शिक्षण पद्धतियों के साथ विद्यार्थियों को आगे बढ़ाएं। उन्होंने शिक्षकों की सामाजिक जिम्मेदारी पर जोर देते हुए कहा कि सामाजिक पतन को रोकने में शिक्षकों की अहम भूमिका है। इसलिए उन्होंने छात्रों की नैतिक शिक्षा पर ध्यान देने का आग्रह किया। पूब कामरूप महाविद्यालय के सेवानिवृत्त असमिया विभाग के प्रमुख प्रोफेसर खगेन तालुकदार ने सेवानिवृत्त शिक्षकों से अपनी पढ़ाई के क्षेत्र से जुड़े रहने और ज्ञान के प्रकाश से समाज के जीवन को रोशन करने का आग्रह किया। बैठक को सेवानिवृत्त बैंक अधिकारी रॉबिन पाठक ने संबोधित किया और सेवानिवृत्त शिक्षकों से स्वेच्छा से वेस्पा योजना में शामिल होने का आग्रह किया और सेवानिवृत्त शिक्षकों से सरकारी स्कूलों में सेवा देने का अनुरोध किया। समारोह में सेवानिवृत्त शिक्षकों ने भी सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदम की सराहना की।

मंत्री केशव महंत ने दक्षिण सालमारा जिला अस्पताल का किया उद्घाटन

दक्षिण सालमारा (हिंस)। असम के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री केशव चंद्र महंत ने शनिवार को दक्षिण सालमारा-मानकचार जिला मुख्यालय हाटशिंगीमारी में 100 बेड वाले जिला अस्पताल का उद्घाटन किया। उल्लेखनीय है कि मंत्री ने कार्यक्रम के बाद एक जनसभा में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के प्रत्येक जिले में एक सर्वांगीण सुंदर अस्पताल की स्थापना के उद्देश्य से मैंने मुख्यमंत्री के सपने को साकार करते हुए आज दक्षिण सालमारा मानकचार में 100 बिस्तरों वाले पूर्ण जिला चिकित्सालय का विधिवत उद्घाटन किया। ज्ञातव्य है कि राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के विशेष दिन पर इस अवसर पर लगातार मानव सेवा में लगे लगभग 36 डॉक्टरों को सम्मानित किया गया। मंत्री महंत ने कहा कि हमने आज से अस्पताल में शुरू होने वाले डायलिसिस सेवा केंद्र का भी उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि जिला मुख्यालय हाटशिंगीमारी में स्थापित इस अस्पताल में बाह्य रोगी चिकित्सा विभाग की विभिन्न चिकित्सा सेवाओं, अंतर-चिकित्सा विभाग के साथ-साथ शल्य चिकित्सा सुविधाओं तक पहुंच होगी। मुझे उम्मीद है कि जिले के लोगों को इस अस्पताल के माध्यम से अत्याधुनिक चिकित्सा देखभाल से लाभ होगा। जिले में स्वास्थ्य क्षेत्र के उत्थान के लिए हमारे प्रयास आने वाले दिनों में भी निरंतर जारी रहेंगे। इस अवसर पर असम अल्पसंख्यक विकास बोर्ड के अध्यक्ष और मनकाचर के पूर्व विधायक जावेद इस्लाम, स्वास्थ्य विभाग के निदेशक

मनोज कुमार चौधरी, स्थानीय विधायक अमीनुल इस्लाम, जिला उपायुक्त विकास चंद्र भगवती, जिला पुलिस अधीक्षक हरेन तकबी, भाजपा के जिला अध्यक्ष अधीर चंद्र दास सहित अन्य हजारों लोग उपस्थित थे। आज के कार्यक्रम में जावेद इस्लाम ने कहा कि यह जिला विभिन्न समस्याओं से ग्रस्त है। इसलिए उन्होंने मंत्री को इस जिले के विकास की जानकारी दी और विकास का अनुरोध किया। इस अवसर पर मानकचार के विधायक अमीनुल इस्लाम ने जिले की विभिन्न समस्याओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस जिले में कटाव को रोकने के लिए व्यवस्था की जानी चाहिए। उन्होंने मंत्री को हाटशिंगीमारी से मानकचार तक सड़क का निर्माण, असम के रास्ते मानकचार होते हुए अगिया से फकीरगंज तक सड़क का निर्माण, जिले में अच्छे अस्पताल की व्यवस्था, शिक्षा का विकास, पुलों आदि के निर्माण की जानकारी दी और जिले के विकास की मांग की। मंत्री ने कार्यक्रम के आयोजन पर संतोष व्यक्त किया और लोगों को आश्वासन दिया कि इस जिले का सर्वांगीण विकास किया जाएगा।

रंगिया : बच्चों की प्रारंभिक चिकित्सा को लेकर शिविर का आयोजन

रंगिया (विभास)। जिला प्राथमिक चिकित्सा व्यवस्थापना केंद्र, कामरूप ग्राम्य द्वारा तथा शिशु सारथी, रंगिया सिविल अस्पताल और बीपीएचसी के सहयोग से शुक्रवार को तीन दिवसीय कार्यक्रमों के साथ बच्चों की प्रारंभिक चिकित्सा को लेकर एक शिविर का आयोजन किया गया। बताया गया है कि इसके अंतर्गत बच्चों के विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रारंभिक हस्तक्षेप सेवाएं प्रदान की जाएगी और जन्म से 6 वर्ष तक की उम्र के बच्चों के शरीर में दिखाई पढ़ने वाले विकलांगता के लक्षणों की पहचान कर इसके निवारण की व्यवस्था की जाएगी। जिससे बच्चे इसके लक्षणों से संपूर्ण रूप से दूर हो सके और स्वाधीन रूप से अपना जीवन यापन कर सके। मिली जानकारी के अनुसार आयोजित शिविर के साथ डीआईसी केंद्र में बच्चों को दैनिक रूप से फिजियोथेरेपी, ऑक्यूपेशनल थेरेपी आदि प्रदान की जाएगी। कार्यक्रम में कामरूप जिले की सहायक आयुक्त मोनिका बरगोहाईं, रंगिया महकमा सिविल अस्पताल के उप-अधीक्षक डॉ. दिलिप कुमार बैश्य, डीपीएम कामरूप स्मिता सैकिया, आरबीएसके नोडल अधिकारी (कामरूप) डॉ. रुपाली सैकिया, डीएमई एनएचएम (कामरूप) नीलाक्षी मेधी, आरबीएसके को ऑर्डिनेटर वर्षा देवी, बीपीएम रंगिया ब्लॉक पीएचसी एम के बरगोहाईं, बीसीएम रंगिया बीपीसीएच लखिमी बरुवा, डीईआईसी प्रबंधक रंगिया अभिजीत भराली सहित डीआईसी आरबीएसके, केसीडीपीओ रंगिया, रंगिया एसडीसीएच की टीम सहित संस्था शिशु सारथी, गुवाहाटी की टीम उपस्थित रही।

धुबड़ी जिला दिवस पर कई कार्यक्रम आयोजित

धुबड़ी (हिंस)। धुबड़ी जिला दिवस के अवसर पर आज आयोजित कार्यक्रम में राज्य के मंत्री जयंत मल्लबरुवा ने हिस्सा लिया। मंत्री ने इस मौके पर धुबड़ी जिले के बिहू नृत्य से विश्व रिकॉर्ड बनाने वाले 53 कलाकारों को भी सम्मानित किया। गुणोत्सव में जिले से स्थान पाने वाले पांच विद्यालयों को प्रमाण पत्र दिए गए। इस मौके पर पूर्व विधायक अश्विनी सरकार और पूर्व विधायक अशोक कुमार सिंघी भी उपस्थित थे। मंत्री मल्लबरुवा ने अपने संबोधन के दौरान राज्य के मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के विकास कार्यों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि बिहू के विश्व रिकॉर्ड कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति ने एक अलग आयाम जोड़ा है। उन्होंने कहा कि असम में, पर्यटन क्षेत्र में असमिया पर्यटकों की संख्या में 575 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो राज्य के लिए एक खुशी की खबर है। असम के पर्यटन क्षेत्र में विदेशी पर्यटकों में 765 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। असम में पर्यटकों की इस वृद्धि का मुख्य कारण शांति और प्रगतिशील सोच है। उन्होंने कहा कि सिर्फ पर्यटन ही नहीं, बल्कि उद्योग के क्षेत्र में भी असम में नए उद्यम स्थापित करने के लिए करोड़ों रुपए का निवेश हुआ है। ज्ञात हो कि धुबड़ी जिले का गठन 1 जुलाई, 1983 को हुआ था। उल्लेखनीय है कि धुबड़ी जिला दिवस के अवसर पर आज सुबह वॉकाथन कार्यक्रम आयोजित किया गया। धुबड़ी जिला प्रशासन की पहल पर धुबड़ी के राजा प्रभात चंद्र बरुवा खेल मैदान से लेकर शहर के विभिन्न इलाकों में जिला उपायुक्त, जिला पुलिस अधीक्षक, अतिरिक्त उपायुक्त, जिला खेल संघों के पदाधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ-साथ आम जनता भी इस वॉकाथन में भाग लिया। जिला उपायुक्त ने कहा कि धुबड़ी जिला दिवस के अवसर पर आज दिन भर के विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए किए गए।

ग्राम प्रधान पर नौकरी दिलाने के नाम पर महिला को अश्लील प्रस्ताव का आरोप, मामला दर्ज

नगरबेड़ा (विभास)। कामरूप जिले के बोको विधानसभा क्षेत्र के मंदिरा पुलिस थाने के अंतर्गत योगीपाड़ा के एक ग्रामीण पर गरीब महिला को अश्लील प्रस्ताव देने का आरोप लगा है। प्राप्त शिकायत के अनुसार जिले के उक्त थाना क्षेत्र के योगीपाड़ा के सरकारी गांव प्रधान महादेव दास पर गांव के ही एक गरीब परिवार की बहू को ग्राम सेवक की नौकरी दिलाने के नाम पर बहू के मोबाइल पर कई दिनों तक अश्लील मैसेज देकर महिला को मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का आरोप है। गांव प्रधान महादेव दास ने इस तरह के अश्लील प्रस्तावों को अस्वीकार करने के बाद

गांव के बुजुर्ग महिला को धमकी देने का भी आरोप लगा है। घटना के संबंध में पीड़िता ने बोको थाने में गांव प्रधान के खिलाफ पहले ही प्राथमिकी दर्ज करा दी है और जिला कलेक्टर और नगरबेड़ा राजस्व सर्किल के अंचल अधिकारी से लिखित शिकायत कर न्याय की मांग की है। पीड़ित ने गांव के इस गांव प्रधान महादेव दास और भ्रष्टाचार की कई और अनियमितताओं के आरोप लगाए हैं। पीड़िता ने राज्य के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा से गांव के गांव प्रधान महादेव दास के खिलाफ जल्द से जल्द सख्त कार्रवाई करने की मांग की है.

बिहू नृत्यांगणाओं सहित अन्य कलाकारों का मंत्री पीयूष हजारिका ने किया अभिनंदन

नगांव (विसं)। इस वर्ष गत 14 अप्रैल को गुवाहाटी स्थित सरुसजाई स्टेडियम में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में व असम सरकार के तत्वावधान में आयोजित एक साथ सामूहिक बिहू नृत्य प्रस्तुत कर जो विश्व रिकॉर्ड बना कर असम को गौरवान्वित किया था उस बिहू नृत्य में नगांव जिला के जिन 771 कलाकारों को मुख्य मंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के निर्देश पर, असम सरकार के सांस्कृतिक परिक्रमा विभाग के सौजन्य से व नगांव जिला प्रशासन के तत्वावधान में शनिवार को अभिनंदन किया गया। नगांव पुलिस छावनी प्रेक्षागृह में आयोजित उक्त कार्यक्रम में जल संसाधन आदि विभाग के मंत्री पीयूष हजारिका मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित रहकर सभी बिहू नृत्य से जुड़े कलाकारों को प्रमाणपत्र आदि प्रदान कर अभिनंदन किया। इस अवसर पर पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री राजेन गोहाई, नगांव सदर विधायक रुपक शर्मा, बढ़मपुर क्षेत्र के विधायक जीतू गोस्वामी, रोहा के विधायक शशिकांत दास, लमडिंग के विधायक शिबू मिश्र, नगांव जिला उपायुक्त नरेंद्र कुमार शाह, पुलिस अधीक्षक नवनीत महंत, नगांव जिला परिषद के मुख्य कार्यवाहक अधिकारी, होजाई महकामाधिपति (असामरिक), नगांव जिला परिषद के प्रतिनिधि, नगांव नगर पालिका के प्रतिनिधि, जिला प्रशासन के अन्य उच्च अधिकारी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

उदालगुड़ी लोस क्षेत्र पुर्ननिधारण को लेकर बीपीएफ का प्रदर्शन

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ जिले के गोसाईगांव के महकामा कार्यालय के पास आज कोकराझाड़ के साथ-साथ उदालगुड़ी (जनजाति) लोकसभा क्षेत्र गठन किए जाने की मांग को लेकर गोसाईगांव और पर्वतझोरा जिला बीपीएफ के नेतृत्व में दो घंटे का धरना प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस धरना-प्रदर्शन कार्यक्रम में बीपीएफ के पूर्व प्रमुख हग्रामा महिलारी उपस्थित थे। इस दौरान उदालगुड़ी लोकसभा क्षेत्र की मांग में बीपीएफ जिंदाबाद, हग्रामा

महिलारी जिंदाबाद आदि नारे लगाए गए। धरना-प्रदर्शन कार्यक्रम में बीपीएफ के स्पोकपर्सन खांफा बारगोयारी, विधायक रवीराम नार्जारी, एमसीएलए बीटीसी मित्युंजय नार्जारी, रहींन्द्र ब्रह्म, मुनमुन बसुमतारी सहित बीपीएफ के कई नेता व सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे। हग्रामा महिलारी ने पत्रकारों के साथ वार्ता के दौरान कहा कि आज बीपीएफ का जितना भी सेल है सब एक साथ मिलकर यहां धरना-प्रदर्शन कार्यक्रम भाग लिया। उन्होंने कहा कि लोकसभा पुर्ननिधारण को लेकर हम संतुष्ट नहीं है। उन्होंने कहा कि बाक्सा और उदालगुड़ी जिले के तामूलपुर, गोरेश्वर, सहित छः क्षेत्रों को लेकर दरंग लोकसभा में शामिल किया गया है, जिसे हम अस्वीकार करते हैं।

ट्रेन की चपेट में आने से महिला की मौत

कामरूप (हिंस)। ट्रेन की चपेट में आने से आज एक महिला की मौत हो गई। यह घटना जिले के छयगांव के धोवरगांव में कामाख्या-जोगीघोपा ब्रॉड गेज रेल लाइन पर हुई। मृतक महिला की उम्र 50 साल से अधिक बताई गई है। बताया जाता है कि ऊपरी असम की ओर जा रही शराइघाट ट्रेन की चपेट में अचानक महिला आ गई। महिला की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। रेलवे पुलिस और छयगांव पुलिस मौके पर मौजूद है।

विश्व रिकॉर्ड बनाने वाले बिहू नृत्य कलाकारों को प्रमाण-पत्र और पुरस्कार वितरित

रंगिया (विभास)। कामरूप जिले के अमीनगांव स्थित एकीकृत उपायुक्त कार्यालय प्रांगण में आयोजित सर्व वृहत्तम बिहू नृत्य द्वारा विश्व अभिलेख स्थापित करने वाले शिल्पियों को प्रमाण-पत्र और पुरस्कार प्रदान कार्यक्रम में असम सरकार के पर्यावरण एवं वन विभाग तथा जिले के अविभावक मंत्री चंद्र मोहन पटवारी उपस्थित रहे। जिन्होंने विश्व रिकॉर्ड बिहू कार्यक्रम में भाग लेने वाले कामरूप जिले के 615 प्रत्येक बिहुआ-बिहुवती को 25,000 रुपए, मुख्यमंत्री द्वारा हस्ताक्षरित एक प्रमाण पत्र और एक कौशल भारत प्रमाण पत्र प्रदान किया। उल्लेखनीय है कि 11,339 बिहुआ नर्तकों की भागीदारी के साथ राज्य सरकार द्वारा एक प्रांगण में आयोजित सबसे बड़ा बिहू नृत्य को गत 13 अप्रैल में गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया था। यह विशाल बिहू कार्यक्रम 14 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में गुवाहाटी के होरुशजाई स्टेडियम में आयोजित

किया गया था। इस उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना के रूप में, राज्य सरकार ने कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रत्येक बिहुआ-बिहुवती को 25,000 रुपए का पारिश्रमिक और एक प्रमाण पत्र देने का निर्णय लिया है। पुरस्कार और प्रमाणपत्र असम के हर जिले में वितरित किए गए है। अपने भाषण में वन मंत्री पटवारी ने बिहू को विश्व पटल पर स्थापित करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा को धन्यवाद दिया। मंत्री ने कहा कि असम को भारत के सर्वश्रेष्ठ राज्यों में से एक बनाने और असम की भाषा, साहित्य और संस्कृति को संरक्षित करने का मुख्यमंत्री का सपना साकार होने लगा है। मंत्री पटवारी ने असम की संस्कृति को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चमकाने के लिए रिकॉर्ड बिहू कार्यक्रम में भाग लेने वाले कामरूप जिले के सभी बिहुआ-बिहुवती, ढुलिया, कलाकारों को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि इतना बड़ा आयोजन असम के लोगों के आंतरिक सहयोग, जिला प्रशासन के समर्थन, कार्यक्रम की योजना से प्रारंभ कर विभिन्न स्थानों, जिला और राज्य स्तरों पर रिहर्सल तक सभी स्तर के व्यक्तियों के समर्थन के कारण संभव हो सका। मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में असम ने विकास की नई गति हासिल की है और विकास की यह यात्रा भविष्य में भी जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि विश्व रिकॉर्ड तोड़ने वाले बिहू कार्यक्रम ने भारत और दुनिया भर में बिहू को एक नई पहचान दी है और बिहू के बारे में चर्चा शुरू हुई है।

सावनसुखा ज्वैलर्स ने गुवाहाटी में अपना विशेष संग्रह प्रदर्शित किया

गुवाहाटी (विभास)। कोलकाता के प्रसिद्ध आभूषण ब्रांडों में से एक, सावनसुखा ज्वैलर्स अपने नवीनतम कलेक्शन के साथ गुवाहाटी पहुंचा है। खानापाड़ा स्थित होटल ताज विवांता में आयोजित दो दिवसीय प्रदर्शनी में सावनसुखा ज्वैलर्स की ओर से हीरे, जड़ाऊ और सोने के अपने कलेक्शन की प्रदर्शनी सह-बिक्री लगाई गई है। इस सिलसिले में सावनसुखा ज्वैलर्स के प्रमुख सिद्धार्थ सावनसुखा ने बताया कि सावनसुखा ज्वैलर्स की 250 वर्षों का समृद्ध इतिहास और आठ पीढ़ियों से अधिक की विशेषज्ञता है। उचित मूल्य निर्धारण और पारदर्शिता के साथ सावनसुखा ने वर्षों से अपने ग्राहकों का विश्वास हासिल किया है, जो आज भी बरकरार है। हमारे असाधारण डिजाइन, विवरण और उत्कृष्ट कलकत्ता शिल्प कौशल की दुनिया भर में प्रशंसा हुई है। हमारे कोलकाता और सिलीगुड़ी शोरूम में असम सहित पूर्वोत्तर के ग्राहक पहुंचते हैं। ऐसे में गुवाहाटी में अपने प्रतिष्ठित ग्राहकों के लिए सावनसुखा ज्वैलर्स अपने क्लेक्शन लेकर आया है। हमारे पास दुल्हन के परिधानों के साथ-साथ दैनिक पहनने वाले

आभूषणों की भरमार है। सावनसुखा एक ऐसी गुणवत्ता प्रदान करते हैं जो बेजोड़ है और ग्राहकों की पसंद के बारे में उनकी समझ लगातार देश के हर कोने में एक विशिष्ट अनुभव प्रदान करती है। उन्होंने आशा जताई कि दो दिवसीय इस प्रदर्शनी में यहां के ग्राहक पहुंचकर सावनसुखा ज्वैलर्स के कलेक्शन की खरीददारी कर पाएंगे।

श्री रघुपति के नायक रवि शर्मा का *एकानी* में अभिनंदन

गुवाहाटी (विभास)। असमिया फिल्म जगत में इतिहास रचने वाली फिल्म श्री रघुपति के नायक रवि शर्मा का लाचित नगर के पंचम टावर के प्रथम तल्ले पर स्थित *एकानी* शोरूम में अभिनंदन किया गया। इस मौके पर शोरूम के पार्टनर विनित लोहिया व निधी लोहिया, सहित इस अवसर पर जाने माने फिल्म डिस्ट्रिब्यूटर सिद्धार्थ गोयनका मौजूद थे। इस मौके पर श्री लोहिया ने कहा कि असमिया फिल्म इतिहास में यह पहला मौका है जब रवि शर्मा के अभियन वाली फिल्म श्री रघुपति ने महज 21 दिन में 10 करोड़ का कारोबार कर बड़े बजट की कई

फिल्मों को पीछे छोड़ दिया। एकानी परिवार के लिए यह गर्व का विषय है कि असम के स्टार अभिनेता रवि शर्मा का सम्मान करने का मौका उन्हें मिला। देश की अग्रणी लग्जरी गिफ्टिंग ब्रांड *एकानी* की ओर से मिले सम्मान के प्रति आभार व्यक्त करते हुए अभिनेता श्री शर्मा ने कहा कि एक समय था जब असमिया फिल्म देखने के लिए असमिया लोग जाते थे, मगर आज उन्हें बेहद खुशी है कि अन्य समुदाय के लोग भी असमिया फिल्मों में रुची रखते हैं। उन्होंने एकानी शोरूम की संस्थापक तथा युवा महिला उद्यमीनिधि लोहिया की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से ही देश की अग्रणी लग्जरी गिफ्टिंग ब्रांड *एकानी* का शोरूम गुवाहाटी में खुला है। एकानी जैसे ब्रांड के शोरूम देश के चुनिंदा शहरों में ही हैं। ऐसे में इस शोरूम के माध्यम से असम सहित पूर्वोत्तर के लोगों को अब प्रीमियम ब्रांड जैसे एकानी, नोरिटेक, ऑगस्टिनी, रॉबर्टो, कैवल्ली, ईएल यूनिक निवाना आदि के एक्सक्लूसीव डिनर सेट, होम डेकोर, गोल्ड व सिल्वर प्लेटेड देवी देवताओं की मूर्तियां सहित आंतरिक घरेलू एवं कार्यालयों की साज-सज्जा से जुड़ी सभी तरह की वस्तुएं गुवाहाटी में ही उपलब्ध हो रही है।

No. **DD/APART/108/2022/806**

REQUEST FOR EXPRESSION OF INTEREST
(FOR ENGAGEMENT OF CONSULTANT FOR NABL ACCREDITATION OF MILK TESTING LABORATORY UNDER APART)

1. The Directorate of Dairy Development, Assam invites Expression of Interest from eligible and qualified firms ("Consultants") for acquiring NABL Accreditation of Milk Testing Laboratory, Khanapara in the lines of ISO/IEC 17025:2017 under APART.
2. The interested Service Provider may submit the EOI at Office of the Director, Dairy Development, Khanapara, Guwahati - 22 on or before **17th July 2023.** The relevant details related to the scope of work can be downloaded from the official website **http://dairy.assam.gov.in.**
3. Any query for submitting the "Expression of Interest", interested consultants may mail to **opiuapartddd@gmail.com** or may visit the address of the undersigned on all working days.

-- Janasanyog /C/6119/23

Director
Dairy Development, Assam

भारत को आत्मनिर्भर बनाने में सहकारी समितियां प्रमुख भूमिका निभा सकती हैं: प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने खाद्य तेलों और दालों का आयात कम करने की जरूरत पर बल देते हुए शनिवार को कहा कि भारत को आत्मनिर्भर बनाने में सहकारी समितियां प्रमुख भूमिका निभा सकती हैं। प्रधानमंत्री आज दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी-सह-सम्मेलन केंद्र (आईईसीसी) में 17वीं भारतीय सहकारी कांग्रेस का उद्घाटन करने के बाद सभा को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने सहकारी विपणन के लिए ई-कॉमर्स वेबसाइट और सहकारी विस्तार और सलाहकार सेवा पोर्टल के ई-पोर्टल भी लॉन्च किए। प्रधानमंत्री ने कहा कि अमृत काल में गांवों और किसानों के विकास में सहकारी क्षेत्र की भूमिका बड़ी होने वाली है। उन्होंने जोर देकर कहा, ह्लसरकार और सहकार (सरकार और सहकारिता) मिलकर विकसित भारत के सपने को दोगुनी ताकत प्रदान करेंगे।ह्व उन्होंने बताया कि डिजिटल इंडिया अभियान के माध्यम से सरकार ने पारदर्शिता बढ़ाई और लाभार्थियों के लिए लाभ सुनिश्चित किया। आज, सबसे गरीब लोगों का मानना है कि ऊपरी क्षेत्रों में भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद को समाप्त कर दिया गया है। सहयोग पर फोकस के साथ यह जरूरी है कि हमारे किसान और पशुपालक लोग इसे दैनिक जीवन में महसूस करें। यह जरूरी है कि सहकारी क्षेत्र पारदर्शिता और भ्रष्टाचार मुक्त शासन का मॉडल बने। इसके लिए सहकारी क्षेत्र में डिजिटल प्रणालियों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत अपने डिजिटल लेनदेन के लिए दुनिया में जाना जाता है। उन्होंने सहकारी समितियों और बैंकों से डिजिटल लेनदेन के मामले में आगे रहने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इससे बाजार में पारदर्शिता और दक्षता बढ़ेगी, साथ ही बेहतर प्रतिस्पर्धा भी संभव होगी। प्रधानमंत्री ने भारत को दुनिया का अग्रणी दूध उत्पादक बनाने में डेयरी सहकारी समितियों के योगदान और भारत को दुनिया के शीर्ष चीनी उत्पादक देशों में से एक बनाने में सहकारी समितियों की भूमिका का उल्लेख किया। उन्होंने रेखांकित किया कि देश के कई हिस्सों में छोटे किसानों के लिए सहकारी समितियां एक बड़ी सहायता प्रणाली बन गई हैं। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि डेयरी क्षेत्र में महिलाओं का योगदान लगभग 60 प्रतिशत है। उन्होंने बताया कि यह पहली बार हुआ कि सहकारी समितियों के लिए एक अलग मंत्रालय का गठन किया गया और बजट आवंटित किया गया, जिसके परिणामस्वरूप सहकारी समितियों को बिल्कुल कॉर्पोरेट क्षेत्र की तरह एक मंच प्रदान किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने सहकारी समितियों

को मजबूत करने के उपायों की भी जानकारी दी और कर दरों में कटौती का जिक्र किया। कार्यक्रम से बड़ी संख्या में जुड़े किसानों को ध्यान में रखते हुए, प्रधानमंत्री ने पिछले 9 वर्षों में किसान कल्याण के लिए किए गए उपायों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले अक्सर किसान कहते थे कि उन्हें सरकार की मदद बहुत कम मिलती है और जो थोड़ी बहुत मिलती भी थी वो बिचौलियों के खातों में जाती थी। सरकारी योजनाओं के लाभ से देश के छोटे और मझोले किसान वंचित ही रहते थे। पिछले 9 वर्षों में ये स्थिति बिल्कुल बदल गई है। आज, करोड़ों छोटे किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि मिल रही है। उन्होंने कहा, पिछले 4 साल में इस योजना के तहत 2.5 लाख करोड़ रुपये पारदर्शी तरीके से ट्रांसफर किए गए हैं। उन्होंने कहा कि यदि हम 2014 से पहले 5 वर्षों के कुल कृषि बजट पर विचार करें तो 2.5 लाख करोड़ एक बड़ी राशि है जो 90 हजार रुपये से कम है। इसका मतलब यह है कि उन पांच वर्षों के कुल कृषि बजट का तीन गुना से भी ज्यादा हम केवल किसान सम्मान निधि पर खर्च कर चुके हैं। प्रधानमंत्री ने यह सुनिश्चित करने के तरीकों के बारे में भी विस्तार से बताया कि बढ़ती वैश्विक उर्वरक कीमतों का बोझ किसानों पर न पड़े। उन्होंने कहा कि आज एक किसान यूरिया की एक बोरी के लिए, करीब 270 रुपये चुकाता है जबकि उसी बोरी की कीमत बांग्लादेश में 720 रुपये, पाकिस्तान में 800 रुपये, चीन में 2100 रुपये और अमेरिका में 3000 रुपये है। उन्होंने कहा, इससे पता चलता है कि गारंटी कैसी दिखती है और किसानों के जीवन में बदलाव के लिए कितने बड़े प्रयासों की जरूरत है। प्रधानमंत्री ने बताया कि पिछले 9 साल में सिर्फ फर्टिलाइजर सब्सिडी पर 10 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च किए गए हैं। किसानों को उनकी उपज का सही मूल्य दिलाने के प्रति सरकार की गंभीरता पर प्रकाश डालते हुए, प्रधानमंत्री ने बताया कि सरकार ने किसानों की उपज बढ़ी हुई एमएसपी पर खरीदी और पिछले 9 वर्षों में किसानों को 15 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि दी। मोदी ने कहा, "सरकार कृषि और किसानों पर सालाना औसतन 6.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक खर्च कर रही है।" उन्होंने कहा, "सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि देश के प्रत्येक किसान को हर साल किसी न किसी तरह से लगभग 50 हजार रुपये मिले।" सरकार के किसान कल्याण के विजन को जारी रखते हुए, मोदी ने गन्ना किसानों के लिए 3 लाख 70 हजार करोड़ रुपये के हालिया पैकेज और 315 रुपये प्रति क्विंटल के उचित और लाभकारी मूल्य के बारे में जानकारी दी। इससे 5 लाख गन्ना किसानों और चीनी मिलों में काम करने वाले लोगों को सीधा फायदा होगा। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में खाद्य तेलों और दालों का आयात कम करने की जरूरत पर बल देते हुए कहा कि केवल गेंहू, चावल, चीनी से हम अन्न के क्षेत्र में आत्मनिर्भर नहीं होंगे। हमें दाल, खाने के तेल, मछली का चारा सहित अन्य क्षेत्र में भी उत्पादन बढ़ाना होगा। दाल और खाने के तेल हमें भारी मात्रा में विदेश से मंगाना पड़ता है। सहकारिता क्षेत्र को इस दिशा में सोचना चाहिए। मोदी ने कहा कि आज 25,000 से अधिक सहकारी क्षेत्र मत्स्य पालन क्षेत्र में काम कर रहे हैं। इससे हमारे मछुआरों के जीवन में सुधार हो रहा है और उनकी कमाई की क्षमता में सुधार हो रहा है। अंतर्देशीय मत्स्य पालन में भी पिछले 9 साल 2 गुना की वृद्धि देखी गई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भण्डारण भी एक प्रमुख विषय है। अनाज के भण्डारण की सुविधा की कमी से लंबे समय तक हमारी खाद्य सुरक्षा और हमारे किसानों का बहुत नुकसान हुआ है। आज भारत में हम जितना अनाज पैदा करते उसका 50 प्रतिशत से भी कम हम स्टोर कर सकते हैं। अब केंद्र सरकार दुनिया की सबसे बड़ी भण्डारण योजना लेकर आई है। उन्होंने कहा कि बीते अनेक दशकों में देश में करीब 1,400 लाख टन से अधिक की भण्डारण क्षमता हमारे पास है। आने वाले 5 वर्षों में लगभग 700 लाख टन की नई भण्डारण क्षमता बनाने का हमारा संकल्प है। ये निश्चित रूप से बहुत बड़ा काम है, जो देश के किसानों का सामर्थ्य बढ़ाएगा, गांवों में नए रोजगार बनाएगा।

बालटाल से गुफा मंदिर की ओर रवाना हुआ शिवभक्तों का पहला जत्था

बालटाल (ईएमएस)। अमरनाथ यात्रा के पहले जत्थे को हरी झंडी दिखाकर आज शनिवार को रवाना कर दिया। इस तरह से आधार शिविर से दक्षिण कश्मीर हिमालय स्थित गुफा मंदिर के लिए अमरनाथ यात्रा शुरू हो गई है। गांदरबल के उपायुक्त श्यामबीर ने श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बालटाल आधार शिविर से हरी झंडी दिखाकर 62 दिवसीय तीर्थयात्रा की शुरुआत की। दर्शन करने जा रहे सभी श्रद्धालुओं की सुविधा का खास ख्याल रखा जा रहा है। तीर्थयात्रा का समापन 31 अगस्त को होगा। गौरतलब है कि मध्य कश्मीर के गांदरबल जिले में स्थित बालटाल, वार्षिक तीर्थयात्रा के लिए दोहरे मार्गों में से एक है। दूसरा दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले में पहलगाम मार्ग है। तीर्थयात्री आधार शिविर से लगभग 13,000 फुट की ऊंचाई पर स्थित पवित्र गुफा मंदिर तक 12 किलोमीटर की यात्रा करेंगे। वार्षिक तीर्थयात्रा के लिए सुरक्षा सहित सभी व्यवस्थाएं कर ली गई हैं। उपायुक्त श्यामबीर ने कहा कि आधार शिविर में लगभग 6,000 यात्री पहुंचे। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा कि मैं कामना करता हूं कि यात्रा सुचारू रूप से चले। मैं यात्रियों से अनुरोध करता हूं कि वे अपने रेडियो फ्रीक्वेंसी पहचान (आरएफआईडी) टैग साथ रखें। स्वयंसेवकों और पर्वतीय बचाव दल को यात्रा मार्ग पर तैनात किया गया है। जरूरत पड़ने पर यात्री उनकी मदद ले सकते हैं। अधिकारी ने कहा कि स्थानीय लोगों के समर्थन के बिना यात्रा संभव नहीं होगी। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शुक्रवार को जम्मू आधार शिविर से 3,488 तीर्थयात्रियों के पहले जत्थे को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। अधिकारियों ने बताया कि यात्रा के लिए अब तक तीन लाख से अधिक तीर्थयात्रियों ने अपना पंजीकरण कराया है। यात्रा के लिए सुरक्षाकर्मी तैनात किये गये हैं। बालटाल और पहलगाम मार्गों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। अधिकारियों ने कहा कि अनेक स्थानों पर नई सुरक्षा चौकियां स्थापित की गई हैं। इस दौरान गृह मंत्री अमित शाह ने ट्वीट कर कहा कि श्री अमरनाथ जी की यात्रा सनातन संस्कृति की अटूट परंपरा व मान्यताओं का प्रतीक है।

आज से इस पवित्र यात्रा का शुभारंभ हो रहा है। प्रशासन ने बाबा बर्फानी के दर्शन करने जा रहे सभी श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए हर संभव व्यवस्थाएं की हैं। आपकी सुखद यात्रा हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं को उनके यात्रा के लिए शुभकामनाएं दी। प्रशासन फर्जी पंजीकरण को लेकर भी चौकन्ना है। जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने जम्मू, कठुआ और सांबा जिलों में अमरनाथ यात्रा करने वाले 430 से अधिक तीर्थयात्रियों के फर्जी पंजीकरण परमिट का पता लगाया था। अधिकारियों ने मामले दर्ज कर इसकी जांच शुरू की थी।

दिल्ली सरकार ने डिफेंस प्रोजेक्ट के निर्माण का रास्ता किया साफ

अजय कुमार

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में नए डिफेंस प्रोजेक्ट के निर्माण में बाधक बन रहे पेड़ों को वहां से हटाने और ट्रांसप्लांटेशन करने की अनुमति दे दी है। इन पेड़ों की वजह से निर्माण कार्य प्रभावित हो रहा है। निर्माण एजेंसी से दिल्ली सरकार को इस प्रोजेक्ट स्थल को खाली करने के लिए 214 पेड़ों को हटाने और ट्रांसप्लांटेशन करने की अनुमति देने का प्रस्ताव मिला था। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने राष्ट्रहित में उक्त प्रस्ताव को मंजूरी देकर प्रोजेक्ट के निर्माण का रास्ता साफ कर दिया है। मुख्यमंत्री ने पर्यावरण की सुरक्षा के मद्देनजर बनी गाइडलाइन के अनुसार निर्माण एजेंसी को 214 पेड़ों के बदले 2140 नए पौधों लगाने की शर्त के साथ प्रस्ताव को मंजूरी दी है। दरअसल, पेड़ों के एक पैच के चलते साइट के निर्माण कार्य में बाधा पैदा हो रहा है। इसके चलते निर्माण एजेंसी ने दिल्ली सरकार के पर्यावरण और वन विभाग को एक पत्र लिखा था। पत्र के माध्यम से साइट को खाली करने के लिए 214 पेड़ों को हटाने और प्रत्यारोपण करने की मंजूरी मांगी थी। इस पर डिफेंस फोर्स के लिए मॉडर्न इंफ्रास्ट्रक्चर के महत्व को देखते हुए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने राष्ट्रीय हित में पेड़ों के पैच को साफ करके काम में तेजी लाने के लिए सहमति दी है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली सरकार हमेशा से राष्ट्रीय हित की पक्षधर रही है। इस प्रोजेक्ट के पूरे होने से फोर्स को काफी सहूलियत मिलेगी। दिल्ली सरकार हमेशा फोर्स की हर संभव मदद करेगी। उन्होंने कहा कि हम सक्रिय रूप से यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि आधुनिक विकास का दिल्ली पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े और प्रभावित होने वाले किसी भी पेड़ की भरपाई के लिए 10 गुना वृक्षारोपण अनिवार्य किया गया हैं। प्रस्ताव को मंजूरी देते

हुए केजरीवाल ने कहा कि इस प्रस्ताव को एलजी के समक्ष रखा जाएगा। दिल्ली सरकार ने कहा है कि चिन्हित परियोजना स्थल के पास ही प्रत्यारोपण किया जाएगा। दिल्ली सरकार की ओर से साइट पर अप्रूव किए गए और चिंहित पेड़ों के अलावा एजेंसी एक भी अन्य पेड़ को नुकसान नहीं पहुंचा सकती। अगर एजेंसी द्वारा अप्रूव किए गए पेड़ों के अलावा किसी भी पेड़ को नुकसान पहुंचाया जाता है, तो यह दिल्ली वृक्ष संरक्षण अधिनियम 1994 के तहत अपराध माना जाएगा। आगे उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार ने एजेंसी के लिए पेड़ों को हटाने और प्रत्यारोपित करने के बदले में दस गुना पेड़ लगाना अनिवार्य किया है। ऐसे में वो 214 पेड़ों को हटाने के बदले 2,140 नए पौधे लगाएगी। इन पौधों को चिंहित स्थान पर लगाया जाएगा, जिन्हें पेड़ों को स्थानांतरित करने की अनुमति जारी होने की तारीख से तीन महीने के अंदर लगाया जाएगा। दिल्ली सरकार की ओर से अप्रूव किए गए प्रस्ताव के अनुसार पेड़ों को हटाने और प्रत्यारोपण के बदले में दिल्ली की मिट्टी व जलवायु के अनुकूल विभिन्न प्रजातियों के पौधें लगाए जाएंगे। इनमें नीम, अमलतास, पीपल, पिलखन, गूलर, बरगद, देसी कीकर और अर्जुन समेत अन्य प्रजातियों के पौधें शामिल हैं। इन्हें नॉन फॉरेस्ट लैंड पर 6-8 फीट हाइट के पौधे के रूप में लगाया जाएगा। इसके अलावा जिन पेड़ों को प्रत्यारोपित किया जाना है, उनके लिए आवेदक एजेंसी को आवश्यक शर्तें पूरी करने के तुरंत बाद प्रक्रिया शुरू करनी होगी। यह कार्य 6 महीने के अंदर करने के लिए कहा गया है।

दो साल पुराने मामले में मोगा कोर्ट में पेश हुआ लॉरेंस बिश्नोई

मोगा (ईएमएस)। गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई को शनिवार को 2021 के एक मामले में मोगा कोर्ट में पेश किया गया। धारा 307 के मामले में मोगा पुलिस बठिंडा जेल से बिश्नोई को भारी सुरक्षा में लेकर अदालत पहुंची। कोर्ट में बिश्नोई के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया गया था। वहीं, आरोप पत्र दायर होने के बाद गैंगस्टर बिश्नोई को 17 जुलाई तक ज्यूडिशियल रिमांड यानी न्यायिक हिरासत पर बठिंडा जेल भेज दिया गया है। जानकारी के मुताबिक 2 साल पहले के हत्या करने के प्रयास में लॉरेंस को कोर्ट में पेश किया गया था। पुलिस बिश्नोई को डिमांड पर बस बठिंडा जेल से लेकर आई थी। दरअसल, दिसंबर 2021 में नगर निगम के डिप्टी मेयर अशोक धमीजा के भाई जतिंदर धमीजा व सुनील धमीजा पर जानलेवा हमला किया गया था।

देश के विकास में सहकारिता क्षेत्र की है अहम भूमिका : शाह

नई दिल्ली, (हि.स.)। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि देश के विकास में सहकारिता क्षेत्र की अहम भूमिका रही है। आने वाले वर्षों में यह क्षेत्र देश की जीडीपी में अपना योगदान मजबूत करेगा। इस दिशा में तेजी से काम किया जा रहा है। शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने सहकारिता मंत्रालय बनाकर इस क्षेत्र को और अधिक मजबूत करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि सवा सौ साल पुराना यह आंदोलन देश को मजबूत करता रहा है। हमें मिलकर इसके दायरे को और अधिक बढ़ाना है। इस आंदोलन को हमें मिलकर अधिक मजबूत करना है। शाह ने शनिवार को प्रगति मैदान में आयोजित 17वें भारतीय सहकारी महासम्मेलन के

उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि गेंहूं की खरीद हो या खाद का वितरण, बैंक सेक्टर हो या देश में चीनी मीलों का संचालन हम हर क्षेत्र में बढ़ रहे हैं। शाह ने कहा कि हम आगामी वर्षों में और अधिक मजबूत होंगे। हमें सहकारिता आंदोलन में युवाओं, महिलाओं को जोड़ना होगा। नई तकनीक को अपनाना होगा। शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने सहकारिता मंत्रालय के माध्यम से देश में सहकारिता कानून को आसान करने का काम किया है। केन्द्र सरकार पैक्स को मजबूत कर रही है। आने वाले समय में सहकारिता क्षेत्र भंडारण के क्षेत्र में बड़ी भूमिका निभाएगा। इसके लिए तेजी से कार्य चल रहा है।

20 जुलाई से शुरू होगा संसद का मानसून सत्र, यूसीसी पर हो सकता है फैसला

नई दिल्ली (ईएमएस)। आगामी 20 जुलाई से संसद का मानसून सत्र शुरू होने वाला है, जो कि अगले माह 11 अगस्त तक चलेगा। इस संबन्ध में संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने एक ट्वीट किया है। जोशी ने अपने ट्वीट में कहा कि संसद का मानसून सत्र, 20 जुलाई 2023 से शुरू होकर 11 अगस्त 2023 तक चलेगा। सभी दल मानसून सत्र के दौरान विधायी कार्य और अन्य विषयों पर सार्थक चर्चा में अपना योगदान दें। बताया जा रहा है कि इस बार का भी सत्र हंगामेदार रह सकता है, क्योंकि कुछ मुद्दे पहले से ही लंबित हैं और महत्वपूर्ण विधेयक भी कतार में हैं। उच्च पदस्थ सूत्रों की मानें तो सरकार अगले महीने शुरू होने वाले संसद के मानसून सत्र में समान नागरिक संहिता लागू करने पर एक विधेयक पेश कर सकती है। यूसीसी विधेयक को संसदीय स्थायी समिति को भेजा जा सकता है जो

समान नागरिक संहिता पर विभिन्न हितधारकों के विचार सुनेगी। सत्र का मुख्य आकर्षण उपराज्यपाल कार्यालय को अधिक प्रशासनिक शक्तियां देने वाले केंद्र सरकार के अध्यादेश को बदलने वाला विधेयक होने जा रहा है, जिसके खिलाफ आप पार्टी के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल विपक्षी नेताओं से मुलाकात कर विधेयक के खिलाफ समर्थन मांग रहे हैं। कांग्रेस ने अभी तक विधेयक पर अपना रुख साफ नहीं किया है। इस बार नए संसद भवन में सत्र आयोजित होने की संभावना है। नए संसद भवन का उद्घाटन हो चुका है, लेकिन कुछ काम अभी भी चल रहा है। इसलिए यदि नई संसद सत्र आयोजित करने के लिए पूरी तरह से तैयार नहीं हो पाती है, तो इसे पुराने भवन में आयोजित करने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। हालांकि, पूरी कोशिश है कि मानसून सत्र को नए संसद में ही आयोजित किया जाए।

दिल्ली के सब-वे का पीडब्ल्यूडी मंत्री ने किया निरीक्षण

अजय त्यागी

नई दिल्ली। पीडब्ल्यूडी को दिल्ली के सब-वे को ठीक करने के लिए एक महीने का अल्टीमेटम मिला था। एक महीने का समय पूरा होने पर पीडब्ल्यूडी मंत्री आतिशी ने शनिवार को अधिकारीयों के साथ दक्षिणी दिल्ली के पांच सब-वे का निरीक्षण किया। इसमें ग्रेटर कैलाश मेट्रो के निकट मस्जिद मोठ सब-वे, नेहरु प्लेस सब-वे, लाजपत नगर सब-वे, एंड्रूज गंज सब-वे व लाजपत नगर मेट्रो स्टेशन सब-वे शामिल है। निरीक्षण के दौरान पीडब्ल्यूडी मंत्री ने पाया कि, पहले की तुलना में सब-वे साफ-सुथरे है, महिला सुरक्षा की दृष्टि से पर्याप्त रौशनी का प्रबंध किया गया है, सिक्योरिटी गार्ड तैनात किये गए है, नई लाइटे व कॉन्वेक्स मिरर आदि इनस्टॉल किए गए है, ड्रेनेज को बेहतर किया गया है। इस मौके पर पीडब्ल्यूडी मंत्री आतिशी ने कहा कि, पिछले दिनों में विभाग ने दिल्ली भर में सब-वे के हालातों को बेहतर बनाने का काम किया है लेकिन अभी भी सभी सब-वे में सुधार की और गुंजाईश है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि, सब-वे की मौजूदा स्थिति को और बेहतर बनाने पर किया फोकस किया जाये। उल्लेखनीय है कि मई महीने के अंतिम सप्ताह में पीडब्ल्यूडी मंत्री आतिशी ने विभाग को दिल्ली भर के सभी सब-वे की साफ-सफाई, मरम्मत सहित महिला सुरक्षा की दृष्टि से गार्ड तैनात करने, नई लाइटे लगाने आदि के लिए एक महीने का अल्टीमेटम दिया था। निरीक्षण के दौरान आतिशी ने कहा कि पैदल यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सरकार अपने सभी सब-वे को पैदल यात्रियों के लिए और अधिक सुरक्षित और सुगम बनाने पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि विभाग अपने अंतर्गत आने वाले दिल्ली के सभी सब-वे को नया रूप दे रहा है। साथ ही सब-वे के साफ-सफाई और रखरखाव पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। आगे उन्होंने कहा कि, पिछले महीने कुछ निरीक्षण के दौरान हमनें पाया था कि कुछ सब-वे में रौशनी की पर्याप्त व्यवस्था नही है। ऐसे में लोग इनका उपयोग करने से कतराए इससे बचने के लिए सभी सब-वे में नई लाइटे लगाई गई है, गार्ड्स तैनात किये गए है। इस बीच आतिशी ने यहां आवाजाही करने वाले लोगों से भी बातचीत की। बातचीत के दौरान लोगों ने बताया कि, पिछले दिनों में सब-वे के हालात बेहतर हुए है, जो भी टूट-फूट हुई है उनकी मरम्मत की गई है और साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जा रहा है।

केन्द्र ने फसल अवशेष प्रबंधन दिशानिर्देशों को किया संशोधित

नई दिल्ली, (हि.स.)। केन्द्र सरकार ने पंजाब, हरियाणा, यूपी और दिल्ली राज्यों में पैदा हुई धान की पराली की स्थानीय स्थिति से अलग, एक कुशल प्रबंधन को सक्षम करने के लिए फसल अवशेष प्रबंधन दिशानिदेशों को संशोधित किया है। यह जानकारी केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने एक विज्ञप्ति जारी कर दी। मंत्रालय के अनुसार संशोधित दिशानिदेशों के अनुसार, धान-पराली आपूर्ति श्रृंखला के लिए, लाभार्थी/संग्रहकर्ता किसान, ग्रामीण उद्यमी, किसानों की सहकारी समितियां, किसान उत्पादक संगठन और पंचायतें और धान-पराली का उपयोग करने वाले उद्योगों के बीच द्विपक्षीय समझौते के तहत तकनीकी-वाणिज्यिक पायलट परियोजनाएं स्थापित की जाएंगी। सरकार मशीनरी और उपकरणों की पूंजीगत लागत पर वित्तीय सहायता प्रदान करेगी। इस परियोजना के सफल होने पर स्थानीय स्तर के विकल्पों के माध्यम से होने वाले धान-पराली प्रबंधन के प्रयासों की पूरक सिद्ध होंगी। कार्यक्रम के तीन साल के कार्यकाल के दौरान, 1.5 मिलियन मीट्रिक टन अधिशेष धान-पराली के एकत्र होने की उम्मीद है। इस योजना के तहत पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश राज्यों में 4500 मीट्रिक टन क्षमता के लगभग 333 बायोमास संग्रह डिपो निर्मित किए जाएंगे।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का प्रदर्शन हुआ बेहतर, मुनाफा तीन गुना बढ़ा : सीतारमण

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था में बैंकों और कॉरपोरेट की कर्ज नहीं चुका पाने (ट्विन बैलेंस शीट संकट) की समस्या दूर गई है। बैंकों का मुनाफा वित्त वर्ष 2022-23 में बढ़कर 1.04 लाख करोड़ रुपये हो गया है, जो 2014 की तुलना में तीन गुना है। वित्त मंत्री ने यहां पंजाब एंड सिंध बैंक के कॉरपोरेट कार्यालय के उद्घाटन के दौरान यह बात कही। सीतारमण ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का मुनाफा वित्त वर्ष 2022-23 में बढ़कर 1.04 लाख करोड़ रुपये हो गया है, जो 2014 की तुलना में तीन गुना है। उन्होंने कहा कि मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि सरकार की विभिन्न पहलों के चलते ट्विन-बैलेंस शीट की समस्या दूर हो गई है।

अब रिजर्व बैंक का भी मानना है कि ट्विन-बैलेंस शीट से भारतीय अर्थव्यवस्था को फायदा मिल रहा है। इसके अलावा वित्त मंत्री सीतारमण ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए असम के सीमावर्ती जिले करीमगंज में पंजाब एंड सिंध बैंक की शाखा का भी उद्घाटन किया। यह उत्तर पूर्व क्षेत्र में बैंक की 29वीं शाखा है। इस अवसर पर वित्त राज्यमंत्री डॉ. भागवत किशनराव कराड़, पंजाब एंड सिंध बैंक के गैर कार्यकारी अध्यक्ष चरणसिंह और बैंक के एमडी एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी स्वरूप कुमार साहा उपस्थित रहे। आरबीआई के मुताबिक ट्विन-बैलेंस शीट की समस्या का अर्थ होता है कि एक ही समय में बैंकों और कॉरपोरेट की वित्तीय सेहत में गिरावट होगा। इस स्थिति में कर्ज लेने वाले और देने वाले, दोनों ही तनाव में रहते हैं। दूसरी ओर अगर कर्ज लेने वाले इसे चुकाने की स्थिति में हैं, तो यह ट्विन-बैलेंस शीट से लाभ मिलने की स्थिति है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने छत्तीसगढ़ में धर्मांतरण रोकने का किया आह्वान

कांकेर /रायपुर, (हि.स.)। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने छत्तीसगढ़ के कांकेर में जनसभा को संबोधित करते हुए छत्तीसगढ़ में लगातार हो रहे धर्मांतरण को रोकने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भूपेश बघेल की सरकार ने यहां की स्थिति बदतर कर दी। छत्तीसगढ़ में तेजी से धर्मांतरण हो रहा है। इसे रोकने के लिए यहां की सरकार कुछ नहीं कर रही है। इसे रोका जाना चाहिए। इससे पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शनिवार को एक दिवसीय दौरे पर रायपुर पहुंचे। एयरपोर्ट पर बीजेपी के वरिष्ठ नेताओं ने उनका स्वागत किया। रायपुर में कुछ देर रुकने के बाद राजनाथ सिंह सीधे कांकेर के लिए रवाना हुए। यहां उन्होंने पद्मश्री अजय मंडावी से मुलाकात की और उन्हें सम्मानित किया। इसके बाद कांकेर नरहरदेव मैदान में रक्षा मंत्री ने जनसभा को संबोधित किया। रक्षा मंत्री ने अपना संबोधन छत्तीसगढ़ी से शुरू किया और सभी को ह्यजय जोहारह्व कहा। राजनाथ सिंह ने कहा कि बस्तर का पूरा इलाका मैं पूरी तरह से जानता हूं। मुझे याद है जब मैं पहली बार छत्तीसगढ़ बतौर प्रभारी आया था तब भ्रष्टाचार का आलम था। कांग्रेस के खिलाफ किसी के बोलने की हिम्मत नहीं। 2013 में डॉ. रमन सिंह के हाथों प्रदेश की बागडोर सौंपी गई। इस सच्चाई को कोई नकार नहीं सकता है कि छत्तीसगढ़ का कायाकल्प डॉ. रमन सिंह ने किया। उन्होंने नया

रायपुर ही नहीं बल्कि नया बस्तर बनाया है। रमन सिंह के 15 साल के कार्यकाल में छत्तीसगढ़ की तस्वीर बदली है। छत्तीसगढ़ बनाने की सबसे बड़ी वजह थी कि आदिवासी भाइयों को विकास की यात्रा में आगे बढ़ना था। इसलिए छत्तीसगढ़ और झारखंड का गठन किया गया था। उन्होंने कहा कि भारत के इतिहास में अगर आदिवासियों के लिए अलग से कुछ काम हुआ तो है तो वह काम अटल जी ने किया है। आदिवासियों के लिए अलग से मंत्रालय बनाने का काम अटल जी ने किया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यहां कांग्रेस की सरकार को हरसंभव मदद की है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, ह्य2018 में आपने सरकार बदल दी। आपको लगा कि नई सरकार का स्वाद चख लें, लेकिन यह सरकार कैसी है, यह आपको पता है। सीएम भूपेश बघेल ने प्रदेश की दिशा ही बदल दी, जबकि केंद्र की सरकार ने कोई भेदभाव नहीं किया। हमने दिल खोलकर मदद की है। मैं आप लोगों से पूछना चाहता हूं, छत्तीसगढ़ बनाने के पीछे की जरूरत क्या थी? अटल जी चाहते थे आदिवासी भाई आगे आएं, यही उनकी मंशा थी। आदिवासी समाज के कल्याण के लिए 90 हजार करोड़ रुपये बजट- उन्होंने कहा कि पीएम नरेन्द्र मोदी भी आदिवासियों के लिए काम कर रहे हैं। आदिवासी समाज के कल्याण के लिए 90 हजार करोड़ रुपये का अलग से बजट आवंटित कर दिया है। हर साल 15 नवंबर जनजातीय गौरव दिवस मानने का भी ऐलान किया गया। कांग्रेस आदिवासियों को भूल गई। कांग्रेस ने मदद नहीं की इस वजह से आदिवासियों भाइयों को मकान नहीं मिला। इस पर टीएस सिंहदेव ने भी नाराजगी जताई थी। नक्सलवाद कब का खत्म हो जाता, लेकिन हमको सहयोग नहीं मिला। धर्मांतरण पर भी लगाम लगाई जानी चाहिए। विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की हार निश्चित -रक्षा मंत्री ने प्रदेश की भूपेश सरकार पर हमला करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में गोठान, कोयला, राशन, धान का घोटाला हुआ। कांग्रेस जहां जाती है वहां घोटाला करती है। केंद्र की कई योजनाओं को छत्तीसगढ़ सरकार ने पूरा नहीं किया। शराब की होम डिलीवरी हो रही है। आने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की हार निश्चित है। उल्लेखनीय है कि कांकेर जिले में विधानसभा की 3 सीटें हैं। इन सभी कांकेर, पखांजूर और अंतागढ़ में कांग्रेस का कब्जा है। इस वजह से भी राजनाथ सिंह का यह दौरा काफी अहम है। उनकी सभा में भारी संख्या में लोग मौजूद रहे। उनके भाषण के दौरान भीड़ बीच-बीच में मोदी -मोदी के नारे लगाती रही।

सपा कार्यकर्ताओं ने उत्साह से मनाया अखिलेश यादव का जन्मदिन

-जगह-जगह केट कर कार्यकर्ताओं ने दी बधाई, गरीबों और मरीजों में फल वितरण

वाराणसी, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का शनिवार को 50वां जन्म दिन मनाया गया । उनके जन्मदिन को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच खुशी का माहौल रहा। कार्यकर्ता जगह-जगह केक काटकर मरीजों में फल वितरित कर अपने नेता के उत्तम स्वास्थ्य और लम्बी उम्र की कामना कर रहे हैं। कैंट विधानसभा क्षेत्र की पूर्व पार्टी प्रत्याशी पूजा यादव ने पांडेयपुर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय चिकित्सालय में भर्ती मरीजों में फल वितरित कर अखिलेश यादव के उज्जवल भविष्य की कामना की। इसी क्रम में वार्ड नंबर 11 हुकूलगंज के पार्टी कार्यकर्ताओं ने अखिलेश यादव का जन्मदिन गरीब लोगों में फल वितरण कर मनाया। इसी क्रम में समाजवादी व्यापार सभा के कार्यकर्ताओं ने नीचीबाग स्थित डाक घर के सामने माता शीतला मंदिर परिसर में अपने नेता का जन्मदिन लोक कल्याण दिवस के रूप में मनाया। मंदिर परिसर में पार्टी के झंडे, लाल हरे गुब्बारे की फ्लेक्स, माला फूल के साज सज्जा के साथ व्यापारियों के बीच कार्यकर्ताओं ने केक काटा। और मंडलीय चिकित्सालय कबीरचौरा में मरीजों एवं उनके परिजनों में फल वितरण कर अपने नेता के दीर्घ जीवन की कामना की। व्यापार सभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जायसवाल ने इस दौरान कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के 50वें जन्मदिन के इस शुभ अवसर पर बाबा श्री काशी विश्वनाथ एवं काशी कोतवाल बाबा काल भैरव से हम सब उनके स्वास्थ्य एवं दीघार्यु की प्रार्थना करते हैं। आज इस जन्मदिवस को पूरे प्रदेश में लोक कल्याण दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पूरे उत्तर प्रदेश में आगामी लोकसभा चुनाव 2024 में समाजवादी पार्टी विजय प्राप्त करके भाजपा की नफरती राजनीति और उसकी कुनीतियों से जनता को मुक्ति दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। जायसवाल ने कहा कि सपा की भारत के संविधान में सच्ची निष्ठा है। महात्मा गांधी, डॉ० राममनोहर लोहिया और बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर के आदर्शों से प्रेरणा लेते हुए हम लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता, सामाजिक न्याय और समाजवाद के प्रति संकल्पित है। जन्मदिन मनाने में जिलाध्यक्ष चरन दास गुप्ता, महानगर अध्यक्ष रवि जायसवाल, पार्टी के महापौर प्रत्याशी रहे डॉ ओपी सिंह, संजय मिश्रा, पार्षद अवनीश यादव विक्की, उत्सव मिश्रा, मुरलीधर जायसवाल आदि शामिल रहे।

प्रधानमंत्री मोदी सात जुलाई को वाराणसी में करेंगे जनसभा, प्रशासनिक तैयारियां शुरू

-प्रबुद्धजनों से मुलाकात व संवाद करेंगे, सरकार की नौ वर्षों की उपलब्धियां भी बताएंगे

वाराणसी, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सात जुलाई को दो दिवसीय दौरे पर अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी आ रहे हैं। प्रधानमंत्री के आने का आरंभिक संकेत मिलते ही जिला प्रशासन युद्ध स्तर पर तैयारियों में जुट गया है। प्रधानमंत्री सात जुलाई को अपराह्न चार बजे रिंग रोड के किनारे विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे। जनसभा के लिए वाजिदपुर गांव में तैयारी चल रही है। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार जनसभा स्थल से प्रधानमंत्री अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम सहित 1400 करोड़ से अधिक की परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। इनमें लगभग 1074 करोड़ रुपये की डेढ़ दर्जन और करीब 305 सौ करोड़ रुपये की 12 परियोजनाएं शामिल हैं। जिला प्रशासन ने लोकार्पण व शिलान्यास के लिए परियोजनाओं की जानकारी सम्बंधित विभागों से रविवार तक मांगी है। जनसभा के बाद प्रधानमंत्री बरेका के अतिथि गृह में रात्रि विश्राम करेंगे। अगले दिन आठ जुलाई को प्रधानमंत्री भाजपा पदाधिकारियों के साथ बैठक कर आगामी लोकसभा चुनाव में तैयारियों की जानकारी लेने के साथ जीत का मंत्र देंगे। प्रधानमंत्री वाराणसी प्रवास में ही बरेका सभागार में शहर के प्रबुद्धजनों से मुलाकात व संवाद करेंगे। साथ ही केंद्र सरकार की नौ वर्षों की उपलब्धियां बताएंगे। उधर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे का देख जिलाधिकारी एस राजलिंगम ने बीते शुक्रवार की शाम जनसभा स्थल चयन के लिए रिंग रोड क्षेत्र का दौरा किया। इस दौरान वाजिदपुर में करीब 600 एकड़ जमीन पर जनसभा कराने पर सहमति बनी। अब तहसील की टीम किसानों से आयोजन की सहमति लेने में जुट गई है। प्रधानमंत्री के जनसभा को सफल बनाने के लिए भाजपा काशी क्षेत्र, जिला और महानगर इकाई ने पूरी ताकत लगा दी है। पार्टी के क्षेत्रीय अध्यक्ष दिलीप सिंह पटेल के अनुसार प्रधानमंत्री की जनसभा को ऐतिहासिक बनाने के लिए पूरी तैयारी है। जनसभा में वाराणसी व आसपास के जिलों से कार्यकर्ता, पदाधिकारी भाग लेंगे। जनसभा में जनकल्याणकारी योजना के लाभार्थियों को भी आमंत्रित किया जा रहा है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सात जुलाई को गोरखपुर व कुशीनगर में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने बाद बनारस पहुंचेंगे।

केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्र ने संचारी रोग नियंत्रण अभियान का किया शुभारंभ

लखीमपुर खीरी,। कलेक्ट्रेट से शनिवार को "संचारी रोग नियंत्रण अभियान" का भव्य आगाज किया गया। केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्र टेनी ने विधायक योगेश वर्मा, जिलाधिकारी महेंद्र बहादुर सिंह, एसपी गणेश प्रसाद साहा, सीएमओ के साथ अभियान का फीता काटकर शुभारंभ किया। इसके बाद जन जागरूकता रैली, वेक्टर कंट्रोल वाहनों का फ्लैग ऑफ कर निकली। केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्र टेनी ने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार स्वास्थ्य के क्षेत्र में संवेदनशीलता के साथ काम कर रही है। उन्होंने स्वास्थ्य के क्षेत्र में ना केवल सरकार की ओर से किए गए प्रयासों का जिक्र किया बल्कि सकारात्मक परिणाम भी गिनाएं। संचारी रोगों पर नियंत्रण के लिए सामूहिक रूप से सहयोग जरूरी है। सरकार ने भारत में स्वास्थ्य सेवा को भविष्य की जरूरतों के अनुरूप बनाया है। उन्होंने स्वास्थ्य सेवा को सुलभ और सस्ती दोनों बनाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। स्वास्थ्य के क्षेत्र में निरन्तर सुविधाएं बढ़े, इसे लेकर सरकार पूरी प्रतिबद्धता से काम कर रही। स्वास्थ्य के क्षेत्र में आम आदमी के खर्च को कम करने में पीएम जन औषधि केंद्रों ने सशक्त एवं महती भूमिका निभाई है। जिलाधिकारी महेंद्र बहादुर सिंह ने कहा कि सभी स्वास्थ्य कर्मी अभियान के द्वारा लोगों को संचारी रोग के प्रति जागरूक करें। आपसी सामंजस्य बनाकर संचारी रोगों के नियंत्रण के लिए शुरू हो रहे इस अभियान को सफल बनाएं। इस संदर्भ में जिन विभागों को जो भी जिम्मेदारियां दी गयी हैं। उसका पूरी जिम्मेदारी के साथ पालन किया जाए। सीएमओ डॉ संतोष गुप्ता ने कहा कि अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग एवं अन्य सहयोगी विभाग, आंगनबाड़ी कार्यकताओं के माध्यम से शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों के अलावा लोगों को घर-घर जाकर प्रचार-प्रसार के माध्यम से बीमारियों से बचाव के लिए जागरूक किया जाए। जिससे संचारी रोगों से लोगों को ग्रसित होने से बचाया जा सके। साथ ही इस दौरान सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाए। दस्तक अभियान के तहत टीमें डोर टू डोर दस्तक देकर संचारी रोगों से बचाव के लिए जागरूक करेंगी। वहीं दूसरी ओर संचारी केसों को ट्रेस करेंगी।

भूमि विवाद, अतिक्रमण की समस्या की जानकारी जिलाधिकारी, मण्डलायुक्त को कराये : कपिल देव

लखनऊ, (हि.स.)। प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा व कौशल विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि जहां पर आईटीआई के निर्माण कार्य में किसी प्रकार के भूमि-विवाद, अतिक्रमण या अन्य समस्या सामने आ रही है, उसकी जानकारी निदेशक, मण्डलायुक्त व जिलाधिकारी को कराया जाये। जिससे कार्यदायी संस्था की समस्या को समाधान हो सके। कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि आईटीआई के निर्माण कार्य के लिए वर्तमान में स्वीकृति मानचित्र की निर्धारित ड्राईंग में अपेक्षित आंशिक संशोधन हुआ हैं। इसके आधार पर निर्माण कार्य किए जाने का अनुरोध किया गया है। आईटीआई में कार्यदायी संस्था द्वारा उपलब्ध कराये गये संशोधित ड्रॉईंग को लोक निर्माण विभाग से वेट कराये जाने की कार्यवाही निदेशालय के माध्यम से शीघ्र पूरी करायी जाये। उन्होंने आगे कहा कि टाटा टेक्नालॉजीज लिमिटेड के सहयोग से 150 आईटीआई के उन्नयन के लिए मानकीकृत व्यवस्था की लागत एवं मानचित्र के अनुसार कार्यदायी संस्थाओं को कार्य आवंटित किए गये हैं। जिसमें ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग को 37, उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट कारपोरेशन लि. को 22, उ.प्र. राजकीय निर्माण निगम को 31, उप्र आवास एवं विकास परिषद को 26, कान्स्ट्रक्शन एण्ड डिजाइन सर्विसेज को 20 तथा उप्र राज्य निर्माण सहकारी संघ को 14 कार्यदायी संस्थाओं को आवंटित की गयी है।

शहर के चौराहों पर आटो, ई-रिक्शा न खड़ा होने दिया जाए : मण्डलायुक्त

लखनऊ, (हि.स.)। मण्डलायुक्त डा.रौशन जैकब ने लखनऊ को जाम मुक्त कराने की मुहिम शुरू की है। मण्डलायुक्त ने यातायात पुलिस, नगर निगम के अधिकारियों से बातचीत के बाद आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि शहर के चौराहों पर आटो, ई-रिक्शा न खड़ा होने दिया जाये, ये वास्तव में जाम के कारण बन रहे हैं। मण्डलायुक्त डा.रौशन जैकब ने कहा कि जाम मुक्त लखनऊ के लिए योजना बनाये और उसके क्रियान्वयन में जुटे। यातायात पुलिस, शहर के तिराहों और चौराहों पर वाहनों के एकत्रित न होने दिया जाये। आटो, ई-रिक्शा को खड़े न होने दिया जाये। शहर के कई चौराहों पर आटो रिक्शा इस तरह खड़े हो रहे हैं, जैसे वहां स्टैण्ड हो। चौराहों पर खड़े हो रहे आटो रिक्शा को स्टैण्ड पर ही खड़ा कराये। यात्री उतारने के लिए भी आटो रिक्शा को तिराहे या चौराहे पर खड़ा न होने दिया जाये। मण्डलायुक्त ने कहा कि शहर के प्रवेश करने वाले प्रमुख मार्गों के बड़े चौराहे पर प्रतिदिन जाम लग रहा है। इसके लिए यातायात पुलिस के निरीक्षक और अधिकारी बैरेकेटिंग लगाये। दो पहिया वाहनों के निकलने के रास्ते और चार पहिया वाहनों के राह को अलग अलग रखें। नगर निगम के अधिकरियों को सख्त निर्देश देते हुए मण्डलायुक्त डा.रौशन ने कहा कि नगर निगम के नो वेंडिग जोन में पटरी दुकानें लग रही है। जहां पर लोगों के वाहनों को खड़ा करने से भी जाम होता मिला है। जोन एक, जोन तीन, जोन सात में विशेष रुप से इस तरह की समस्या देखी जा रही है। जाम को न लगने देने के लिए नो वेडिंग जोन की अवैध रुप से लगी दुकानों को हटवाया जाये।

मुख्यमंत्री के प्रयासों से संवर रहा बेटियां का भविष्य

रांची, (हि.स.)। पार्वती और द्रौपदी कुमारी रांची के सिकिदिरी गांव की रहने वाली सगी बहनें हैं। दोनों ऐसे पृष्ठभूमि से आती हैं, जहां लड़की के लिए शिक्षा ग्रहण कर पाना बेहद कठिन है लेकिन दोनों बहनों ने मां की देखरेख में इस कठिन दौर को पार किया। इतना ही नहीं मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के निर्देश पर शुरू किए गए आईटीआई कौशल कॉलेज (पाक-कला) प्रेझा फाउंडेशन (एसटी, एससी, अल्पसंख्यक और कल्याण विभाग की परियोजना परिवाहिनी) से जुड़ गई। दोनों बहनों की पहल रंग लाई। दोनों ने अच्छा करने की प्रतिबद्धता के साथ पाककला में एक साल का पूर्णकालिक आवासीय आईटीआई प्रमाणन कार्यक्रम के तहत पाठ्यक्रम पूरा कर प्लेसमेंट प्राप्त किया। पार्वती हैदराबाद स्थित सोडेक्सो एवं द्रौपदी बर्बेक्यू नेशन में नौकरी प्राप्त कर ली। उनका शुरूआती मासिक शुद्ध वेतन लगभग 16,000 (सीटीसी 25,000 रुपये) था। उनकी प्रतिबद्धता और कड़ी मेहनत के कारण उनकी सेवा के केवल 6 माह में उनके वेतन में वृद्धि हुई।

उनका वर्तमान मासिक शुद्ध वेतन 26 हजार (36,000 सीटीसी) है। अब दोनों बहनें न केवल मां की देखभाल कर रहीं हैं, बल्कि गांव की सैकड़ों युवा लड़कियों के लिए एक आदर्श भी बन गई हैं। मुख्यमंत्री के प्रयासों से पार्वती और द्रौपदी जैसी सैकड़ों युवतियां जीवन सुधार पा रहीं हैं। आईटीआई कौशल कॉलेज (पाक-कला) प्रेझा फाउंडेशन (एसटी, एससी, अल्पसंख्यक और कल्याण विभाग की परियोजन परिवाहिनी) की एक पहल है जो पाककला में एक साल का पूर्णकालिक आवासीय आईटीआई प्रमाणन कार्यक्रम प्रदान करने वाला अपनी तरह का पहला संस्थान है। यह कार्यक्रम राज्य के कमजोर वर्गों एससी, एसटी और अल्पसंख्यक लड़कियों को शेफ के रूप में प्रशिक्षित करने के इरादे से विकसित किया गया है ताकि वे अपनी आजीविका का मार्ग प्रशस्त कर सकें। यह पाक कला महाविद्यालय, कई मायनों में एक अभिनव पहल है।

भाजपा की प्रमंडलीय समीक्षा बैठक से चतरा सांसद एवं तीन विधायक रहे गायब

मेदिनीनगर, (हि.स.)। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर शनिवार को झारखंड के दो संसदीय क्षेत्रों की मेदिनीनगर में शनिवार को भाजपा की हुई बैठक में एक सांसद और तीन विधायक की अनुपस्थिति राजनीतिक गलियारे में चर्चा का विषय बन गया है। यह बैठक पलामू एवं चतरा लोकसभा क्षेत्र में चुनाव को ध्यान में रख कर भाजपा ने आहुत की थी, जिसमें विधायक एवं सांसदों की उपस्थिति संगठन ने अपेक्षित की थी। इस बैठक में भाजपा के राज्य सभा सदस्य एवं प्रदेश महामंत्री आदित्य साहू मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे और इनकी मौजूदगी में जिला स्तर से प्रखण्ड स्तर तक दल की गतिविधियों को टटोला गया। अध्यक्षता पलामू जिला अध्यक्ष विजयानंद पाठक ने की तथा विषय प्रवेश कराते हुए कार्यक्रम को आगे बढ़ाया। वहीं लातेहार के जिला अध्यक्ष व पूर्व विधायक हरे कृष्णा सिंह ने स्वागत भाषण दिया। बैठक में साहू ने अपने संबोधन में आने वाले चुनाव की चुनौतियों के जिक्र किया तथा इससे निपटने के कई टिप्स दिये। उन्होंने कहा कि भाजपापहली पार्टी है, जिसमें कर्मठ लोगों को चिन्हित करके उन्हें पुरस्कृत करने का कार्य करती है।

पैरवी की आवश्यकता नहीं पड़ती है। योग्य कार्यकताओं को स्वतः आगे बढ़ाया जाता है। आप सब ने जो मेहनत की है उसका सुखद प्रभाव आने वाले समय में मिलने वाला है। पलामू सांसद विष्णु दयाल राम ने कहा कि कई मंडल अध्यक्षों ने तो बहुत जबरदस्त कार्य किया है, जिसका मैं ह्रदय से धन्यवाद करना चाहता हूं।

भाजपा की प्रमंडलीय समीक्षा बैठक से चतरा सांसद एवं तीन विधायक रहे गायब

मेदिनीनगर, (हि.स.)। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर शनिवार को झारखंड के दो संसदीय क्षेत्रों की मेदिनीनगर में शनिवार को भाजपा की हुई बैठक में एक सांसद और तीन विधायक की अनुपस्थिति राजनीतिक गलियारे में चर्चा का विषय बन गया है। यह बैठक पलामू एवं चतरा लोकसभा क्षेत्र में चुनाव को ध्यान में रख कर भाजपा ने आहुत की थी, जिसमें विधायक एवं सांसदों की उपस्थिति संगठन ने अपेक्षित की थी। इस बैठक में भाजपा के राज्य सभा सदस्य एवं प्रदेश महामंत्री आदित्य साहू मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे और इनकी मौजूदगी में जिला स्तर से प्रखण्ड स्तर तक दल की गतिविधियों को टटोला गया। अध्यक्षता पलामू जिला अध्यक्ष विजयानंद पाठक ने की तथा विषय प्रवेश कराते हुए कार्यक्रम को आगे बढ़ाया। वहीं लातेहार के जिला अध्यक्ष व पूर्व विधायक हरे कृष्णा सिंह ने स्वागत भाषण दिया। बैठक में साहू ने अपने संबोधन में आने वाले चुनाव की चुनौतियों के जिक्र किया तथा इससे निपटने के कई टिप्स दिये। उन्होंने कहा कि भाजपा पहली पार्टी है, जिसमें कर्मठ लोगों को चिन्हित करके उन्हें पुरस्कृत करने का कार्य करती है। पैरवी की आवश्यकता नहीं पड़ती है। योग्य कार्यकताओं को स्वतः आगे बढ़ाया जाता है। आप सब ने जो मेहनत की है उसका सुखद प्रभाव आने वाले समय में मिलने वाला है। पलामू सांसद विष्णु दयाल राम ने कहा कि कई मंडल अध्यक्षों ने तो बहुत जबरदस्त कार्य किया है, जिसका मैं ह्रदय से धन्यवाद करना चाहता हूं। बैठक में चतरा के सांसद सुनील कुमार सिंह अनुपस्थित रहे। इसी तरह भवनाथपुर, विश्रामपुर और छत्तरपुर के विधायक क्रमशः भानु प्रताप शाही, रामचंद्र चंद्रवंशी तथा पुष्पा देवी अनुपस्थित थे।

डोमिसाइल नीति लागू करने की मांग पर पटना में शिक्षक अभ्यर्थियों का प्रदर्शन, पुलिस का लाठीचार्ज

पटना, (हि.स.)। शिक्षक बहाली में डोमिसाइल नीति लागू कराने की मांग को लेकर शिक्षक अभ्यर्थी शनिवार को पटना की सड़कों पर उतरे। प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने शिक्षक अभ्यर्थियों पर जमकर लाठियां चटकायी। इस दौरान कई शिक्षक अभ्यर्थियों को हल्की चोटें भी आयी हैं। दरअसल, बिहार सरकार की ओर से डोमिसाइल नीति समाप्त करने के फैसले के खिलाफ शनिवार को राज्यभर से जुटे हजारों शिक्षक अभ्यर्थियों ने आज से पटना में विरोध प्रदर्शन शुरू किया। शिक्षक अभ्यर्थी सबसे पहले गांधी मैदान में इकट्ठा हुए। फिर हाथों में तिरंगा लिए पैदल मार्च करते हुए डाकबंगला चौराह के लिए निकले लेकिन पुलिस ने उन्हें जेपी गोलंबर के बाद रोक दिया। इस दौरान अभ्यर्थी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव और शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर के खिलाफ जोरदार नारेबाजी करते रहे। पुलिस ने पहले से ही बैरिकेडिंग कर रखी थी ताकि अभ्यर्थियों को इससे आगे बढ़ने नहीं दिया जाए। फिर हल्का बल प्रयोग कर सभी को पीछे खदेड़ दिया। पुलिस के समझाने के बाद भी शिक्षक अभ्यर्थी प्रदर्शन कर रहे थे, जिसके बाद पुलिस ने लाठीचार्ज किया। आक्रोशित शिक्षक अभ्यर्थियों ने पथराव शुरू कर दिया। डाक बंगला चौराहे से पुलिस ने उन्हें पटना जंक्शन तक खदेड़ा। प्रदर्शन की वजह से डाकबंगला से गांधी मैदान के बीच जाम लग गया। पुलिस ने 35 शिक्षक अभ्यर्थियों को हिरासत में लिया है, जिनमें 2 महिलाएं हैं। सभी को कोतवाली थाना ले जाया गया है। बिहार प्रारंभिक युवा शिक्षक संघ का कहना कि बिहार के विद्यालयों में बीपीएससी के माध्यम से होने वाली शिक्षकों की बहाली में स्थानीय नीति हटने से बिहार के युवाओं को काफी नुकसान होगा। चार सालों से शिक्षक बहाली के लिए परेशान शिक्षक अभ्यर्थियों पर स्थानीय नीति हटाकर पूरे देश के अभ्यर्थियों की बहाली करना शिक्षक अभ्यर्थियों को मानसिक प्रताड़ना देने जैसा फैसला है, जिसकी जितनी निंदा की जाये, कम होगी। शिक्षक अभ्यर्थियों का कहना है कि बिहार सरकार का यह निर्णय राज्य के युवाओं को धोखा देना है। पहले से ही बेरोजगारी की मार झेल रहे बिहार के युवाओं को अब एक और बड़ी परेशानी में नीतीश सरकार ने डाल दिया है।

तेजस्वी यादव को किसी विषय का ज्ञान नहीं : प्रशांत किशोर

पटना, (हि.स.)। जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने शनिवार को उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव पर हमला करते हुए कहा कि तेजस्वी यादव को किसी विषय का ज्ञान नहीं है। कभी जाति पर बोलना है, कभी धर्म के नाम पर बोलना है। दूसरे पार्टियों पर बस आरोप-प्रत्यारोप करना है। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता पूछ रही है रोजगार नहीं है तो तेजस्वी यादव बोलते हैं कि भाजपा को रोको। बिहार की जनता पूछती है कि बालू और शराब माफिया क्यों हैं तो वो जातीय जनगणना की बात करके बिहार के लोगों को बेवकूफ बनाते हैं। प्रशांत किशोर ने कहा कि आज सभी लोग जानते हैं कि राज्य स्तर पर बालू माफिया कौन है? आज बिहार में एक दल के लोग हैं जो बालू माफिया का काम कर रहे हैं। पूरे राज्य को इन्होंने बालू के अवैध खनन का केंद्र बना दिया है। तेजस्वी यादव कहते हैं कि मुझे क्रिमिनल और क्राइम से लगाव नहीं है। मतलब तो यही हुआ न कि बाघ ये कहे कि उसे मांस से लगाव नहीं है। आज इस देश में राजद से ज्यादा क्रिमिनल और क्राइम करने वाले लोग किस पार्टी में हैं?

शिक्षक अभ्यर्थियों को मिला भाजपा का समर्थन, 13 जुलाई को करेगी विधानसभा मार्च

पटना, (हि.स.)। भाजपा ने शिक्षक अभ्यर्थियों का समर्थन करने का ऐलान करते हुए उनके पक्ष में सड़क पर उतरने की घोषणा की। बिहार भाजपा 13 जुलाई को विधानसभा मार्च करेगी। भाजपा विरोध मार्च के माध्यम से 10 लाख सरकारी नौकरी देने पर सरकार से जवाब मांगेगी। बिहार भाजपा अध्यक्ष सम्राट चौधरी और नेता प्रतिपक्ष विजय कुमार सिन्हा ने शनिवार को प्रदेश कार्यालय में प्रेस काफ्रेंस कर इसकी जानकारी दी। सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार भाजपा 13 जुलाई को विधानसभा मार्च करेगी। उन्होंने कहा कि राज्य के शिक्षक अभ्यर्थियों को आज नीतीश सरकार की अदूरदर्शी नीतियों के कारण प्रदर्शन करना पड़ रहा है। बिहार भाजपा के नेता और कार्यकर्ता गांधी मैदान से विधानसभा तक मार्च करेंगे। यह मार्च केवल रूट तक सीमित नहीं रहेगा। सम्राट चौधरी ने महागठबंधन की सरकार पर सीधा निशाना साधते हुए कहा कि सरकार ने बिहार के युवाओं से वादा किया था कि पहली कलम से 10 लाख नौकरी दी जाएगी। उस वादे का क्या हुआ। इसके साथ ही 20 लाख रोजगार देने की भी बात कही गई थी लेकिन सरकार की यह वादे भी खोखले साबित हुए हैं।हम नीतीश सरकार से पूछेंगे। उन्होंने कहा कि सीटेट, टेट की सीधी नियुक्ति की भी मांग की जायेगी। उन्होंने कहा साल भर होने जा रहा, लेकिन महागठबंधन सरकार यह वादा पूरा नहीं की। एसटीईटी, सीटेट और टीईटी पास शिक्षक अभ्यर्थियों को बीपीएससी के जरिए परीक्षा लेकर नियुक्त न किया जाए। इनकी सीधी नियुक्ति होनी चाहिए। यह लोग पहले ही परीक्षा पास कर चुके हैं। शिक्षक अभ्यर्थियों को हक दिलाकर रहेंगे। सरकारी स्कूलों में शिक्षकों को सैलरी दी जाए। मानसून सत्र को लेकर पूछे गये सवाल का जवाब देते हुए प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि बिहार विधानसभा का मानसून सत्र पांच दिनों का जो काफी छोटा है। जो 10-14 जुलाई तक चलेगा। सरकार ने इतना छोटा मानसून सत्र जानबूझकर रखा है ताकि सरकार जनता के सवालों से बच सके। नेता प्रतिपक्ष विजय सिन्हा ने कहा 13 जुलाई को विधानसभा मार्च तो होगा। इसके साथ ही मानसून सत्र में सदन के अंदर भी सरकार को घेरेंगे। शिक्षा मंत्री बिहार का अपमान वह कर रहे हैं। शिक्षकों की नियुक्ति नहीं हो रही।शिक्षक भर्ती नियमावली में संशोधन पर संसोधन हो रहा ताकि बहाली फंसाया जा सके।

संपादकीय

घातक मलबे का उपचार

विकास का मलबा जब घूरने लगा तो यह कानूनी तौर पर एक बड़ा मसला बनता हुआ नजर आ रहा है। किरतपुर से नेरचौक तक बढ़ती हुई फोरलेन ने सदियों के मुकाम खोज डाले हैं, लेकिन ऐसी कनेक्टिविटी के आर्थिक अर्थों के साथ-साथ कुछ भौगोलिक शर्तें भी नत्थी हैं और इन्हीं की व्याख्या करते हुए माननीय उच्च न्यायालय ने संबंधित विभाग से पूछा है कि आखिर मलबे को लेकर उसके इंतजाम क्या हैं। एनएचएआई ने वन विभाग की शिकायत पर जंगल में मलबा फेंकने के एवज में जुर्माना भरा था, लेकिन अदालत इस मसले को जुर्माने की हकीकत से ऊपर देख कर पूछ रही है कि असली उत्तर तो मलबे को स्थायी रूप से ठिकाने लगाने से ही मिलेगा। बेशक अदालत के पास एक फोरलेन के मलबे को लेकर मामला आया है, लेकिन यह पूरे प्रदेश में चल रहे विकास से जुड़ा अहम प्रश्न है। कमोबेश हर सडक़, विद्युत परियोजना, शहरीकरण, आवासीय निर्माण तथा राज्य की गतिविधियों के कारण हिमाचल की भौगोलिक परिस्थितियां इतना मलबा पैदा कर रही हैं कि हमें इसके वैज्ञानिक निपटारे के साथ-साथ इसकी डंपिंग की योजना बनानी होगी। जिस राज्य में कूड़े-कचरे के निपटारे का प्रबंधन भी आफत बना हो, वहां हर निर्माण से जुड़ा मलबा और भी घातक हो सकता है। काफी वर्ष पहले चंबा की विभिन्न विद्युत परियोजनाओं के कारण रावी का बहाव परेशानी पैदा कर गया था। कुछ इसी तरह बरसाती मलबे के कारण जल निकासी भयंकर शक्ल अख्तियार करने लगी है। बड़े-बड़े बांध और छोटी-छोटी वाटरशेड परियोजनाएं अपने भीतर इतनी गाद या मलबा समाहित कर चुकी हैं कि इसके कारण जल भंडारण या जल रिसाव के प्राकृतिक रास्ते पूरी तरह अवरुद्ध हो चुके हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में सडक़ों के किनारे जल शक्ति, विद्युत तथा स्वयं पीडब्ल्यूडी के कारण हर तरह के विकास का मलबा खड़ा हो जाता है। वन विभाग भले ही वन महोत्सव की परंपरा में पर्यावरणीय संदेशों की गर्दन ऊंची कर दे, लेकिन मानव बस्तियों तक उसके मलबे का उत्पात भी कम कसूरबार नहीं। ऐसे में वन विभाग के सहयोग से ही हिमाचल का नवनिर्माण सुव्यवस्थित होगा। कहना न होगा कि शहरी विकास को सुव्यवस्थित करने की अधिकतम परियोजनाएं वनापत्तियों में फंसी हैं। सबसे खतरनाक पहलू यह भी है कि वन विभाग की अड़चनों के कारण शहरों का कूड़ा कचरा प्रबंधन निश्चित शक्ल अख्तियार नहीं कर रहा। इस संबंध में कूड़ा निष्पादन की कई परियोजनाएं अगर वन विभाग के अडियल व फिजूल की प्रक्रिया में फंसी रहेंगी, तो विनाश तय है। प्रदेश में विकास की सार्वजनिक व निजी गतिविधियों के ग्रामीण एवं शहरी विकास योजनाओं का तालमेल कुछ इस तरह से होना चाहिए कि हम अगली सदी की चुनौतियों का समाधान कर सकें। अगर निर्माण के हर पहलू से फैलते मलबे का बारीकी से अध्ययन करें, तो वर्तमान जीवनशैली की भौगोलिक जरूरतों का दबाव कहीं अपने अंधेरों से ही उलझा हुआ प्रतीत होता है। कायदे से हर शहर और हर गांव तक को भविष्य में डंपिंग एरिया तय करने होंगे। ये एरिया सामान्य भूमि से नहीं, बल्कि वन भूमि से ही हासिल होंगे। यानी कहीं फोरलेन या विद्युत परियोजना बन रही है, तो इसी के अनुरूप वन विभाग की जमीन से डंपिंग ग्राउंड को भूमि उपलब्ध करानी पड़ेगी। हर शहर अगर भविष्य की निगरानी में डंपिंग ग्राउंड तैयार करे, तो आगामी वर्षों में यह स्थल सार्वजनिक जरूरतों के विकल्प में इस्तेमाल हो सकते हैं। जाहिर है जिस वन विभाग की चेतना से फोरलेन का शैतान मलबा सामने आया, उसी की योजना व उदारता से ही इसका वैज्ञानिक निपटारा भी होगा। हिमाचल के भविष्य, मानवीय गतिविधियों और विकास के आकार में राज्य की निर्भरता वन भूमि पर बढ़ती जाएगी, बेहतर होगा हिमाचल के ऐसे भौगोलिक, सामाजिक व अस्तित्व के प्रश्न पर वनों से इतनी भूमि तो वापस मांगी जाए ताकि विकास अंधा न हो जाए।

एनएचएआई ने वन विभाग की शिकायत पर जंगल में मलबा फेंकने के एवज में जुर्माना भरा था, लेकिन अदालत इस मसले को जुर्माने की हकीकत से ऊपर देख कर पूछ रही है कि असली उत्तर तो मलबे को स्थायी रूप से ठिकाने लगाने से ही मिलेगा। बेशक अदालत के पास एक फोरलेन के मलबे को लेकर मामला आया है, लेकिन यह पूरे प्रदेश में चल रहे विकास से जुड़ा अहम प्रश्न है। कमोबेश हर सडक़, विद्युत परियोजना, शहरीकरण, आवासीय निर्माण तथा राज्य की गतिविधियों के कारण हिमाचल की भौगोलिक परिस्थितियां इतना मलबा पैदा कर रही हैं कि हमें इसके वैज्ञानिक निपटारे के साथ-साथ इसकी डंपिंग की योजना बनानी होगी।

कुछ अलग

राज्यपाल का असंवैधानिक निर्णय

पहली बार संविधान की हदें पार की गई हैं कि तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन.रवि ने, मुख्यमंत्री स्टालिन की सलाह के बिना ही, कथित भ्रष्ट मंत्री वी. सेंथिल बालाजी को बर्खास्त कर दिया है। भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों से दागदार मंत्री न्यायिक हिरासत में है। प्रवर्तन निदेशालय की जांच के बाद मंत्री को गिरफ्तार किया गया, लेकिन जेल की बजाय वह एक निजी अस्पताल में हैं। कहा जा रहा है कि उनके दिल का ऑपरेशन किया गया है। राज्यपाल के सामने जांच के जो तथ्य रखे गए, उनमें भ्रष्टाचार के आरोप, नौकरी के बदले नोट, धन शोधन और अन्य घोटालों को गंभीर पाया गया। मंत्री जांच की प्रक्रिया, साक्ष्यों और न्यायिक कार्रवाई को प्रभावित कर सकते हैं, लिहाजा राज्यपाल ने अपना 'प्रसाद', 'प्रसन्नता' और 'कृपा' (प्लेजर) वापस ले ली और मंत्री को बर्खास्त कर दिया। बेशक संविधान के अनुच्छेद 164 में उल्लेख है कि मंत्री राज्यपाल के 'प्रसादपर्यन्त' ही अपने पद पर रह सकता है। राज्यपाल ने उसी संवैधानिक भावना को शाब्दिक तौर पर ग्रहण किया और मंत्री को बर्खास्त करने का निर्णय लिया। सर्वोच्च अदालत और उच्च न्यायालय ने कई बार संविधान के विवेच्य अनुच्छेद की व्याख्या कर राज्यपाल की भूमिका और उनकी संवैधानिक शक्तियों को स्पष्ट किया है। दरअसल खुद राज्यपाल न तो किसी को मंत्री बना सकता है और बर्खास्त करना तो बिल्कुल 'असंवैधानिक' है। वह सिर्फ मुख्यमंत्री और कैबिनेट की 'सलाह' और 'सिफारिश' पर ही काम कर सकते हैं। इसका उल्लेख भी अनुच्छेद 164 में है। संविधान ने राज्यपाल को कोई भी कार्यकारी शक्ति नहीं दी है। हालांकि गणतांत्रिक और स्वतंत्र भारत में ऐसे कई उदाहरण हैं, जब राज्यपाल ने मुख्यमंत्री को ही बर्खास्त किया था, लेकिन 1994 के एसआर बोम्मई केस और 2020 के शिवराज सिंह चौहान प्रकरण में सर्वोच्च अदालत की ऐतिहासिक स्थापना सामने आईं कि बहुमत का फैसला सदन में ही किया जाएगा। उसी के आधार पर मुख्यमंत्री और सरकार का स्थायित्व तय होगा। राज्यपाल अपने आधार पर ही मुख्यमंत्री या मंत्री को बर्खास्त नहीं कर सकते। बहरहाल इन न्यायिक निर्णयों के बाद यह घोर असंवैधानिक परंपरा समाप्त हुई। अब तमिलनाडु के राज्यपाल ने संविधान और उसकी भाषा के साथ खिलवाड़ करते हुए मंत्री को बर्खास्त किया है। हालांकि गुरुवार देर रात 'राजभवन' ने मुख्यमंत्री स्टालिन को पत्र लिख कर सूचित किया कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के आग्रह पर एडवोकेट जनरल तथा अन्य संविधान विशेषज्ञों की सलाह ली जाएगी, लिहाजा फैसले को फिलहाल रोक लिया गया है। यह कैसा मजाक है! राज्यपाल एक बार असंवैधानिक, क्रूर और अभूतपूर्व फैसला ले चुके हैं। अब वह उसे रोक लें अथवा अदालत उसे खारिज कर दे, सवाल यह है कि राज्यपाल सरीखे संवैधानिक पद पर आसीन व्यक्ति 'पूर्वाग्रह' के तहत फैसले कैसे ले सकता है? तमिलनाडु में राज्यपाल रवि और मुख्यमंत्री स्टालिन के बीच, लंबे अंतराल से, तनावपूर्ण संबंध रहे हैं, क्योंकि राज्यपाल जानबूझ कर, विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों पर, कुंडली मार कर बैठे रहे हैं। राज्यपाल-मुख्यमंत्री संबंध तेलंगाना, पश्चिम बंगाल, केरल, पंजाब आदि राज्यों में भी बेहद तनावपूर्ण हैं। ऐसे संबंध केंद्र-राज्य के रिश्तों और देश के संघीय ढांचे को सवालिया बनाते हैं। सभी जानते हैं कि राज्यपाल भारत सरकार का प्रतिनिधि होता है और राज्य में विपक्षी दल की सरकार हो सकती है। यहां जिन राज्यों का हमने जिक्र किया है, उन राज्यों में विपक्ष के ऐसे दलों की सरकारें हैं, जो बुनियादी तौर पर भाजपा-विरोधी हैं। ऐसे में खुन्नस की भावना से काम किया जाएगा, तो वह देशहित में नहीं होगा। संविधान की गरिमा और प्रतिष्ठा के अनुकूल नहीं होगा और आम नागरिक को सहज न्याय प्राप्त नहीं होगा। दागदार मंत्री कानून के कठघरे में है। मुख्यमंत्री उन्हें बिना विभाग का मंत्री रखना चाहते हैं, तो यह मुख्यमंत्री का विशेषाधिकार है। दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल का हालिया उदाहरण हमारे सामने है, जिन्होंने सत्येन्द्र जैन को कई माह तक मंत्री बनाए रखा, हालांकि वह जेल में कैद थे।

अमेरिका की राजकीय यात्रा के दौरान भारतीय प्रधानमंत्री का व्हाइट हाउस में जैसा भव्य स्वागत हुआ

मोदी का सफल अमेरिकी दौरा चीन और पाकिस्तान को बुरी तरह बेचैन कर गया है

ललित गर्ग

भारत की अमेरिका यात्रा से चीन की नींद उड़ गयी है वहीं पाकिस्तान भी बौखलाया है। भारत के दोनों दुश्मन राष्ट्रों की तिलमिलाहट से जाहिर हो रहा है कि भारत अब एक बड़ी ताकत बन रहा है। चीन बेचैन है भारत के प्रधानमंत्री की इस ऐतिहासिक, निर्णायक एवं श्रेयस्कर अमेरिका यात्रा से। भारत एवं अमेरिका के बीच हुए समझौते यह भी दर्शाते हैं कि आज भारत को जितनी आवश्यकता अमेरिका की है, उससे कहीं अधिक उसे भारत की है। इसका एक कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका का कम होता प्रभाव और भारत का बढ़ता हुआ कद है। अमेरिका यह जान रहा है कि चीन के तानाशाही भरे रवैये से निपटने के लिए भारत का साथ आवश्यक है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरीका की राजकीय यात्रा अनेक दृष्टियों से नई उम्मीदों को पंख लगाने के साथ भारत को शक्तिशाली बनाने वाली साबित होगी। अमेरीका की यात्रा के दौरान हुए विभिन्न समझौते भारत की तकनीकी एवं सामरिक जरूरतों को पूरा करने में अहम कदम साबित होंगे। व्यापार व उद्योग के साथ-साथ प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अमेरिका के साथ द्विपक्षीय सहयोग ने नई उम्मीदें जगाई हैं। इस यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री ने जो प्रयास किए वे मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भरता के प्रयास, नये भारत-सशक्त भारत एवं सतत विकास की प्राप्ति में सहायक सिद्ध होंगे। भारत की अमेरिका यात्रा से चीन की नींद उड़ गयी है वहीं पाकिस्तान भी बौखलाया है। भारत के दोनों दुश्मन राष्ट्रों की तिलमिलाहट से जाहिर हो रहा है कि भारत अब एक बड़ी ताकत बन रहा है। चीन बेचैन है भारत के प्रधानमंत्री की इस ऐतिहासिक, निर्णायक एवं श्रेयस्कर अमेरिका यात्रा से। भारत एवं अमेरिका के बीच हुए समझौते यह भी दर्शाते हैं कि आज भारत को जितनी आवश्यकता अमेरिका की है, उससे कहीं अधिक उसे भारत की है। इसका एक कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका का कम होता प्रभाव और भारत का बढ़ता हुआ कद है। अमेरिका यह जान रहा है कि चीन के तानाशाही भरे रवैये से निपटने के लिए भारत का साथ आवश्यक है। वास्तव में इस आवश्यकता ने भी अमेरिका में भारत की अहमियत बढ़ाने का काम किया है। यह अहमियत यही बता रही है कि अब भारत का समय आ गया है। भारत एवं अमेरिका की दोस्ती प्रधानमंत्री की यात्रा से प्रगाढ़ हुई है, जो दोनों देशों के लिये शुभता का सूचक है। मोदी की इस यात्रा से भारत-अमेरिका संबंधों की एक नई इबारत लिखी गयी है और नये संकल्पों की गौरवशाली यात्रा शुरू हो गई है। दुनिया के दो महान लोकतंत्र देश दुनिया को बेहतर बनाने के लिए अपने बंधन को मजबूत कर रहे हैं। भारत लोकतंत्र की जननी है और अमेरिका आधुनिक लोकतंत्र का चैंपियन है। दुनिया में लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को मजबूती देने में दोनों के साझा प्रयत्नों के सुपरिणाम सामने आयेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने स्वदेश लौटकर भारत-अमेरिका संबंधों के बारे में कहा, 'हम साथ मिलकर सिर्फ नीतियां और समझौते ही नहीं बना रहे हैं। हम जीवन, सपनों और नियति को भी आकार दे रहे हैं।' वास्तव में आज अमेरिका ही नहीं, विश्व का हर प्रमुख देश भारत को अपने साथ रखना आवश्यक समझ रहा है। कहना न होगा कि वैश्विक मंच पर योग का विषय हो, या अहिंसा का या फिर आतंकवाद से निपटने का, जलवायु परिवर्तन का मसला हो या फिर जी-20 देशों की अध्यक्षता की बात, भारत, दुनिया को नई

दिशा दे रहा है, नई उम्मीदें जगा रहा है। स्वयं, समाज एवं राष्ट्र के विकास से आगे बढ़ने की सोच देने वाला भारत अब दुनिया का विकास चाहता है, यही वसुधैव कुटुम्बकम का मंत्र आज दुनिया को भा रहा है और इसी कारण हर कोई भारत की तरफ आशा भरी निगाहों से देख रहा है, चाहे वो शक्तिशाली राष्ट्र ही क्यों न हो। निगाहें केवल चीन और पाकिस्तान की ही नहीं, बल्कि भारतीय प्रधानमंत्री के अमेरीकी दौरे पर दुनिया भर के देशों की थीं। यह अच्छा हुआ कि भारतीय प्रधानमंत्री और अमेरीकी राष्ट्रपति के बीच शिखर वार्ता के बाद जो संयुक्त बयान जारी हुआ, उसमें पाकिस्तान के साथ चीन पर भी निशाना साधा गया। ऐसा करना इसलिए आवश्यक था, क्योंकि पाकिस्तान जहां आतंकवाद को सहयोग-समर्थन और संरक्षण देने से बाज नहीं आ रहा है, वहीं चीन अपनी विस्तारवादी नीतियों के चलते एशिया ही नहीं, पूरे विश्व के लिए खतरा बन गया है। आज दुनिया आतंकमुक्ति संसार की संरचना चाहती है। अमेरिका की राजकीय यात्रा के दौरान भारतीय प्रधानमंत्री का व्हाइट हाउस में जैसा भव्य स्वागत हुआ और अमेरिकी संसद में उनके संबोधन को जिस तरह सराहा गया, उससे यदि कुछ स्पष्ट हो रहा है तो यही कि दोनों देशों के संबंध एक नए युग में पहुंच रहे हैं। वैसे तो दोनों देशों के संबंध एक लंबे समय से प्रगाढ़ हो रहे हैं, लेकिन इसके पहले किसी भारतीय प्रधानमंत्री को अमेरिका में शायद ही इतनी महत्ता मिली हो। इस महत्ता को रेखांकित कर रहे हैं रक्षा, तकनीक, उद्योग आदि क्षेत्र में हुए वे अनेक महत्वपूर्ण समझौते, जो भारत और अमेरिका के बीच हुए। इनमें कुछ समझौते ऐसे हैं, जिनके लिए भारत दशकों से प्रयासरत था, जैसे कि जीई एयरोस्पेस और हिंदुस्तान एयरोनाटिक्स लिमिटेड के बीच युद्धक विमानों के इंजन एफ 414 को मिलकर भारत में बनाने का समझौता। इस तरह के समझौते दोनों देशों की निकटता को भी रेखांकित कर रहे हैं और एक-दूसरे के प्रति भरोसे को भी। अमेरिका का भारत पर बढ़ता भरोसा इस बात का परिचायक है कि भारत विश्व की एक महाबड़ी शक्ति बनने की राह पर अग्रसर है और भारत के बिना चीन को करारा जवाब देना नामुमकिन है। इन नये बनते परिदृश्यों में चीनी विश्लेषकों का मानना है कि अमेरिका की कोशिश भारत को चीन से मुकाबले के लिए तैयार करने की है, जबकि दूसरी ओर वह चीन की आर्थिक प्रगति में अवरुद्ध करना चाहता है। कुछ विश्लेषकों के मुताबिक, 'भारत के साथ आर्थिक व व्यापार सहयोग मजबूत करने के अमेरिका के पुरजोर प्रयास का मुख्य उद्देश्य चीन का आर्थिक विकास धीमा करना है।' इन दावों से इतर एक तथ्य यह है कि भारत के लिए अमेरिका के साथ व्यापार करना फायदे का सौदा रहा है। भारत को अमेरिका के साथ व्यापार करके अधिक आय होती है, जबकि चीन के साथ व्यापार के कारण बीते कुछ वर्षों से देश को सालाना औसतन 60 अरब डॉलर का नुकसान हो रहा था। एडवांस्ड एप्लाइड मटीरियल्स के गैरी डिकर्सन ने मोदी से मुलाकात के बाद एक इंजीनियरिंग केंद्र स्थापित करने के लिए 400 मिलियन डॉलर के निवेश की घोषणा भी की है जिससे कई व्यावसायिक अवसर सृजित होंगे। बड़ी संख्या में विद्यार्थी, अमेरिकी विश्वविद्यालयों में पढ़ने जाते हैं। कुशल श्रमिकों, विद्यार्थियों आदि के आदान-प्रदान के नियमों को सरल बनाने से न केवल वीजा प्रक्रिया रफ्तार पकड़ेगी बल्कि वीजा की संख्या में वृद्धि युवाओं को नए मौके देगी। अहमदाबाद और बेंगलूरु में अमेरिका के दो नए वाणिज्य दूतावास खोलने व भारत द्वारा अमेरिका के सिएटल में और इसके बाद दो अन्य स्थानों पर वाणिज्य दूतावास खोलने की सहमति को भी उम्मीद भरे अवसरों की इसी दृष्टि से देखा जा सकता है। अमेरिका एवं भारत के बीच बढ़ती प्रगाढ़ता से चीन पर भारत की निर्भरता न्यूनतम हो जायेगी। चीन की दादागिरी उसके लिये कितनी नुकसानदेह साबित हो रही है कि एक बड़ा बाजार चीन के हाथ से निकल रहा है। बात भारत एवं अमेरिका की ही नहीं है, बल्कि दुनिया के अनेक देश चीन की नीति एवं नीयत से परेशान हैं। बात खनिज क्षेत्र की करें तो अमेरिका के साथ बनी 'खनिज सुरक्षा साझेदारी' के तहत धातुओं के क्षेत्र में बनी सहमति से चीन पर निर्भरता खत्म हो सकेगी। खासतौर से ईवी बैटरियों के निर्माण में आत्मनिर्भरता तो मिलेगी ही, ड्रोन, सोलर पैनल आदि निर्माणों को भी गति मिलेगी। सब जानते हैं कि अमेरिका और इजरायल के द्वारा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में साझेदारी ने दोनों देशों की अर्थव्यवस्था के विकास और स्थिरता के उद्देश्यों को प्राप्त करने में बड़ा योगदान दिया है। इसी तारतम्य में भारत का अमेरिका के साथ सामरिक संबंध भी महत्त्वपूर्ण है।

प्लास्टिक और कागज की प्लेटों का विकल्प

दूसरी समस्या यह है कि पत्तों की पत्तल को एक-दो सप्ताह से ज्यादा रखना संभव नहीं होता है, इसमें फंगस लग जाती है। इसके लिए हाथ से संचालित छोटी मशीनें आ गई हैं जो गर्म डाई से प्रेस करके पत्तल को सुखा भी देती हैं और प्लास्टिक या कागज की प्लेटों की तरह थाली का आकार भी दे देती हैं। इससे पत्तों की पत्तल को ज्यादा समय तक रखना संभव होगा और दूर तक भेजना भी। शहरी इलाकों तक भी पत्तों की पत्तल को प्रचारित किया जा सकेगा, जिससे वनवासी निर्धन समुदायों को रोजगार के अवसर मिल सकेंगे। इसमें एक ही सावधानी रखना जरूरी है कि ये मशीनें हस्तचालित ही लगाने की इजाजत हो और जो लोग इस समय पत्तलें बनाने का काम कर रहे हैं, उन्हें ही पहले दी जाए। मांग पूरी न होने की सूरत में नए लाभार्थी भी निर्धन वर्ग से चुने जाएं। यानी यह व्यवसाय वनवासी निर्धन वर्ग के हाथ से समर्थवान वर्ग के हाथ में न चला जाए।

भारतवर्ष सामाजिक उत्सवों का देश है। यहां शादी, जन्मदिन, श्राद्ध, जगराते आदि सामाजिक तौर पर मनाए जाते हैं और सामाजिक सहभोजन उसका एक आवश्यक अंग है। भोजन के लिए थाली और दूसरे चीनी आदि की प्लेटों को बार-बार साफ करने के झंझट से बचने के लिए पुराने समय से ही पत्तों की बनी पत्तलों का चलन रहा है। दक्षिण में केले के पत्तों पर भोजन का चलन है। अन्य प्रदेशों में अपने अपने क्षेत्रों में होने वाले पेड़ों के पत्तों से पत्तलें बनाई जाती हैं। बंगाल में साल के पत्तों से, कहीं सागवान के पत्तों से, कहीं पलाश की पत्तलों का चलन है। हिमाचल और उत्तराखंड में टोर के पत्तों से पत्तलें बनाई जाती हैं। उत्तराखंड में इसे मालू या मालधन कहा जाता है। देश में एक हजार की आबादी पर साल में औसत 3 शादियां होती हैं। इसके साथ अन्य सामाजिक उत्सव भी होते रहते हैं। मान लें कि अन्य उत्सव एक हजार आबादी पर पांच होते हैं, तो कुल 8 उत्सव हुए। हिमाचल जैसे छोटे राज्य के उदाहरण से इसके आर्थिक विस्तार को समझते हैं। हिमाचल की कुल आबादी केवल 70 लाख है। एक हजार पर 8 उत्सव प्रतिवर्ष के हिसाब से करीब 56 हजार उत्सव हुए। एक उत्सव में औसत आठ सौ लोग भोजन करें तो चार करोड़ पचास लाख पत्तलों की खपत साल में हुई। एक पत्तल डेढ़ रुपए के हिसाब से बिक रही है तो कुल 6 करोड़ 60 लाख रुपए की अर्थव्यवस्था पत्तल कारोबार से जुडी है। यह पैसा गांव के अति निर्धन लोगों की जेब में जाता था जो जंगल से पत्ता लाकर खास तरह की तीलियों से इन पत्तों को सिल कर पत्तल और दोने बनाते थे। किंतु आज परिस्थिति तेजी से बदल रही है। बाजार में प्लास्टिक की पत्तल आ गई है। जब प्लास्टिक की पत्तल पर हिमाचल सरकार ने स्वास्थ्य कारणों और कचरे की बहुतायत के चलते प्रतिबंध लगा दिया तो कागज की पत्तलें बाजार में आ गईं। कागज की पत्तलें भले ही प्लास्टिक की पत्तलों से कम हानिकारक हों किन्तु पूर्ण निरापद नहीं हैं। इन पर हाईड्रो फोबिक फिल्म चढ़ाई जाती है ताकि तरल पदार्थ पत्तल में टिका रहे। गर्म भोजन के संपर्क में आने से 15 मिनट में 25 हजार सूक्ष्म कण भोजन में मिल जाते हैं। इस तरह पत्तल का कारोबार उद्योगों के हाथ चले जाने से स्वास्थ्य के लिए खतरे के अलावा गरीब की रोटी छिन जाने का पक्ष भी विचारणीय है। पत्तों से बनी पत्तलें पर्यावरण की दृष्टि से और स्वास्थ्य की दृष्टि से भी निरापद हैं। इनसे कचरे की समस्या भी नहीं है। आसानी से सड़-गल कर इससे अच्छी खाद बन जाती है। किन्तु पत्तों की पत्तल को सब जगह पहुंचा कर एक पर्यावरण मित्र विकल्प प्रस्तुत करके और गांव के सबसे निर्धन लोगों को इज्जत की रोजी प्रदान करने के रास्ते में कुछ समस्याएं उभर रही हैं। एक तो अंग्रेजी शासन के डेढ़ सदी के वन प्रबन्धन ने इन स्थानीय लोगों की रोजी और जरूरतों को पूरा करने वाली वनस्पति प्रजातियों की अनदेखी की और व्यापारिक प्रजातियों चीड़, सफेदा आदि का इस तरह प्रचार-प्रसार किया कि अच्छा पत्ता देने वाली प्रजातियों की कमी आ गई। हिमाचल में भी चिपको आन्दोलन के दौर में टोर (मालू) के संरक्षण के प्रयास किये गए थे और इस प्रजाति को काट कर चीड़ लगाने का विरोध किया गया था और हिमाचल में इस तरह की स्थानीय जरूरतों और पर्यावरण के लिए महत्वपूर्ण प्रजातियों को संरक्षित करने के लिए आदेश जारी करवाए थे। इन जन उपयोगी प्रजातियों का कटान तो बंद हुआ किन्तु इनका रोपण शुरू नहीं हो सका है। यदि बड़े पैमाने पर टोर का रोपण किया जाए तो पूरे प्रदेश की पत्तल-दोने की जरूरत पूरा करने योग्य पत्तों का उत्पादन सुनिश्चित किया जा सकता है। इसके साथ-साथ पलाश के वृक्षों का रोपण भी किया जाए तो पत्तल बनाने के लिए एक और प्रजाति उपलब्ध हो जाएगी। इससे प्रदेश की अर्थव्यवस्था को भी योगदान मिलेगा और सबसे जरूरतमंद लोगों को स्वरोजगार उपलब्ध हो सकेगा। दूसरी समस्या यह है कि पत्तों की पत्तल को एक-दो सप्ताह से ज्यादा रखना संभव नहीं होता है, इसमें फंगस लग जाती है। इसके लिए हाथ से संचालित छोटी मशीनें आ गई हैं जो गर्म डाई से प्रेस करके पत्तल को सुखा भी देती हैं और प्लास्टिक या कागज की प्लेटों की तरह थाली का आकार भी दे देती हैं। इससे पत्तों की पत्तल को ज्यादा समय तक रखना संभव होगा और दूर तक भेजना भी। शहरी इलाकों तक भी पत्तों की पत्तल को प्रचारित किया जा सकेगा, जिससे वनवासी निर्धन समुदायों को रोजगार के अवसर मिल सकेंगे। इसमें एक ही सावधानी रखना जरूरी है कि ये मशीनें हस्तचालित ही लगाने की इजाजत हो और जो लोग इस समय पत्तलें बनाने का काम कर रहे हैं, उन्हें ही पहले दी जाए। मांग पूरी न होने की सूरत में नए लाभार्थी भी निर्धन वर्ग से चुने जाएं। यानी यह व्यवसाय वनवासी निर्धन वर्ग के हाथ से मशीनों के बल पर समर्थवान वर्ग के हाथ में न चला जाए, इस बात का ध्यान रखना होगा। पत्तलें बनाने के लिए काम आने वाले पत्तों के पेड़ों को बड़े पैमाने में रोपा जाना चाहिए।

नागरिक बोध

बरसात निपटाने के लिए बैठक

बारिशों के मौसम से निपटने के लिए महत्वपूर्ण बैठक हर साल करना ज़रूरी होती है। वैसे पता होता है कि मानसून हमेशा की तरह इस साल भी सून नहीं आएगा, इसलिए यह बरसाती बैठक देर से होती है। इस संबंध में सबसे पहले प्रेस विज्ञप्ति बनाई जाती है। परोसे जाने वाली प्रेस रिलीज़ पकाने में ज़्यादा दिक्कत नहीं होती, तारीख और नाम बदलकर पिछले साल वाली ही चिपका दी जाती है। मज़ेदार यह है कि बारिशें देर से भी हों तब भी बढ़िया प्रबन्धों की पोल हर बरस खूब खुलती है। कमबख्त मानसून किसी साल गलती से ठीक समय पर नहीं, पहले आ जाए तो बैठक भी रह जाती है। खैर, इतनी महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ अधिकारी ही कर सकते हैं। इस बार उनके देर से आने के कारण बैठक लेट होती गई और कैंटीन में चाय समोसे ठंडे। परम्परागत लेटलतीफों को फायदा रहा, वे अपने निजी काम करते करते देर से पहुंचे जिसका दोष बिना बताए आने वाली बारिश को ही जाना था, गया। अध्यक्ष गाड़ी में आए लेकिन सडक़ पर पानी भरे गड्ढे, कीचड़ व नालियों में फंसे कचरे की तरफ उन्होंने देखा तक नहीं। अध्यक्ष ने कहा, सभी सडक़ों, गलियों की सफाई सही तरीके से होनी चाहिए। जहां बाढ़ आ सकती है वहां से स्थायी अतिक्रमण हटवाएं। सख्त निर्देश दिए कि नदी किनारे रहने वालों को बरसात शुरू होने से पहले, कहीं भी जाने को कहें। सूचना तंत्र अच्छी तरह से व्यवस्थित हो, नहीं तो लोग बह जाते हैं, फिर झूठ बोलना पड़ता है। उन्होंने फिर समझाया कि पिछले साल भी संवेदनशील सडक़ों, जलापूर्ति योजनाओं, बिजली की तारों, बाढ़ व भूस्खलन संभावित क्षेत्रों की पहचान करनी रह गई थी। यहां तक कि जेसीबी चालक के फोन नंबर नोट करने भी रह गए थे इस बार कर ही लें। यह निर्देश अधिकांश लोगों ने सिर्फ नोट करने के लिए नोट किए। बैठक में जबर्दस्ती भेजे कर्मचारियों ने कुछ नोट नहीं किया। स्वास्थ्य विभाग, जल विभाग व खाद्य विभाग को दवाएं, राशन व अन्य खाद्य सामग्री वगैरा की उचित व्यवस्था करने बारे कहा। इस बारे संबंधित अधिकारियों ने उचित ढंग से नोट किया क्योंकि इसमें उनका बहुत फायदा था। संबंधित विभाग वालों ने पिछले साल से बढ़िया समाज सेवा करने का संकल्प लिया। बरसात से निपटने के लिए उचित कार्य योजना बनाने का आग्रह किया। मानव जीवन, सम्पति नुक्सान की नियमित रिपोर्ट, रंगीन फोटो, बढ़िया प्रभावशाली वीडियो तुरंत साझा करने को कहा। अध्यक्ष को पता था पिछले साल भी यही भाषण दिया था, लेकिन उसका असर नहीं हुआ था। बैठक में यह वार्षिक ख्याल भी आया कि जो बच्चे नदी नाले पार कर स्कूल जाते हैं उनके बारे विस्तृत रिपोर्ट बनाने और कारगर कदम उठाए जाने ज़रूरी हैं। बैठक में बैठे बैठे लगने लगा कि आधा दर्जन छोटे पुल बनने वाले हैं। कैंटीन वाले ने बड़े आकार के साहबों को कप प्लेट में ताज़ी चाय पेश की, बाकियों को गर्म कर, बासी परोस दी गई।

देश दुनीया से

भ्रष्टाचार को लेकर मौन हैं विपक्षी दल

पटना में हुई महागठबंधन की बैठक बगैर किसी मसौदे के पूरी हो गई। संयुक्त विपक्ष के समक्ष भ्रष्टाचार सहित देश के अन्य बड़े मुद्दे एजेंडे में नहीं आए। विपक्षी दलों की बैठक में भ्रष्टाचार पर एक भी शब्द नहीं बोलने से भाजपा को हमला करने का मौका मिल गया। यही वजह है कि प्रधानमंत्री और भाजपा इस गठबंधन के प्रयासों की खिल्ली उड़ा रहे हैं। पीएम मोदी ने एक सभा में विपक्षी दलों की एकता के प्रयासों पर जमकर चुटकियां ली। उन्होंने कहा कि इनके घोटाले की लिस्ट इतनी लंबी है कि कोर्ट भी थक गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भ्रष्टाचार को लेकर कहा कि कुछ लोग सिर्फ अपने ही दल के लिए जीते हैं, दल का ही भला करना चाहते हैं और वो ये सब इसलिए करते हैं क्योंकि उन्हें भ्रष्टाचार का, कमीशन का और कट मनी का हिस्सा मिलता है। उन्होंने जो रास्ता चुना है, उसमें ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ती। विपक्षी दलों की पटना में हुई बैठक को लेकर पीएम मोदी ने कहा कि आजकल बार-बार एक शब्द आता है- गारंटी। ये सारे विपक्षी दल भ्रष्टाचार की गारंटी हैं। ये गारंटी हैं लाखों-करोड़ रुपयों के घोटालों की। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले इनका एक फोटो शॉप कार्यक्रम हुआ। उस फोटो में जो लोग हैं उन सब का मिल कर टोटल करेंगे तो ये सारे मिल कर कम से कम 20 लाख करोड़ रुपये के घोटाले की गारंटी हैं। मोदी ने बगैर किसी ठोस कार्यक्रम के समाप्त हुई विपक्षी दलों की बैठक पर प्रहार करते हुए कहा कि अकेले कांग्रेस का ही लाखों करोड़ों का घोटाला है। इन पार्टियों के पास घोटालों का ही अनुभव है और इसीलिए इनकी अगर कोई गारंटी है तो वो है- घोटालों की गारंटी। अगर उनकी घोटाले की गारंटी है, तो मोदी की भी एक गारंटी है, हर घोटालेबाज पर कार्रवाई की गारंटी। आश्चर्य की बात यह है कि केंद्र सरकार के खिलाफ ईडी और सीबीआई के दुरुपयोग का आरोप लगाने वाले विपक्षी दलों में से किसी ने भी प्रधानमंत्री के आरोपों का खंडन तक नहीं किया। विपक्षी दल ईडी की कार्रवाई के विरोध में सुप्रीम कोर्ट से पहले ही मात खा चुके हैं। सुप्रीम कोर्ट ने ईडी की कार्रवाई के मामले में दखल देने से इंकार कर दिया था। प्रधानमंत्री मोदी के विपक्ष पर लगाए भ्रष्टाचार के आरोपों को बल इस बात से मिलता है कि विपक्षी नेताओं पर लगे भ्रष्टाचार के ज्यादातर मामलों में अदालत ने कोई राहत नहीं दी है। इसी कड़ी में एक मामला तमिलनाडु के मंत्री सेंथिल बालाजी का भी शामिल हो गया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नौकरी के बदले नकदी मामले में मंत्री बालाजी को 14 जून को गिरफ्तार किया था। चेन्नई सत्र न्यायालय ने न्यायिक हिरासत 12 जुलाई तक बढ़ाने का आदेश दिया है। इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गयी थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने उच्च न्यायालय के फैसले में दखल देने से मना कर दिया। गौरतलब है कि बालाजी पर रिश्वत लेकर परिवहन विभाग में नौकरी देने का आरोप है। विपक्ष के लिए बेशक भ्रष्टाचार मिटाने का मुद्दा प्रमुख न हो, पर इस मामले में भारत की स्थिति भयावह है। करप्शन परसेप्शन इंडेक्स 2022 की 180 देशों की सूची में भारत को 40 अंकों के साथ 85वें पायदान पर रखा गया। दुनिया भर के देशों में करप्शन के स्तर को मापने वाला यह इंडेक्स हर साल संगठन ट्रान्सपैरेंसी इंटरनेशनल द्वारा जारी किया जाता है। निश्चित तौर पर राज्यों में व्याप्त भ्रष्टाचार के कारण ही भारत की यह स्थिति बनी है। विशेषकर विपक्षी दलों की सत्ता वाले राज्यों में भारी भ्रष्टाचार व्याप्त है। यह विपक्षी दलों के लिए कभी भी चिंता का विषय नहीं बना। इंडियन करप्शन सर्वे 2019 की रिपोर्ट के मुताबिक सबसे भ्रष्ट राज्यों की सूची में राजस्थान नंबर एक पर रहा। भ्रष्टाचार की इस लिस्ट में बिहार दूसरे नंबर पर रहा। बिहार के सर्वे में 75 फीसदी लोगों ने कहा कि उन्हें काम करवाने के लिए रिश्वत देनी पड़ी। 50 फीसदी लोगों ने कहा कि उन्हें अधिकारियों को कई बार पैसे देने पड़े। तकरीबन 25 फीसदी लोगों ने कहा कि केवल उन्हें एक या दो बार घूस देनी पड़ी।

पीएम मोदी ने एक सभा में विपक्षी दलों की एकता के प्रयासों पर जमकर चुटकियां ली। उन्होंने कहा कि इनके घोटाले की लिस्ट इतनी लंबी है कि कोर्ट भी थक गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भ्रष्टाचार को लेकर कहा कि कुछ लोग सिर्फ अपने ही दल के लिए जीते हैं, दल का ही भला करना चाहते हैं और वो ये सब इसलिए करते हैं क्योंकि उन्हें भ्रष्टाचार का, कमीशन का और कट मनी का हिस्सा मिलता है। उन्होंने जो रास्ता चुना है, उसमें ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ती। विपक्षी दलों की पटना में हुई बैठक को लेकर पीएम मोदी ने कहा कि आजकल बार-बार एक शब्द आता है- गारंटी। ये सारे विपक्षी दल भ्रष्टाचार की गारंटी हैं।

अपहरण हुए सभी 16 पुलिस कर्मचारी रिहा, परिजनों ने लगाया गले

मेक्सिको सिटी। गवर्नर एस्कैंडन ने बताया कि अपहृत 16 सहकर्मियों को शुक्रवार दोपहर रिहा कर दिया गया। हालांकि, अब तक इन पुलिस कर्मचारियों की रिहाई के बारे में ज्यादा कुछ जानकारी सामने नहीं आई है।

बदमाशों की ये थी मांगें

अपहरणकर्ताओं ने चियापास में तीन स्थानीय पुलिस अधिकारियों को बर्खास्त करने और स्थानीय गायिका नेयेली सिन्को की रिहाई की मांग की थी। दरअसल, गायिका नेयेली सिन्को का पिछले हफ्ते एक अन्य गिरोह ने अपहरण कर लिया था।

रिहा कर्मचारी ने बताया कैसे वापस लौटे

रिहा हुए एक कर्मचारी ने बताया कि उन्हें एक पहाड़ी क्षेत्र में छोड़ा गया था। उन्हें नहीं पता था कि वह कहां है। बदमाशों ने एक वैन भी दी थी। साथ ही वैन की चाबी सार्वजनिक सुरक्षा और नागरिक संरक्षण सचिव (एसएसपीवाईपीसी) को देने को कहा गया था।

जब वे सभी नॉर्थ बेल्टवे पहुंचे, तो सभी 16 कर्मचारियों ने चैन की सांस ली। वह अपने कार्यालय के सामने उतरे थे।

यह है मामला

कुछ बंदूकधारी बदमाशों ने ओको कोओआउटला–टक्स्टला गुतिरेज राजमार्ग पर एक पुलिस परिवहन ट्रक को रोक कर उसमें सवार 16 पुलिस कर्मचारियों का अपहरण कर लिया था। हालांकि, ट्रक में पुरुषों के साथ महिलाकर्मी भी मौजूद थीं, लेकिन बंदूकधारियों ने सिर्फ पुरुषों का अपहरण किया था।

अपहरण हुए लोगों में गार्ड और प्रशासनिक कर्मचारी

राष्ट्रपति एंड्रेस मैनुअल लोपेज ओब्राडोर ने बताया कि जिन लोगों का अपहरण किया गया था वे एक स्थानीय जेल में काम करते हैं। यह लोग गार्ड या प्रशासनिक कर्मचारी के रूप में वहां पर कार्यरत है। हालांकि वे औपचारिक रूप से राज्य पुलिस द्वारा नियोजित हैं।

1000 अधिकारी लगाए थे

अधिकारियों ने पुलिस कर्मचारियों की तलाश के लिए पूरी एड़ी चोटी का दम लगा दिया था। उन्होंने एक हजार से अधिक अधिकारियों को तैनात किया। हालांकि, राज्य अभियोजक के कार्यालय के एक अधिकारी ने कहा कि अपहृत लोग एक पिकअप में सवार होकर टक्स्टला गुतिरेज में राज्य पुलिस मुख्यालय पहुंचकर अपने आप वापस लौट आए।

परिवारों के खिले चेहरे

सबसे अच्छा दृश्य था कि एजेंसी के बाहर जो लोग अपनों के लिए डेरा जमाए हुए थे। उन्होंने जब अपने प्रियजनों को गाड़ी से उतरते देखा तो दौड़कर उन्हें गले से लगा लिया।

न्यूज ब्रीफ

पांच यात्रियों की मौत के बाद भी ओशनगेट अगले ट्रिप के लिए कर रही विज्ञापन

वाशिंगटन। टाइटैनिक जहाज के मलबे को देखने के लिए गई टाइटन पनडुब्बी के फटने और उस पर सवार सभी पांच यात्रियों की मौत होने के बावजूद कंपनी ओशनगेट ने कोई सबक नहीं सीखा है। इस भीषण घटना के लगभग 10 दिन बाद भी ओशनगेट कंपनी अपनी वेबसाइट पर टाइटैनिक जहाज के मलबे की यात्राओं का विज्ञापन कर रही है। खबर के मुताबिक कंपनी की वेबसाइट पर अगले साल के लिए टाइटैनिक के मलबे तक जाने के लिए 2 ट्रिप का विज्ञापन अभी भी मौजूद है। समुद्र के अंदर खोज करने वाली कंपनी ओशनगेट अगले साल 12 जून से 20 जून और 21 जून से 29 जून तक 250,000 डॉलर की कीमत पर टाइटैनिक की दो यात्राओं की योजना बना रही है। इस किराए में पनडुब्बी से गोता लगाने, निजी आवास, सभी जरूरी ट्रेनिंग, अभियान में लगने वाले उपकरणों और जहाज पर भोजन का खर्च शामिल हैं। गौरतलब है कि ओशनगेट कंपनी ने अपने मुख्य कार्यकारी अधिकारी स्टॉकटन रश, ब्रिटिश अरबपति हामिश हार्डिंग, फ्रांसीसी डाइविंग विशेषज्ञ पॉल–हेनरी नार्जियोलेट और पाकिस्तानी व्यवसायी शहजादा दाऊद और उनके युवा बेटे सुलेमान की टाइटैनिक के मलबे की ओर जाते समय टाइटन पनडुब्बी के विस्फोट में मौत हो जाने के बाद इन अभियानों को 'अनिश्चित काल के लिए' बंद कर दिया था। कंपनी ने अपनी वेबसाइट पर पनडुब्बी के पायलट पद के लिए नौकरी का विज्ञापन दिया था।

केन्या हादसे में 48 की मौत, 30 घायल: ट्रक ने यात्रियों से भरी मिनी बस, गाड़ियों को टक्कर मारी, फिर पैदल चल रहे लोगों को रौंदा

नैरोबी। केन्या के लोंडियानी में शुक्रवार शाम एक सड़क दुर्घटना में कम से कम 48 लोगों की मौत हो गई। यह हादसा तब हुआ, जब शिपिंग कंटेनर ले जा रहा एक ट्रक सड़क से उतर गया। ट्रक ने पहले बस स्टॉप पर मिनी बस को रौंदा फिर पैदल यात्रियों को कुचल दिया। हादसा केन्या की राजधानी नैरोबी से 200 किमी दूर हुआ। स्थानीय पुलिस कमांडर जेफ्री मायेक ने बताया, एक्सीडेंट केरीचो और नाकुरु शहर के बीच हाईवे पर हुआ। 30 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं और उन्हें विभिन्न अस्पतालों में ले जाया गया है। अधिकारी ने बताया, घायलों की संख्या अधिक हो सकती है। मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। त्यक्षदर्शियों ने बताया कि हमने देखा कि एक तेज रफ्तार ट्रक हाईवे से नीचे उतर गया। ट्रक ने कई वाहनों को टक्कर मारी फिर पैदल चल रहे लोगों पर चढ़ गया। हादसे पर केरिचो के गवर्नर एरिक मुताई ने दुख जताया। उन्होंने फेसबुक पर लिखा, मेरा दिल टूट गया है। यह केरीचो के लोगों के लिए अंधकारमय पल है। मैं उन परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं जिन्होंने अभी–अभी अपने प्रियजनों को खोया है।

सिंध में दो बसों की टक्कर में सात की मौत; 20 घायल, ओवरस्पीडिंग के कारण हुई दुर्घटना

कराची। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में दो बसों के आपस में टक्कर से सात लोगों की मौत और 20 घायल हो गए। पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह घटना शुक्रवार यानी की ईद के ठीक एक दिन बाद घटी। अधिकारी ने कहा, एक यात्री बस लाहौर से कराची आ रही थी, जबकि दूसरी कराची से जा रही थी। तेज रफ्तार के कारण दोनों बसों के बीच टक्कर हो गई। थाना प्रभारी नाजिम भुट्टो ने बताया कि ईद की छुट्टियों के दौरान नौशेरो फिरोज में मोरो के पास दो बसो की आपस में टक्कर से सात लोगों की जान चली गई, जबकि 20 घायल हो गए। घायलों को तुरंत नवाबशाह और नौशेरा फिरोज अस्पताल में भर्ती किया गया। इसी महीने की शुरुआत में मेहरान राजमार्ग में नवाबशाह के पास दो यात्री वाहनों के आपस में टक्कर से सात लोगों की मौत और 42 घायल हो गए थे। अप्रैल में सिंध के थट्टा जिले में किनझर झील के पास एक ट्रक ने मिनी वैन को टक्कर मार दी थी, जिसमें नौ लोगों की मौत हो गई थी। पाकिस्तान ने सड़क दुर्घटाएं आम बात है, इसका एकमात्र कारण यहां कि खराब सड़के और गैर पेशेवर ड्राइविंग है। यात्री वाहनों में अकसर ठूंस–ठूंसकर लोगों को भर दिया जाता है। ज्यादातर लोग सीटबेल्ट का इस्तेमाल भी नहीं करते हैं। ऐसे में एकल वाहन दुर्घटना में मरने वालों की संख्या ज्यादा यहां ज्यादा है।

फ्रांस में हिंसा, कॉन्सर्ट में राष्ट्रपति मैक्रों का वीडियो वायरल

प्रदर्शनकारियों ने 2 हजार कारें जलाईं; 1000 दंगाई गिरफ्तार, सड़कों पर बख्तरबंद गाड़ियां तैनात

पेरिस। फ्रांस में 17 साल के लड़के नाहेल की हत्या के बाद चौथे दिन भी हिंसा जारी रही। इस बीच राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ब्रिटिश सिंगर एल्टन जॉन के कॉन्सर्ट में एन्जॉय करने का वीडियो सामने आने के बाद उनकी आलोचना हो रही है। लोग नाराज हैं। सोशल मीडिया पर यूजर्स ने इसे राष्ट्रपति का गैर-जिम्मेदाराना रवैया बताया।

बुधवार को पेरिस में एल्टन का एक कॉन्सर्ट था। मैक्रों अपनी पत्नी के साथ नजर आ आए। एल्टन के पति ने मैक्रों के साथ बैकस्टेज ली गई एक फोटो भी पोस्ट की। उधर, फ्रांस में फैली हिंसा बेल्जियम तक पहुंच गई है। देशभर में प्रदर्शनकारियों ने 2 हजार कारें जला दीं।पुलिस ने चौथे दिन 1000 दंगाईयों को गिरफ्तार किया है। हालात काबू में करने के लिए 45 हजार पुलिसकर्मियों के साथ बख्तरबंद गाड़ियों को सड़कों पर तैनात कर दिया गया है। उधर, नाहेल की मां ने बताया कि बेटे का अंतिम संस्कार शनिवार को किया जाएगा।

फ्रांस में दंगाइयों ने 500 से ज्यादा बिल्डिंग्स को नुकसान पहुंचाया।

करीब 4 हजार जगहों पर आगजनी की घटनाओं में 2 हजार से ज्यादा कारें जलकर खाक हो गईं। फ्रांस की हिंसा की आग बेल्जियम तक भी पहुंच गई है। राजधानी ब्रसेल्स में हिंसा फैलाने के आरोप में 100 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। फ्रांस की प्रधानमंत्री एलिजाबेथ बॉर्न ने इमरजेंसी लगने की आशंका जताई है। उन्होंने कहा– देश में शांति स्थापित करने के लिए हम हर कदम उठाएंगे।

देश में ओवरनाइट बस और ट्राम सर्विस बंद

शुक्रवार को क्राइसिस मीटिंग के बाद फ्रांस की प्रधानमंत्री एलिजाबेथ बॉर्न ने देश में इमरजेंसी घोषित होने की भी आशंका जताई। फ्रांस 24 के मुताबिक, एलिजाबेथ ने कहा– हमारी प्राथमिकता देश में शांति स्थापित करना है। इसके लिए हम हर जरूरी कदम उठाने को तैयार हैं।

बता दें कि फ्रांस में 14 जुलाई को नेशनल डे मनाया जाएगा। इस दिन बैस्टिल डे परेड का आयोजन किया जाएगा, जिसमें पीएम मोदी को चीफ गेस्ट के तौर पर न्योता दिया गया है। हिंसा के बीच सरकार ने पूरे फ्रांस में ओवरनाइट बस और ट्राम सर्विस बंद कर दी गई है। कई दुकानों में लूटपाट की घटनाएं भी लगातार सामने आ रही हैं।

पूरा मामला...

नेन्तेरे की एक सड़क पर दो पुलिस अफसरों ने यलो रंग की कार को रोका। बहस के दौरान पुलिस अफसर ने पिस्टल निकाली और ड्राइवर नाहेल के सिर में गोली मार दी। ड्राइवर ने कार तेजी से दौड़ाई जो कुछ दूर जाकर क्रैश हो गई। उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया कि कार ड्राइवर की उम्र 17 साल थी और उसके पास ड्राइविंग लाइसेंस नहीं था। कुछ दूसरी रिपोर्ट्स के मुताबिक– पुलिस ने इस कार का पीछा किया और उसे रोक लिया। ये बात वीडियो में भी नजर आती है। रोके जाने के बाद उसने भागने की कोशिश की, तभी अफसर ने गोली मार दी।

वायरल हो रहे एक वीडियो को वेरिफाई करते हुए बताया कि पुलिस अफसर ने गाड़ी रोककर खिड़की से ड्राइवर पर गोली चलाई थी। गोली लगने के बाद भी उसने भागने की कोशिश की और करीब 200 मीटर दूर जाकर कार एक दीवार से टकराकर क्रैश हो गई। 38 साल के पुलिस अफसर को सस्पेंड करने के बाद हिरासत में भी लिया गया।

पिछले साल फ्रांस में ट्रैफिक पुलिस ने 13 लोगों को गोली मारी

ट्रैफिक चेकिंग के दौरान फ्रांस में इस साल की यह तीसरी घटना है जब फायरिंग में किसी की जान गई है या फिर गोली लगी है। वहीं, पिछले साल गोलीबारी की ऐसी 13 घटनाएं रिपोर्ट की गई थी। टैली के मुताबिक, 2021 में तीन और 2020 में ऐसी दो घटनाएं देखने को मिली थी।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हिस्सा', स्वीडन में कुरान जलाने की घटना पर बोले नाटो प्रमुख

स्टॉकहोम। स्वीडन में मस्जिद के बाहर एक शख्स ने बुधवार को कुरान जलाकर प्रदर्शन किया। इस घटना का कोई विरोध कर रहा है, तो कोई शख्स का साथ दे रहा है। इस बारे में नाटो ने एक प्रेस कॉन्फ्रेन्स की। इस दौरान नाटो प्रमुख ने कुरान को जलाना अपमानजनक बताया। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि घटना गैरकानूनी नहीं थी।

गौरतलब है, स्वीडन में ईद–अल–अजहा के मौके पर बुधवार को स्टॉकहोम की एक मस्जिद के बाहर एक शख्स ने कुरान जलाकर प्रदर्शन किया। चौंकाने वाली बात यह थी की वहां की सरकार ने उसे इसके लिए अनुमति दी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अभिव्यक्ति की आजादी के तहत एक दिन के प्रदर्शन के लिए ये इजाजत दी गई थी।

वहीं, अन्य मीडिया रिपोर्ट की माने तो अब बहस छिड़ गई है कि स्वीडन में मस्जिद के बाहर हुए इस प्रदर्शन का उसकी नाटो सदस्यता पर असर पड़ सकता है। दरअसल, स्वीडन में लगातार एंटी–इस्लामिक प्रदर्शन होते रहते हैं। इस वजह से तुर्किये और स्वीडन के बीच हमेशा तनाव रहता है। तुर्किये ने स्वीडन पर एक धर्म को लक्षित करने का आरोप लगाते हुए उसकी मेंबरशिप अटका रखी है। वहीं, स्वीडन हमेशा ऐसी बातों से इनकार कर देता है।

इस बीच, नाटो प्रमुख जेन्स स्टोलटेनबर्ग ने स्वीडन में हुई घटना पर कहा कि कुरान को जलाना अपमानजनक और आपत्तिजनक था, लेकिन इसे गैरकानूनी नहीं कह सकते। शख्स ने सरकार से अनुमति ली थी। स्वीडन की सरकार ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता बताकर प्रदर्शन के लिए इजाजत दी थी। इस दौरान, नाटो प्रमुख ने स्वीडन के नाटो में शामिल होने पर समझौता करने का भी आग्रह किया। वहीं, अमेरिका ने स्वीडन की मस्जिद के बाहर कुरान जलाने की निंदा की।

स्वीडन में कुरान जलाने पर तुर्किये ने भी अपना विरोध जताया है। विदेश मंत्री हकन फिदान ने कहा कि अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर कोई भी इस्लाम विरोधी प्रदर्शन नहीं कर सकता है। हमें इसे स्वीकार नहीं करेंगे। अगर कोई देश नाटो में शामिल होकर हमारा साथी बनना चाहता है तो उसे इस्लामोफोबिया फैला रहे आतंकियों को काबू में करना होगा।

मंगल मिशन पर भेजे हेलीकॉप्टर से 63 दिन बाद हुआ नासा का संपर्क, मिल सकते हैं अहम सबूत

कैलिफोर्निया। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा का अपने इनजेन्युटी मार्स हेलीकॉप्टर से पूरे दो महीने बाद फिर से संपर्क हुआ है। नासा ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। बता दें कि नासा ने फरवरी 2021 में मंगल ग्रह पर एक मिशन भेजा था। इस मिशन के तहत एक मिनी हेलीकॉप्टर इनजेन्युटी और प्रीजर्वेंस रोवर मंगल ग्रह पर भेज गए थे।

26 अप्रैल को टूटा था नासा का संपर्क

इस मिशन की कंट्रोलर कैलिफोर्निया स्थित नासा की जेट प्रोपल्शन लेबोरेट्री का 26 अप्रैल को अपने करीब 1.8 किलो वजनी इनजेन्युटी हेलीकॉप्टर से संपर्क टूट गया। इस मिशन को भेजने वाली टीम के प्रमुख जोश एंडरसन ने बताया कि मंगल ग्रह के जेजेरो क्रेटर इलाके में यह मिशन भेजा गया था। मंगल का यह क्षेत्र काफी पथरीला है, जिसकी वजह से यहां कोई भी मिशन करना काफी मुश्किलों भरा होता है।

यही वजह है कि यहां कम्युनिकेशन टूटने का भी खतरा रहता है।

मंगल की तस्वीरें भेजेगा इनजेन्युटी हेलीकॉप्टर

इस मिशन के तहत इनजेन्युटी हेलीकॉप्टर को उड़ान भरते हुए मंगल ग्रह की तस्वीरें नासा के पास भेजनी हैं और रोवर को मंगल की जमीन से सैंपल इकट्ठा करने हैं। इनजेन्युटी हेलीकॉप्टर से इतने लंबे समय तक संपर्क ना होने को लेकर नासा ने कहा कि हो सकता है कि हेलीकॉप्टर किसी बड़ी पहाड़ी के पीछे आ गया होगा, जिसकी वजह से वह रोवर से संपर्क नहीं कर पाया। अब फिर से संपर्क होने पर नासा ने राहत की सांस ली है और नासा को उम्मीद है कि इस मिशन से मंगल को लेकर कई अहम सुराग मिल सकते हैं।

थाइलैंड में गुनाह करके बौद्ध भिक्षु बनने का ट्रेंड बढ़ा: धर्मगुरु चिंतित– इससे धर्म की प्रतिष्ठा गिर रही; आम लोग भी इस प्रथा के विरोध में

बैंकॉक। पिछले हफ्ते बैंकॉक के एक स्कूल में फायर ड्रिल के दौरान आग बुझाने वाले उपकरण में धमाका हो गया। दुर्घटना में एक छात्र की मौत हो गई, 10 घायल भी हुए। लोग इस लापरवाही के लिए जवाबदेही तय करने की मांग कर रहे हैं। इस बीच 18 साल के छात्र के अंतिम संस्कार में चार फायर फाइटर्स भी पहुंचे थे। भगवा वस्त्र पहने, सिर मुंडाए चारों साथ में हाथ थामे जमीन पर घुटने टेके दिखे। परंपरागत रूप से यह प्रथा मृतक के रक्त संबंधियों के लिए होती है, ऐसे में फाइटर्स का इस तरह पहुंचना हैरानी की बात थी। अंतिम संस्कार से पहले 'अभिषेक' रस्म में फायर फाइटर्स का पहुंचना, खेद जताने या पश्चाताप का तरीका था। लड़के के दो साथी छात्र भी वहां मौजूद थे। दरअसल ये लोग थाई परंपरा के अनुसार प्रायश्चित करने के उद्देश्य से कम समय के लिए भिक्षु बने हैं। बौद्ध धर्म में भिक्षु बनना माफी मांगने का एक तरीका है। पर थाईलैंड में दूसरों को नुकसान पहुंचाने वालों के बीच ये प्रथा आम हो गई है।

धर्मगुरु चिंतित हैं

धर्मगुरु चिंतित हैं कि इन सुधारात्मक प्रक्रियाओं का उपयोग गलत व्यवहार के इलाज के लिए हो रहा है। इससे बौद्ध धर्म की प्रतिष्ठा गिर रही है, जो घोटालों के बाद वैसे भी गिरावट में है। थाई बौद्ध धर्म की विद्वान केटवादे कुलबकेव कहती हैं,' थाई मठ किसी को भी कुछ दिनों, कुछ हफ्ते या कुछ माह के लिए मंजूरी देंगे, बशर्ते मृतक का परिवार सहमत हो। भिक्षुक जीवन में प्रवेश और इससे निकलना बहुत आसान है। इसके चलते थाईलैंड में कई लोग कई कारणों से भिक्षु बनना चुनते हैं। 2019 में धनी कारोबारी ने नशे में ड्राइव करते हुए दो लोगों को टक्कर मारी थी, दोनों की मौत के बाद वह भिक्षु बन गया था। उसने पीड़ित परिवारों को 10 करोड़ रुपए भी दिए थे। पर सिर्फ भिक्षु बनने से माफी नहीं मिलती। बीते साल एक युवा पुलिसकर्मी की मोटरसाइकिल से टकराने के बाद महिला की मौत हो गई। प्रायश्चित के लिए पुलिसकर्मी भिक्षु बन गया, पर इससे लोगों का आक्रोश कम नहीं हुआ। लापरवाह ड्राइवरों पर कार्रवाई की मांग जारी रही। तीन दिन बाद ही पुलिसकर्मी को भिक्षु पद छोड़ना पड़ा, क्योंकि लोगों का तर्क था कि वह भिक्षु बनने के लिए उपयुक्त नहीं है। गलती की भरपाई का ये तरीका समाज के लिए नुकसानदेह : एक्सपर्ट महाचुलालोंगकर्ण यूनिवर्सिटी में फिलोसॉफी के प्रोफेसर सोमपर्ण प्रोमता कहते हैं 'थाईलैंड के लोग मानते हैं कि भिक्षु बनने से उनकी गलती की भरपाई हो सकती है, जैसे अपराध और भिक्षु बनना लेन–देन का मामला है। यह रवैया समाज को फायदे से ज्यादा नुकसान पहुंचाता है, क्योंकि यह इस धारणा को मजबूत करता है कि कोई भी व्यक्ति चाहे वह आम आदमी हो, सरकारी अफसर या फिर राजनेता हो, पश्चाताप के सार्वजनिक प्रदर्शन के जरिए अपराध का बोझ कम कर सकता है, साथ ही उन्हीं अवैध या अनैतिक कार्यों को दोहराना जारी रख सकता है।

ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो नहीं लड़ पाएंगे चुनाव

कोर्ट ने 2030 तक लगाई रोक; वोटिंग सिस्टम पर शक पैदा करने का आरोप

ब्राजीलिया। ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो के चुनाव लड़ने पर 7 साल यानी 2030 तक के लिए प्रतिबंध लगा दिया गया है। अल जजीरा के मुताबिक, 68 साल के बोल्सोनारो पर अपने पद और मीडिया का दुरुपयोग करने का आरोप लगा था। इसी मामले में सुनवाई करते हुए ब्राजील की सबसे बड़ी इलेक्टोरल कोर्ट में 7 जजों की बेंच ने 5-2 के बहुमत से ये फैसला सुनाया।

बोल्सोनारो पर पिछले चुनाव में हार के बाद पावर का गलत इस्तेमाल करते हुए देश की इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग सिस्टम पर शक पैदा करने का आरोप लगा था। बोल्सोनारो ने कहा– ये पीठ पर छुरा घोंपने जैसा है। मैं इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील करूंगा। मैं अभी जिंदा हूं और ये लड़ाई लड़ता रहूंगा।

बोल्सोनारो ने जुलाई 2022 में की थी फॉरेन ऐंबैस्डर्स के साथ मीटिंग इस मामले की शुरुआत पिछले साल 18 जुलाई में हुई थी, जब बोल्सोनारो ने 8 फॉरेन ऐंबैस्डर्स के साथ एक मीटिंग की थी। इसमें उन्होंने ब्राजील की चुनाव प्रणाली पर सवाल उठाते हुए धांधली के आरोप लगाए थे। इस बैठक को टेलीविजन चैनलों और यूट्यूब पर लाइवस्ट्रीम किया गया था। हालांकि, बाद में यूट्यूब ने फेक न्यूज पॉलिसी के तहत लाइव लिंक को हटा दिया था। सुनवाई से पहले लीड जस्टिस बेनेडिटो गोन्काल्व्स ने कहा था–

बोल्सोनारो ने विदेशी ऐंबैस्डर के साथ हुई मीटिंग का इस्तेमाल साजिश के तहत संदेह पैदा करने के लिए किया। उन्होंने लोगों के मन में ये शक पैदा करने की कोशिश की कि 2022 के चुनावी नतीजों में धांधली होगी। लोकतंत्र के लिए इस तरह की साजिश खतरनाक है। चुनाव में मामूली अंतर से हार गए थे बोल्सोनारो बोल्सोनारो पिछले साल हुए चुनाव में वर्तमान राष्ट्रपति लूला डा सिल्वा से मामूली अंतर से हार गए थे। डा सिल्वा ने 1 जनवरी 2023 को राष्ट्रपति पद की शपथ ली थी। इसके एक हफ्ते बाद बोल्सोनारो के हजारों समर्थक पुलिस बैरिकेड्स तोड़कर संसद, सुप्रीम कोर्ट और राष्ट्रपति भवन में घुस गए थे और तोड़फोड़ की थी। इसके बाद पुलिस ने हंगामा करने वाले 400 लोगों को गिरफ्तार किया था। इस घटना के बाद बोल्सोनारो पर हिंसा भड़काने के आरोप लगे थे। सुप्रीम कोर्ट ने इसकी जांच में पूर्व राष्ट्रपति का नाम भी शामिल करने का आदेश दिया था। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, बोल्सोनारो ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने प्रेरित होकर ऐसा किया था। दरअसल, 2 साल पहले 6 जनवरी 2021 को अमेरिका में भी ऐसी ही हिंसा हुई थी। चुनाव हार चुके राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के समर्थक कैपिटल हिल यानी अमेरिकी संसद में दाखिल हुए थे और तोड़फोड़ की थी। इसमें एक पुलिस अफसर समेत 5 लोगों की मौत हो गई थी। इस घटना की जांच कर रही कमेटी ने 18 महीने बाद हिंसा के लिए ट्रम्प को जिम्मेदार ठहराया था। बोल्सोनारो को कई दूसरे केस में हो सकती है जेल कोर्ट के फैसले पर साओ पाउलो की इंस्पर यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर कार्लोस मेलो ने बताया– इस फैसले ने बोल्सोनारो के दोबारा राष्ट्रपति बनने की उम्मीद को लगभग खत्म कर दिया है। वो अपने कुछ सहयोगियों को अपने पद पर आगे करेंगे जिससे राजनीति में उनका स्थान बरकरार रह सके, लेकिन उनका प्रेसिडेंट की कुर्सी तक लौटना अब मुमकिन नहीं लगता। इस केस में बोल्सोनारो को जेल की सजा होने का खतरा नहीं है। हालांकि, इसके अलावा भी उन पर कई ऐसे क्रिमिनल केस दर्ज हैं जिनमें जेल की सजा सुनाई जा सकती है।

मोदी सरकार की कृषि हितैषी योजनाएं किसानों की बनी असली शक्ति : कृष्णपाल

फरीदाबाद (हिंस)। यमुनापार के 4 गांव महावतपुर, लालपुर, भास्कोला, मजमबाद के किसानों की जो जमीन यमुना पार आती है, उनके पास सिंचाई के लिए बिजली कनेक्शन नहीं थे। उनकी इस समस्या का निदान करते हुए केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने शनिवार को बिजली कनेक्शन के रूप में किसानों को बड़ी सौगात दी। उन्होंने सांसद कोटे से 40 लाख रुपए की राशि मुहैया कराई। इसी के साथ सभी खेतों के लिए बिजली कनेक्शन चालू कर दिए गए। कृष्णपाल गुर्जर ने रिबन काटकर बिजली कनेक्शनों को सभी किसानों को समर्पित किया। मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने बताया कि जिला के चार गांव महावतपुर, लाल पुर, भास्कोला और मजमबाद के किसानों की जो जमीन यमुनापार आती है। उनके पास बिजली के कनेक्शन नहीं थे। यहां के किसानों ने यह समस्या जब उन्हें बताई तो उन्होंने अपने सांसद निधि कोष से 40 लाख रुपए देने की घोषणा की थी।

अब आज बिजली की तारे डलवाकर चारों गावों के किसानों को यमुनापार की जमीन पर बिजली कनेक्शन दे दिए गए है। केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा कि भाजपा सरकार समाज में अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति को समाज की मुख्यधारा में लाने के लिए संकल्पबद्ध है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश को नई दिशा मिली है। उनके द्वारा लिए गए कड़े फैसलों और परिश्रम के कारण ही भारत 2027 तक दुनिया की तीन बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनने जा रहा है। प्रधानमंत्री द्वारा आमजन के लिए चलाई गई, विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के कारण ही उन्हें 140 करोड़ लोगों का आशीर्वाद प्राप्त है। उन्होंने कहा कि आज भारत का जलवा पूरी दुनिया में कायम है। भारत का किसान समृद्ध हो और नई नई तकनीक के साथ खेती किसानी को आगे बढ़ाएं इस मंशा के साथ मोदी जी नित नई योजना लेकर आ रहे हैं। आज कृषि उत्पादन के क्षेत्र में भी अन्नदाता किसानों की बदौलत भारत कीर्तिमान रच रहा है। किसानों के सशक्तिकरण और उनको आत्मनिर्भर बनाने के लिए मोदी सरकार ने नौ वर्षों में जितने कार्य किए हैं, उतने पहले कभी नहीं हुए। मोदी सरकार की कृषि हितैषी योजनाएं आज किसानों की असली शक्ति बनी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार किसान हितैषी निर्णय लेते रहते हैं इसीलिए देश के किसानों का विश्वास मोदी जी पर पूर्णत: बना हुआ है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में चारों गांव के किसान मौजूद थे।

कन्हैयालाल हत्याकांड : मुख्य गवाह की पुत्री के विवाह में मदद करेंगी पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे

उदयपुर (हिंस)। उदयपुर में एक साल पहले सर तन से जुदा वाली जिहादी मानसिकता का शिकार हुए कन्हैयालाल तेली मामला फिर जोर पकड़ता जा रहा है। एक साल गुजर जाने के बाद भी दोषियों को सजा नहीं होने पर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। इस बीच, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे शुक्रवार को केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह की उदयपुर में जनसभा के बाद यहीं पर रुकीं और शनिवार सुबह कन्हैयालाल हत्याकांड के मुख्य गवाह राजकुमार शर्मा के हालात जानने गई। शनिवार सुबह मावली विधायक धर्मनारायण जोशी, उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा के साथ पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे रावजी का हाटा में बाबेलों की सेहरी स्थित राजकुमार शर्मा के घर पहुंचीं। वे वहां बैटरी वाले ऑटो में बैठकर पहुंचीं। वहां बजरंग दल के रविकांत त्रिपाठी व अन्य ने शर्मा की आर्थिक व पारिवारिक सुरक्षा की स्थिति बताते

हुए पूर्व मुख्यमंत्री के समक्ष चिंता व्यक्त की। पूर्व मुख्यमंत्री ने परिवार को मुआवजा दिलवाने का आश्वासन दिया है, साथ ही उनकी पुत्री के विवाह में भी मदद का भरोसा दिलाया है। वसुंधरा ने मीडिया को बयान दिया कि वे उनकी तबीयत पूछने आई थीं और यह देखने आई थीं कि सरकार ने उनकी क्या मदद की है। उन्होंने बताया कि परिवार को जो भी मदद की जरूरत होगी, की जाएगी। गौरतलब है कि राजकुमार शर्मा इस हत्याकांड के बाद से ही अस्वस्थ हैं और उनके घर के आर्थिक हालात भी बदतर हो चुके हैं। उनकी पुत्री का विवाह भी खटाई में पड़ गया है।

आकाशीय बिजली से अलर्ट करेगा दामिनी एप

फरीदाबाद (हिंस)। हरियाणा सरकार द्वारा प्राकृतिक आपदाओं से बचाव के लिए अनेकों प्रयास किए जाते हैं। इसी प्रयास के तहत जनहित में लाइटनिंग एप विकसित की गई है, जिसके माध्यम से बिजली गिरने जैसी प्राकृतिक आपदाओं का पहले से अंदाजा लगाकर इससे होने वाली हानि को कम किया जा सकता है। यह एप प्ले स्टोर पर दामिनी लाइटनिंग अलर्ट एप नाम से उपलब्ध है, जिसे डाउनलोड करके आसानी से उपयोग किया जा सकता है। गौरतलब है कि आकाशीय बिजली जैसी प्राकृतिक आपदा को टाला नहीं जा सकता, लेकिन समय रहते सटीक पूर्वानुमान से इससे होने वाली जन, पशु व धन की हानि को काफी कम किया जा सकता है। ऐसी आपदाओं में पीड़ितों की मदद करने वाली आपदा पूर्व सटीक पूर्वानुमान से हानि को कम करने पर है जन हानि रोकने के लिए सरकार दामिनी एप का प्रचार-प्रसार करने के साथ ही लाइटनिंग सेफ्टी प्रोग्राम कर रही है। आकाशीय बिजली से होने वाली मौतों को रोकने के लिए सरकार कई अन्य तरह की पहल पर भी तेजी से काम कर रही है। आकाशीय बिजली से बचाव के संबंध में देश के वैज्ञानिकों द्वारा तैयार की गई तकनीक उपलब्ध है। इस

तकनीक का उपयोग कर आकाशीय बिजली की आशंका वाले क्षेत्रों के नागरिकों को पहले से सतर्क कर उनकी जीवन रक्षा की जा सकती है। इसी तकनीकी के तहत दामिनी एप विकसित किया गया है। सरकार इस मोबाइल एप के प्रति लगातार लोगों को जागरूक कर रही है दामिनी मोबाइल एप से समय रहते लोगों को क्षेत्रवार आकाशीय बिजली गिरने के बारे में जानकारी मिल जाएगी और लोग उन स्थानों पर खुद जाने से और पशुओं को जाने से रोक लेंगे। साथ ही वहां कोई सामान होने की दशा में उसे समय रहते हटा देंगे। इसको और बेहतर करने के लिए सरकार लाइटनिंग सेफ्टी प्रोग्राम विकसित करने में जुटी है। इसी क्रम में जिला स्तरीय इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटरों का सुदृढ़ीकरण का काम चल रहा है। इसके साथ ही आकाशीय बिजली से बचाव के तरीकों के प्रचार-प्रसार पर भी ध्यान देकर हानि को रोका जाएगा।

जीप बस में जोरदार भिडंत में चार की मौत आधा दर्जन घायल

जोधपुर (हिंस)। शहर के निकटवर्ती बालोतरा नेशनल हाईवे भांडूकलां गांव के समीप शनिवार की दोपहर में निजी बस और जीप में जोरदार भिड़ंत में चार लोगों की मौत हो गई। जबकि हादसे में आधा दर्जन लोग घायल हुए है। घायलों को उपचार के लिए एमडीएम अस्पताल भेजा गया है। मरने वाले ज्यादा 60-70 साल के है। लूणी पुलिस मौके पर पहुंची है। फिलहाल पुलिस की तरफ से कार्रवाई जारी है। पुलिस के अनुसार जोधपुर-बालोतरा नेशनल हाईवे पर शनिवार की दोपहर में भीषण सड़क हादसा हुआ। भांडु-नारनाड़ी के बीच बस और जीप की आमने सामने भिड़ंत में चार लोगों की मौत हो गई। इसमें देवाराम, नवलाराम, त्रिलोक राम, दलाराम की मौत होना बताया गया है। मृतक व घायल बासनी सिलावटान के रहने वाले बताए जाते है।

अनुराग वर्मा ने पंजाब के 42वें मुख्य सचिव के तौर पर संभाला पद

चंडीगढ़ (हिंस)। वर्ष 1993 बैच के आईएएस अधिकारी अनुराग वर्मा ने शनिवार को पंजाब के 42वें मुख्य सचिव के तौर पर कार्यभार संभाला। उन्होंने आज नया पद पंजाब सिविल सचिवालय में मुख्य सचिव के तौर पर सेवानिवृत्त हुए विजय कुमार जंजुआ और सीनियर सिविल अधिकारियों की उपस्थिति में कामकाज संभाला। पटियाला में अध्यापक परिवार में पैदा हुए वर्मा के पास मुख्य सचिव के मौजूदा पद के अलावा प्रमुख सचिव परसोनल और विजिलेंस का अतिरिक्त चार्ज भी रहेगा। आज उनके पद संभालने के अवसर पर उपस्थित सीनियर अधिकारियों में डीके तिवाड़ी, कुमार राहुल, मालविंदर सिंह जग्गी, विपुल उज्जवल, रामवीर, सोनाली गिरि, ईशा कालिया, गोरी पराशर जोशी, पुनीत गोयल, भुपिन्दर सिंह, नीरू कतियाल गुप्ता और सुखजीत पाल सिंह भी शामिल थे। नए मुख्य सचिव के तौर पर पद संभालने के बाद बातचीत में अनुराग वर्मा ने कहा कि मुख्य मंत्री भगवंत मान के नेतृत्व में स्वास्थ्य, शिक्षा और राज्य के सर्वपक्षीय विकास पर ध्यान केंद्रित करने के अलावा राज्य के लोगों को साढ़, प्रभावशाली, जवाबदेही और पारदर्शी प्रशासकीय सेवाएं मुहैया

करवाना उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि नई जिम्मेदारी को वह लगन, मेहनत, दृढ़ता के साथ निभाते हुए राज्य सरकार की तरफ से शुरू की लोक कल्याण की योजनाओं को निचले स्तर पर लागू करने पर जोर देंगे। गौरतलब है कि वर्मा का पैतृक गांव पटियाला जिले में चलैला है। थापर कालेज पटियाला से इलेक्ट्रॉनिकस और कम्युनिकेशन की इंजीनियरिंग की डिग्री के गोल्ड मैडलिस्ट वर्मा ने 1993 में यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा में देश भर में सातवां स्थान प्राप्त किया था। मुख्यालय में अलग- अलग सेवाएं निभाने से पहले फील्ड पोस्टिंग के दौरान वर्मा ने बठिंडा, लुधियाना और जालंधर जैसे अहम जिलों के डिप्टी कमिश्नर के तौर पर बढ़िया और कुशल भरपूर सेवाएं निभाईं।

दरबार साहिब में नतमस्तक हुए राघव चड्ढा व परणीति चोपड़ा

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब से राज्य सभा सांसद राघव चड्ढा तथा उनकी होने वाली धर्मपत्नी एवं बालीवुड अभिनेत्री परणीति चोपड़ा शनिवार की सुबह अमृतसर स्थित दरबार साहिब में माथा टेकने पहुंचे। राघव चड्ढा व परिणीति चोपड़ा दोनों दिल्ली से देर रात अमृतसर पहुंचे। सुबह तकरीबन पांच बजे से पहले ही दोनों दरबार साहिब पहुंच गए। परिणीति चोपड़ा जहां ऑफ ह्वाइट क्रीमिश सूट में दिखीं, वहीं राघव कुर्ता-पायजामा व स्लीवलेस जैकेट पहने दिखे। दोनों ने इस दौरान मीडिया से दूरी बनाए रखी। उन्होंने गोल्डन टेंपल की परिक्रमा की और गुरुघर में माथा भी टेका। राघव चड्ढा व परणीति चोपड़ा की सगाई हो चुकी है। इसी सगाई की रस्म में शामिल होने के बाद अकाल तख्त साहिब के पूर्व जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह विवादों में घिरे थे और उन्हें अपना पद तक छोड़ना पड़ गया था।

मंदिर के पास भैंस के अवशेष डालने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद (हिंस)। फरीदाबाद-गुरुग्राम रोड स्थित हनुमान मंदिर के पास भैंस के अवशेष डालकर धार्मिक भावनाओं को आहत करने के मामले में पुलिस ने शनिवार को दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामले में शामिल अन्य आरोपियों की जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में ओबिरुल तथा नदीम का नाम शामिल हैं। दोनों ही आरोपी बढ़कर गांव के रहने वाले हैं। आरोपी ओबिरुल (20) कूड़ा बीनने व मृत पशुओं के अवशेष का काम करता है तथा आरोपी नदीम (24) कसाई का काम करता है। बता दें कि घटना शुक्रवार की है। हनुमान मंदिर के पास मृत पशुओं के अवशेष की सूचना मिलने पर तुरंत डीसीपी एनआईटी नरेंद्र कादियान व एसीपी एनआईटी और एसीपी क्राइम अपनी टीम के साथ मौके

पर पहुंचे और निरीक्षण किया गया। मौके पर ही डॉक्टर को बुला कर मीट के अवशेष को चेक कराया गया। कल हनुमान मंदिर में दर्शन करने आए श्रद्धालु की शिकायत पर थाना डबरा में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज करके क्राइम ब्रांच को तुरंत आरोपी की धरपकड़ के निर्देश दिए गए थे। शिकायतकर्ता ने बताया कि दर्शन करने के लिए गुड़गांव-फरीदाबाद रोड पर स्थित हनुमान मंदिर गया था जहां पर मंदिर से करीब 30 मीटर की दूरी पर ही पशुओं के कटे हुए अवशेष तथा रक्त व मल मूत्र पड़े हुए थे। शिकायत के आधार पर आरोपियों के खिलाफ धार्मिक भावनाओं को आहत करने की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। मौके पर एफएसएल की टीम को बुलाकर चेक करवाया गया तो वह अवशेष भैंस के पाए गए। कानूनी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने उक्त दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि कूड़ा बीनने वाला आरोपी यहां पर भैंसों के अवशेष को फेंक कर चला गया था। पुलिस द्वारा मामले में जांच जारी है और इसमें शामिल अन्य आरोपियों की धरपकड़ करके उन्हें भी जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। डीसीपी क्राईम ने कहा कि सोशल मीडिया पर गौ मांस के नाम पर अफवाह फैलाई जा रही है, जिससे धार्मिक भावनाएं आहत होती हैं और सामाजिक भाईचारा खराब होता है। गोमांस के नाम पर अफवाह फैलाकर भड़काऊ भाषण देने वाले आरोपियों के खिलाफ भी कानून के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। आमजन से अनुरोध है कि वह अफवाहों पर ध्यान न दें और शांति व्यवस्था कायम रखने में पुलिस का सहयोग करें।

गुरुपूर्णिमा कल : पूर्व संध्या पर कई जगहों पर भजन संध्याएं आयोजित

जोधपुर (हिंस)। शहर में गुरुपूर्णिमा का पर्व 3 जुलाई को मनाया जाएगा। शहर भर में गुरुपूर्णिमा पर कई कार्यक्रमों का आयोजन होगा। गुरुपूर्णिमा की पूर्व संध्या पर भी कई कार्यक्रम होंगे। कई जगहों पर भजन कीर्तन के साथ प्रसादी होगी। शहर के साईधाम में भी भजन संध्या का आयोजन होगा। साईं धाम मंदिर मोतीबा नगर पाल रोड स्थित में गुरु पूर्णिमा की पूर्व संध्या पर भजन संध्या का भव्य आयोजन 2 जुलाई को शाम 7.30 बजे अजनेश्वर धाम गादीपति शांतेश्वर महाराज के सानिध्य में होगा।

पंजाब : हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लागू

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब में सरकार ने शनिवार से राज्य में हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लागू कर दी है। प्रदेश में आज सभी जगह पुलिस नाकाबंदी करके वाहनों की जांच कर रही है। राज्य सरकार ने लोगों को वाहनों पर हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगवाने के लिए 30 जून तक का समय दिया था। पंजाब में अब बगैर हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट वाहन चलाते हुए पकड़े जाने पर पहली बार में दो हजार रुपए जुर्माना होगा तो दूसरी पकड़े जाने पर तीन हजार रुपए जुर्माना होगा। अगर कोई वाहन चालक तीसरी बार पकड़ा जाता है तो उसका नंबर ब्लैकलिस्ट कर दिया जाएगा। शनिवार को पंजाब पुलिस ने प्रदेश के सभी जिलों में अभियान चलाकर बगैर हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट वाहनों के चालान किए।

थाली नाद कर कुंभकरणीय नींद में सो रही प्रदेश सरकार को जगाएंगी महिलाएं : विजया राहटकर

जयपुर (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश सह- प्रभारी विजया राहटकर ने कहा कि प्रदेश में व्याप्त जंगलराज, भ्रष्टाचार और महिला अत्याचार चरम पर है। महिलाओं के खिलाफ अपराधों में राजस्थान एक नंबर पर है। वीरांगनाओं की धरती पर महिलाओं के खिलाफ इतनी दयनीय स्थिति किसी से छिपी नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के खिलाफ महिला मोर्चा की कार्यकर्ता पांच जुलाई को विरोध प्रदर्शन करेगी। इस दौरान थाली नाद कर कुंभकरणीय नींद में सो रही प्रदेश सरकार को जगाया जाएगा।

राहटकर शनिवार को भाजपा प्रदेश मुख्यालय पर महिला मोर्चा की बैठक को संबोधित कर रही थी। उन्होंने पांच जुलाई को होने वाले प्रदर्शन की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने बीकानेर के खाजूवाला घटना का जिक्र करते हुए कहा कि पुलिस को सुरक्षा का जिम्मा दिया गया है, लेकिन जब रक्षक ही भक्षक बन जाए तो किससे सुरक्षा की उम्मीद की जाए। डूंगरपुर में प्रिंसीपल द्वारा 12 बच्चियों से यौन दुराचार और छेड़छाड़ की घटनाओं ने प्रदेश को शर्मसार किया है। इन सभी घटनाओं को लेकर प्रदेशभर की महिलाओं में रोष व्याप्त है। इस अवसर पर राष्ट्रीय मंत्री अल्का गुर्जर, महिला मोर्चा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पूजा कपिल मिश्रा, प्रदेश भाजपा महामंत्री एंव सांसद दीया कुमारी, सांसद जसकौर मीणा, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष चंद्रकांता मेघवाल, विधायक अनिता भदेल, जयपुर शहर जिलाध्यक्ष अनुराधा माहेश्वरी और जिला प्रमुख रमा चौपडा सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रही

हिंदू मैरिज एक्ट में बदलाव को लेकर खाप पंचायतों ने सीएम को भेजा सुझाव

जींद (हिंस)। सर्वजातीय कंडेला खाप के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सर्व खाप के राष्ट्रीय संयोजक टेकराम कंडेला ने हिंदू मैरिज एक्ट में बदलाव को लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री को खाप पंचायतों ने अपने सुझाव भेजे हैं। कंडेला के आवास पर आयोजित बैठक के बाद कंडेला ने कहा कि लंबे कई सालों से उत्तर भारत की खाप पंचायतें एक गांव में और एक गोत्र में तथा सीमा लगते गांव में शादी करने पर रोक लगाने की मांग कर रही है। उन्होंने कहा कि गांव और गोत्र में भाई-बहन का रिश्ता होता है, कानून इसे मान्यता देता है, लेकिन समाज इसे मान्यता नहीं देता। इस तरह के मामलों से भाईचारा खराब होता है। उन्होंने कहा है कि हिंदू मैरिज एक्ट में बदलाव किया जाए। इस मांग को लेकर पिछली और आज तक की सभी सरकारों को प्रस्ताव भेज चुके हैं, लेकिन अभी तक इस एक्ट में कोई बदलाव नहीं हुआ है। लड़का और लड़की की शादी माता-पिता की सहमति पर होनी चाहिए ताकि समाज में बुराइयों को खत्म किया जा सके और जो अपने बच्चों को छोड़कर लिव इन रिलेशन में रहते हैं उन पर भी सरकार को कार्रवाई करनी चाहिए। अपने ही गोत्र में शादी करने से संतान कमजोर पैदा होती है, क्योंकि उनका खून का रिश्ता है।

पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने दस हजार रुपए रिश्वत लेते एएसआई को दबोचा

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने फिरोजपुर जिले के सिटी जीरा में तैनात सहायक सब इंस्पेक्टर (एएसआई) गुरदीप सिंह को दस हजार रुपए की रिश्वत लेने के आरोप में धर दबोचा है। वह संजीव कुमार, निवासी जीरा (डाबन गन हाउस के मालिक) की शिकायत पर गिरफ्तार किया गया है। ब्यूरो के प्रवक्ता ने शनिवार को बताया कि शिकायतकर्ता संजीव कुमार ने विजिलेंस ब्यूरो के थाना फिरोजपुर रेंज में शिकायत दर्ज कराई थी कि आरोपित एएसआई ने 26 अगस्त, 2021 को सिटी थाना जीरा में दर्ज हुए विवाद के मामले में उसकी और

उसके परिवार के सदस्यों की मदद करने के बदले में दस हजार रुपए की रिश्वत की मांग की थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि उक्त एएसआई ने 23 जून को उसके भाई राजीव कुमार उर्फ मोनू की जमानत दिलाने के लिए 5000 रुपए की रिश्वत ली थी और अब 10,000 रुपए की और मांग कर रहा है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उक्त एएसआई पहले 60 हजार रुपए रिश्वत ले चुका है। शिकायत की प्रारंभिक जांच के बाद विजिलेंस ब्यूरो की टीम ने ट्रैप लगाकर उक्त एएसआई को दो सरकारी गवाहों की उपस्थिति में शिकायतकर्ता से दस हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए मौके पर ही काबू कर लिया।

बरवाला रैली में भीड़ नहीं जुटा पाई भाजपा : वजीर पूनिया

हिसार (हिंस)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता वजीर सिंह पूनिया ने बरवाला में हुई भाजपा रैली को पूरी तरह से फ्लॉप बताया है। उन्होंने कहा कि रैली स्थल पर कुर्सियां लगाकर व बड़ी डी बनाकर सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग के सहारे भीड़ दिखाने के प्रयास में भी भाजपा सफल नहीं हो पाई, जिससे साबित होता है कि जनता ने अब भाजपा को चलता करने की ठान ली है। यह बात उन्होंने शनिवार को जारी बयान में कही। वजीर सिंह पूनिया ने शनिवार को कहा कि झूठे वादों व जुमलों के सहारे देश की जनता को बरगलाकर सत्ता हथियाने वाली भाजपा के झूठ का गुब्बारा अब फट चुका है। अब जनता इनके बहकावे में आने वाली नहीं है।

विश्व डॉक्टर डे पर चिकित्सकों का किया सम्मान

झालावाड़ (हिंस)। विधानसभा चुनाव में अधिक से अधिक मतदाताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए जागरुकता कार्यक्रमों की श्रृंखला में विश्व डॉक्टर्स डे के अवसर पर शनिवार सुबह मेडिकल कॉलेज से मिनी सचिवालय तक मतदाता जागरुकता साइकिल रैली निकाली। अस्पताल परिसर में जिला कलेक्टर आलोक रंजन ने सभी को डॉक्टर्स डे की बधाई देते हुए रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इससे पहले उन्होंने साइकिलिंग करने वाले दो दर्जन लोगों से बातचीत कर उनसे जानकारी भी ली। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जीएम सैयद, अस्पताल अधीक्षक डॉक्टर संजय पोरवाल, जनाना अस्पताल अधीक्षक डॉ. राधेश्याम मैहर,

डॉ. आर के मीणा, डॉ. आशुतोष, डॉ. सुमित हाड़ा, वाटरसेड एक्सईएन जीतमल नगर, प्रभु एरवाल मौजूद रहे। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय झालावाड़ पर भी नेशनल डॉक्टर्स डे मनाया। ब्रह्माकुमारी केंद्र पर आमंत्रित डॉक्टर अशोक पाटीदार, धर्मराज, लक्ष्मीकांत, अंजलि, ललित शर्मा, मंजू अग्रवाल, पंकज गुप्ता, कौशल,डॉ. रश्मि गुप्ता, राजेंद्र नागर धर्मराज व ब्रह्माकुमारी मीना ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर डॉ. मंजू अग्रवाल ने कहा कि हम अपने जीवन में अच्छाइयों को भरते जाएंगे तो बुराइयां अपने आप ही बाहर निकल जाएगी। मनोचिकित्सक डॉ. रश्मि गुप्ता ने कहा कि रोगियों को अपनी बीमारी का धैर्य पूर्वक इलाज कराना चाहिए। ब्रह्माकुमारी मीना ने कहा कि सभी को अपने शरीर को स्वस्थ रखने के साथ-साथ मन को भी मानसिक रूप से मजबूत बनाना चाहिए और इसके लिए ब्रम्हाकुमारी केंद्र पर आकर योग मेडिटेशन करना चाहिए।

3 ट्रिलियन मार्केट–कैप वाली दुनिया की पहली कंपनी बनी एपल: कंपनी का स्टॉक करीब 194 डॉलर का हुआ, इस साल अब तक 55प्रतिशत चढ़ा शेयर

कैलिफोर्निया।
अमेरिका की मल्टीनेशनल टेक्नोलॉजी कंपनी एपल का शेयर शुक्रवार को नए रिकॉर्ड हाई पर पहुंच गया। 30 जून को एपल का शेयर 4.38 डॉलर यानी 2.31प्रतिशत बढ़कर 193.97 डॉलर पर बंद हुआ। यह एपल के शेयर का ऑल टाइम क्लोजिंग हाई है। 3 ट्रिलियन डॉलर का आंकड़ा पार करने वाली दुनिया की पहली कंपनी बनी एपल का मार्केट कैप भी पहली बार 3 ट्रिलियन डॉलर (3.05 ट्रिलियन डॉलर) के पार पहुंच गया है। इसके साथ ही एपल यह आंकड़ा पार करने वाली दुनिया की पहली कंपनी भी बन गई है। इतना ही नहीं ट्रेडिंग सेशन के दौरान एपल के शेयर ने 194.48 डॉलर का नया ऑल टाइम हाई और 52 वीक हाई भी बनाया।

एपल के बाद माइक्रोसॉफ्ट का मार्केट कैप सबसे ज्यादा

एपल के बाद माइक्रोसॉफ्ट का मार्केट कैप 2.5 ट्रिलियन डॉलर और सऊदी अरामको का 2.08 ट्रिलियन डॉलर है। वहीं अल्फाबेट, अमेजन का मार्केट कैप 1 लाख करोड़ डॉलर से ऊपर है। एपल ने इससे पहले 3 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा के मार्केट कैप के साथ ट्रेडिंग सेशन क्लोज कभी नहीं किया था। वहीं 3 जनवरी 2022 को इंट्रा–डे ट्रेडिंग में एपल का मार्केट कैप 3 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा पहुंच था, लेकिन ट्रेडिंग सेशन क्लोज होने पर उस लेवल के नीचे आ गया था।

दुनिया की सबसे वैल्यूएबल कंपनी एपल के शेयरों में क्यों आई तेजी

दुनिया की सबसे वैल्यूएबल कंपनी एपल के शेयरों में लेटेस्ट बढ़त इस साल वॉल स्ट्रीट की कई टेक्नोलॉजी से जुड़ी दिग्गज कंपनियों के मजबूत रिबाउंड के बाद आई है। फेडरल रिजर्व जल्द ही अमेरिकी ब्याज दरों को कम कर सकता है और आने वाले दिनों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भविष्य अच्छा हो सकता है। यही वजह है कि एपल के शेयरों में तेजी देखने को मिल रही है। 2023 में अब तक एपल के शेयर में 55प्रतिशत की तेजी देखने को मिली 2023 में अब तक एपल के शेयर में 55.09प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। इसी टाइम ड्यूरेशन का शेयर 195.51प्रतिशत बढ़ा है। इसके साथ ही 1–ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा की स्टॉक मार्केट वैल्यू को पार करने वाली पहली चिप मैकर कंपनी भी बन गई है। वहीं इस साल टेस्ला (142.16प्रतिशत) और मेटा (130.06प्रतिशत) का शेयर अब तक दोगुना से भी ज्यादा बढ़ा है। 2023 में माइक्रोसॉफ्ट के शेयर में 42.14प्रतिशत की तेजी आई है। 5 जून को दुनिया का सबसे महंगा हेडसेट एपल विजन प्रो लॉन्च किया एपल ने 5 जून को दुनिया का सबसे महंगा मिक्स्ड रियलिटी हेडसेट एपल विजन प्रो लॉन्च किया था, जिसकी कीमत 2.88 लाख रुपए है।

न्यूज ब्रीफ

15 दिन में घटेंगी टमाटर की कीमतें; अमेरिकी सेब पर आयात शुल्क हटाने से बागवान नाराज

नई दिल्ली । उत्पादन केंद्रों से आपूर्ति बढ़ने से टमाटर की आसमान छूती कीमतें 15 दिन में घट जाएंगी।

खुदरा कीमतें दिल्ली में तुरंत कम होंगी, क्योंकि हिमाचल प्रदेश के सोलन व सिरमौर से टमाटर की आपूर्ति तेज हो गई है। देश के कई हिस्सों में टमाटर की कीमतें 120 रुपये किलो तक पहुंच गई हैं। हालांकि, उपभोक्ता मंत्रालय के अनुसार औसत दाम 56 रुपये किलो है। उपभोक्ता मामलों के सचिव रोहित कुमार सिंह ने कहा, हर साल इस समय टमाटर की कीमतें बढ़ जाती हैं। हर देश में प्रत्येक कृषि उत्पादों का मूल्य मौसम के आधार पर ऊपर नीचे होता है। कम उत्पादन के बीच तुअर दाल की कीमतों पर काबू पाने के लिए भारत चालू वित्त वर्ष में 35 फीसदी या 12 लाख टन अधिक दाल का आयात करेगा उपभोक्ता मामलों के सचिव रोहित कुमार ने कहा, तुअर दाल हमें परेशानी दे रही है। पिछले साल के स्तर की तुलना में इसकी अखिल भारतीय औसत खुदरा कीमत 25 फीसदी बढ़कर 128.66 रुपये प्रति किलोग्राम है। आयात शुरू होने के बाद यह कम होने लगेगी। केंद्र ने अमेरिका से आयात होने वाले सेब पर आयात शुल्क में 20 फीसदी की कटौती की है। इससे सेब उत्पादन में अग्रणी हिमाचल व जम्मू–कश्मीर के बागवानों में नाराजगी है। इनका कहना है कि शुल्क में कटौती से देसी सेबों के दामों में भारी गिरावट आएगी। हिमाचल व जम्मू–कश्मीर के बागवान सरकार से विदेशी सेब के आयात शुल्क को दोगुना करने की मांग कर रहे थे। हिमाचल के बागवानों ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू से यह मुद्दा केंद्र के समक्ष उठाने को की मांग की है।मुख्यमंत्री ने मुद्दे को केंद्र के समक्ष उठाने का आश्वासन दिया है।बागवानों का कहना है कि चार साल पहले केंद्र सरकार ने जब आयात शुल्क में बढ़ोतरी की थी, तब विदेशी सेब की आवक कम हो गई थी।

जून 2023 में हुआ रिकॉर्ड जीएसटी कलेक्शन, 12 प्रतिशत की वृद्धि के साथ मिले 1.61 लाख करोड़ रुपये

नई दिल्ली । जून 2023 में रिकॉर्ड जीएसटी कलेक्शन हुआ है। वित्त मंत्रालय ने बताया कि जून 2023 में कुल 1,61,497 करोड़ रुपए का जीएसटी कलेक्शन हुआ है। इसमें बीते साल जून के मुकाबले 12 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। वित्त मंत्रालय ने बताया कि देश में जीएसटी लागू होने के बाद चौथी बार है जब जीएसटी कलेक्शन 1.60 लाख करोड़ रुपए के पार गया है। जीएसटी एक जुलाई 2017 को लागू किया गया था। वित्तीय वर्ष 2021-22, 2022-23 और 2023-24 की पहली तिमाही में औसत मासिक जीएसटी कलेक्शन क्रमशः 1.10 लाख करोड़, 1.51 लाख करोड़ और 1.69 लाख करोड़ रुपए रहा। इससे साफ है कि जीएसटी कलेक्शन में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। बयान के अनुसार, जून 2023 में कुल जीएसटी कलेक्शन 1,69,497 करोड़ रुपए रहा, जिसमें से सेंट्रल जीएसटी 31,013 करोड़ रुपए, स्टेट जीएसटी 38,292 करोड़ रुपए रहा। वहीं इंटीग्रेटिड जीएसटी 80,292 करोड़ रुपए रहा। इसमें 39,035 करोड़ रुपए आयात पर लगने वाले जीएसटी से मिले हैं। वहीं सेस 11,900 करोड़ भी इसमें शामिल हैं। जून 2023 में जीएसटी राजस्व बीते साल जून में मिले जीएसटी राजस्व के मुकाबले 12 प्रतिशत ज्यादा है।

सरकार पर बढ़ा बाहरी कर्ज, विदेशी मुद्रा और सोने के भंडार में गिरावट

नई दिल्ली । सरकार पर बाहरी कर्ज 2022-23 के दौरान 5.6 अरब डॉलर से बढ़कर 624.7 अरब डॉलर

पहुंच गया।हालांकि, जीडीपी और कर्ज के अनुपात में गिरावट आई है। आरबीआई के शुक्रवार के आंकड़ों के मुताबिक, 2021-22 में सरकार पर कुल 619.1 अरब डॉलर का बाहरी कर्ज था।पिछले वित्त वर्ष में जीडीपी और कर्ज का अनुपात 18.9 फीसदी रह गया, जो 2021-22 में 20 फीसदी रहा था। उधर, केंद्र का राजकोषीय घाटा मई अंत में 2023-24 के पूरे साल के बजट अनुमान का 11.8 फीसदी रहा। पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 2022-23 के बजट अनुमान का 12.3 फीसदी रहा था। राजकोषीय घाटे से संकेत मिलता है कि सरकार को कुल कितने कर्ज की जरूरत है। लेखा महानियंत्रक के आंकड़ों के मुताबिक, वास्तविक घाटा मई अंत में 2,10,287 करोड़ रुपये रहा। बजट में राजकोषीय घाटे को जीडीपी के 5.9 फीसदी पर लाने का लक्ष्य रखा गया है। 2022-23 में यह 6.4 फीसदी रहा था।

पहली होम फाइनेंस कंपनी एचडीएफसी का वजूद खत्म

एचडीएफसी बैंक में मर्जर हुआ, यह दुनिया का चौथा सबसे बड़ा बैंक बना

नई दिल्ली।
हाउसिंग डेवलपमेंट फाइनेंस कॉर्पोरेशन और एचडीएफसी बैंक 1 जुलाई को मर्ज हो गए। दोनों कंपनियों के बोर्ड ने शुक्रवार को मार्केट बंद होने के बाद मीटिंग में इस मर्जर को आखिरी मंजूरी दी थी। इसके साथ ही देश की पहली होम फाइनेंस कंपनी एचडीएफसी का अस्तित्व खत्म हो गया है।

एचडीएफसी बैंक ने ट्वीट कर कहा, भारत का नंबर वन प्राइवेट सेक्टर बैंक और भारत की नंबर वन होम लोन कंपनी के मर्जर के साथ हम दुनिया के लीडिंग फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन में शामिल हो गए हैं। इस अवसर पर हम उन लोगों की सेवा करने के लिए खुद को फिर से समर्पित करते हैं, जिन्होंने इस मील के पत्थर को संभव बनाया है- आप, हमारे ग्राहक।

4 अप्रैल 2022 को मर्जर की हुई थी घोषणा

एचडीएफसी और एचडीएफसी बैंक ने 4 अप्रैल 2022 को मर्जर की घोषणा की थी। मर्जर का मकसद एचडीएफसी बैंक की ज्यादा से ज्यादा ब्रांचेज में हाउसिंग लोन उपलब्ध कराना है। उधर, मर्जर से पहले एचडीएफसी के वाइस चेयरमैन और सीईओ केकी मिस्त्री ने बताया था कि एचडीएफसी के शेयर की डीलिस्टिंग 13 जुलाई से इफेक्टिव हो जाएगी। यानी इस तारीख से हाउसिंग फाइनेंस कंपनी के शेयर स्टॉक एक्सचेंज से हट जाएंगे। संयुक्त कंपनी के शेयर 17 जुलाई से ट्रेड होंगे।

1. शेयरधारकों पर क्या असर होगा

एचडीएफसी लिमिटेड और एचडीएफसी बैंक के विलय के तहत निवेशकों को एचडीएफसी के 25 शेयर्स के बदले एचडीएफसी बैंक के 42 शेयर्स दिए जाएंगे। यानी अगर आपके पास एचडीएफसी लिमिटेड के 10 शेयर हैं तो मर्जर के तहत आपको 17 शेयर मिलेंगे।

2. कर्मचारियों पर क्या प्रभाव पड़ेगा

मर्जर का दोनों कंपनियों के कर्मचारियों पर कोई खास असर नहीं पड़ेगा। मर्जर से पहले ग्रुप के चेयरमैन ने कहा था कि कंपनी में कर्मचारियों की कटौती नहीं होगी। एचडीएफसी बैंक को हमारे लोगों की जरूरत है। इसके साथ ही कर्मचारियों के वेतन में किसी भी प्रकार की कमी या कटौती भी नहीं की जाएगी।

3. सभी एचडीएफसी बैंक के ब्रांच में मिलेंगी एचडीएफसी की सेवाएं

अब एचडीएफसी बैंक के ब्रांच में एचडीएफसी की सभी सेवाएं मिलेंगी। अगर किसी कस्टमर ने एचडीएफसी से लोन लिया है तो वह अब एचडीएफसी बैंक का कस्टमर बन गया है। लोन लेने वाले सभी मौजूदा ग्राहक नियम और शर्तों के आधार पर अपनी ईएमआई चुकाते रहेंगे।

4. पहले की तरह बैंकिंग कस्टमर्स को मिलती रहेंगी सुविधाएं

एचडीएफसी बैंक के कस्टमर्स को पहले की तरह बैंकिंग सुविधाएं मिलती रहेंगी। बैंकिंग सुविधाओं में किसी भी तरह का बदलाव नहीं दिखेगा।

5. एचडीएफसी और एचडीएफसी बैंक में क्या अंतर है

एचडीएफसी एक हाउसिंग फाइनेंस कंपनी है जो घर और दुकान सहित अन्य प्रॉपर्टी खरीदने के लिए लोन देती है। वहीं एचडीएफसी बैंक में बैंकिंग से संबंधित सारे काम होते हैं- जैसे सभी तरह के लोन, अकाउंट खुलवाना या एफडी करना, मनी ट्रांजैक्शन आदि।

क्यों हुआ ये मर्जर

कंपनी के अनुसार, सरकारी बैंकों और न्यू–एज फिनटेक कंपनियों से बढ़ते कॉम्पिटिशन के बीच इस मर्जर की जरूरत पहले से महसूस की जा रही थी। मैनेजमेंट ने इस बात पर दांव लगाया है कि विलय से बनने वाली सिंगल यूनिट की बैलेंस शीट बहुत बड़ी होगी, जिससे बाजार में होड़ करने का दमखम बढ़ेगा। यह विलय एचडीएफसी लिमिटेड के लिए ज्यादा प्रॉफिटेबल हो सकता है, क्योंकि इसका बिजनेस कम प्रॉफिटेबल है। एचडीएफसी बैंक के लिहाज से देखें तो इस विलय से यह अपना लोन पोर्टफोलियो मजबूत कर सकेगा। यह ज्यादा लोगों को अपने प्रोडक्ट्स ऑफर कर सकेगा।

ये बराबरी का विलय

एचडीएफसी लिमिटेड के चेयरमैन दीपक पारेख ने कहा था कि यह बराबरी का विलय है। हमारा मानना है कि रेरा के लागू होने, हाउसिंग सेक्टर को इन्फ्रास्ट्रक्चर का दर्जा मिलने, अफोर्डेबल हाउसिंग को लेकर सरकार की पहल जैसे तमाम दूसरी चीजों के कारण हाउसिंग फाइनेंस बिजनेस में बड़ी तेजी आएगी। दीपक पारेख ने आगे कहा था कि पिछले कुछ साल में बैंकों और एनबीएफसी के कई रेगुलेशन बेहतर बनाए गए हैं। इससे विलय की संभावना बनी। इससे बड़ी बैलेंस शीट को बड़े इन्फ्रास्ट्रक्चर लोन के इंतजाम का मौका मिला। साथ ही इकोनॉमी की क्रेडिट ग्रोथ बढ़ी। अफोर्डेबल हाउसिंग को बढ़ावा मिला और कृषि सहित सभी प्रायोरिटी सेक्टर को पहले से ज्यादा कर्ज दिया गया।

वॉट्सऐप का क्यूआर बेस्ड चैट ट्रांसफर फीचर रोलआउट

क्यूआर -कोड स्कैन कर एक फोन से दूसरे फोन में चैट ट्रांसफर कर सकेंगे यूजर्स

नई दिल्ली।
इंस्टेंट मैसेजिंग ऐप वॉट्सऐप ने चैट ट्रांसफर फीचर रोलआउट कर दिया है। इसके जरिए यूजर्स क्यूआर स्कैन करके एक डिवाइस से दूसरे डिवाइस में चैट ट्रांसफर कर सकेंगे।वॉट्सऐप की पेरेंट कंपनी मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने इस नए फीचर की जानकारी दी है। उन्होंने लिखा,यदि आप अपनी वॉट्सऐप चैट को एक नए फोन पर ले जाना चाहते हैं, तो अब आप चैट को क्लाउड पर अपलोड किए बिना एक से दूसरे डिवाइस पर शेयर कर पाएंगे। कैसे काम करेगा क्यूआर बेस्ड चैट ट्रांसफर फीचर वॉट्सऐप का क्यूआर बेस्ड चैट ट्रांसफर फीचर लोकल वाईफाई कनेक्शन पर काम करता है। वॉट्सऐप का कहना है कि यूजर्स ऐप से बाहर निकले बिना अपनी पूरी चैट और मीडिया फाइल को ट्रांसफर कर सकते हैं। इस फीचर के जरिए चैट ट्रांसफर कैसे करें सबसे पहले नए फोन में वॉट्सऐप को डाउनलोड कर लें, साथ ही दोनों फोन में वायफाय और लोकेशन ऑन करें लें। इसके बाद नए फोन में सेम नंबर से वॉट्सऐप में रजिस्टर करें। अब क्यूआर बेस्ड चैट ट्रांसफर का ऑप्शन दिखाई देगा, जिसके जरिए आप एक डिवाइस से दूसरे डिवाइस पर डेटा और मीडिया फाइल ट्रांसफर कर पाएंगे। कब क्यूआर बेस्ड चैट ट्रांसफर फीचर का यूज नहीं कर पाएंगे यूजर्स क्यूआर बेस्ड चैट ट्रांसफर फीचर तभी काम करेगा जब दोनों फोन में एक ही ऑपरेटिंग सिस्टम पर चलते हों। हालांकि, ऐप यूजर्स आईफोन से एंड्रॉयड डिवाइस भी चैट ट्रांसफर कर सकते हैं, जिसके लिए कंपनी ने चैट मूव फीचर दिया है। इस प्रोसेस के जरिए चैट ट्रांसफर करने से डेटा सेफ रहता है वॉट्सऐप का कहना है कि थर्ड पार्टी ऐप्स और क्लाउड की तुलना में इस फीचर के जरिए डेटा ट्रांसफर करना ज्यादा सेफ रहता है। यह प्रोसेस में डेटा केवल दो डिवाइसों के बीच शेयर होता है ।

एक साल में 2.5 करोड़ बढ़े पंजीकृत निवेशक; अप्रैल को छोड़कर हर माह 20 लाख की वृद्धि

नई दिल्ली।

एक ओर जहां भारतीय शेयर बाजार नई ऊंचाई पर पहुंच गया है, वहीं बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) में पंजीकृत निवेशकों की संख्या भी 13.45 करोड़ के साथ रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है। पिछले साल जुलाई से इस साल अब तक 2.5 करोड़ निवेशक खाते बढ़े हैं।

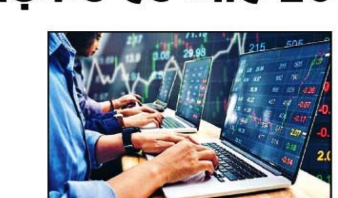

इस साल अप्रैल को छोड़ दें तो हर महीने 20 लाख से ज्यादा खाते खुले हैं। कुल खातों की संख्या अप्रैल 2020 में 4.98 करोड़ थी जो अब 13 करोड़ के पार है। यानी तीन वर्षों में करीब ढाई गुना की बढ़त हुई है। इसी अवधि में बीएसई सेंसेक्स भी 26 हजार से करीब ढाई गुना बढ़कर 64 हजार के पार पहुंच गया है।

22 साल लगे एक करोड़ होने में

बीएसई की शुरुआत 1986 में हुई थी। पहला एक करोड़ खाता का आंकड़ा छूने में 22 साल लगे। 2008 में एक करोड़ का आंकड़ा पहुंचा था। उसके बाद इसमें 14 साल में 11 गुना से ज्यादा की बढ़त आई है।

एक साल में सेंसेक्स का 20 फीसदी का फायदा

एक साल में सेंसेक्स ने 20 फीसदी का रिटर्न दिया है। पिछले साल जून में यह 53,177 पर था जो अब 64 हजार के पार है। पिछले साल जून से अब तक म्यूचुअल फंड ने बाजार में 1.26 लाख करोड़ का निवेश किया जबकि विदेशी निवेशकों ने 1.1 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया है। स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट के सीआईओ अमित पमनानी का कहना है कि भारतीय अर्थव्यवस्था अच्छा प्रदर्शन कर रही है। चौथी तिमाही के कंपनियों के बेहतर परिणाम आए हैं। शेयर बाजार ने सोना, एफडी, म्यूचुअल फंड से अच्छा रिटर्न दिया है।

ऑनलाइन शॉपिंग में ठगी करने वालों को भारत से जाना होगा; सरकार ने कंपनियों को चेताया

नई दिल्ली ।
केंद्र ने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म वाली गूगल, फेसबुक, अमेजन, फ्लिपकार्ट, स्विगी, जोमैटो, ओला और उबर जैसी कंपनियों को चिट्ठी लिखकर ऑनलाइन खरीदारी करने वाले उपभोक्ताओं को डॉर्क पैटर्न की मदद से ठगने से बचने को कहा है। कंपनियों को डॉर्क पैटर्न को लेकर एहतियात बरतने की चेतावनी दी गई है। इस बारे में शुक्रवार से ही उपभोक्ताओं के लिए 1915 हेल्पलाइन और 88000001915 नंबर पर व्हाट्सएप के माध्यम से शिकायत करने का मंच प्रदान किया गया। ऐसा करने वाली कंपनियों पर जुर्माना नहीं, कारावास का प्रावधान होगा और उन्हें भारत से बोरिया-बिस्तर समेटना होगा। उपभोक्ता विभाग के सचिव रोहित कुमार सिंह ने शुक्रवार को कहा कि कंपनियों को प्लेटफॉर्म के इंटरफेस में किसी ऐसे डिजाइन या पैटर्न को शामिल करने में एहतियात बरतना चाहिए, जो उपभोक्ता की पसंद को प्रभावित कर

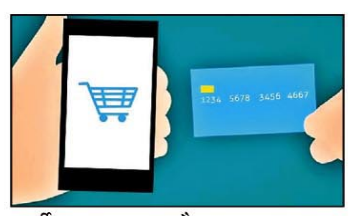

फर्जीवाड़ा कर सकता है।

क्या है डॉर्क पैटर्न

डॉर्क पैटर्न को आसान भाषा में कहें तो जैसे अभी देखने में आता है, टीवी और सोशल मीडिया पर अक्सर जोड़–तोड़ करके वस्तु लेने के लिए प्रेरित करना, झूठी तात्कालिकता पैदा कर (बस कुछ ही घंटे और केवल इतने ही पीस बचे हैं) और दबाव वाले विज्ञापनों की मदद से ऑनलाइन खरीदारी के लिए लोगों को प्रेरित किया जाता है।

वेदांता पर 30 लाख रुपये का जुर्माना

सेबी ने खुलासे से संबंधित बाजार नियमों के उल्लंघन के मामले में वेदांता पर 30 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है।भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने अपने आदेश में कहा कि वेदांता ने सेमीकंडक्टर निर्माण से संबंधित फॉक्सकॉन के साथ भागीदारी की जानकारी अपनी वेबसाइट पर डाली थी।लेकिन, वेदांता ने इस मामले में मीडिया के सवालों का जवाब नहीं दिया।

आरआईएल की कंपनी पर 7 लाख जुर्माना

सेबी ने रिलायंस इंडस्ट्रीज लि. (आरआईएल) की कंपनी रिलायंस स्ट्रेटेजिक इन्वेस्टमेंट पर शेयरों के हेराफेरी के मामले में 7 लाख का जुर्माना लगाया है। सेबी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।इसके मुताबिक, इस रकम का 45 दिनों के अंदर भुगतान करना होगा। सेबी ने कंपनी की जांच अगस्त, 2017 में की थी।

मस्क बनाम जुकरबर्ग की फाइट कॉलेसियम में हो सकती है

इटली की यह इमारत 2000 साल पुरानी, दुनिया के सात अजूबों में शामिल है

इटली।
टेस्ला के सीईओ एलन मस्क और मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग के बीच होने जा रही केज फाइट इटली के कॉलेसियम में हो सकती है। इटली के संस्कृति मंत्री जेनारो सांगिउलिआनो ने जुकरबर्ग से संपर्क किया और इटली के कॉलेसियम में फाइट होस्ट करने का प्रस्ताव दिया।

बाद में इस बात की पुष्टि मस्क ने भी की। उन्होंने ट्वीट किया- कॉलेसियम में फाइट होने के काफी चांस हैं। ऐतिहासिक धरोहरों में शामिल कॉलेसियम दुनिया के सात अजूबों में शामिल है। यह 2000 साल पुराना है। इससे पहले यह फाइट अमेरिका के वेगास ऑक्टागन में होने वाली थी।

मस्क ने शुरू कर दी है ट्रेनिंग

मस्क ने इस फाइट के लिए ट्रेनिंग शुरू कर दी है। ट्रेनिंग की फोटोज दो दिन पहले सामने आईं थीं। इनमें वो पॉपुलर पॉडकास्टर और एआई रिसर्चर लेक्स फ्रिडमैन के साथ लड़ रहे हैं। फ्रिडमैन ने ही तस्वीरें ट्विटर पर शेयर कीं थीं और लिखा- मस्क की पावर से प्रभावित हूं।

मस्क ने पिछले दिनों ट्विटर पर जुकरबर्ग को

फाइट का चैलेंज दिया था। जुकरबर्ग ने इसे स्वीकार कर लिया था। फ्रिडमैन दोनों के साथ ट्रेनिंग कर चुके हैं और उन्होंने इसके फोटो और वीडियो अपने ट्विटर हैंडल पर ये शेयर किए हैं।

केज फाइट का चैलेंज कैसे शुरू हुआ और ये कहां होगी...

जुकरबर्ग की कंपनी मेटा ने ट्विटर जैसा प्लेटफॉर्म लॉन्च करने की बात कही थी। इसके बाद डेली मेल ने एक रिपोर्ट पब्लिश की, जिसकी हेडलाइन थी- ट्विटर को खत्म करने का जुकरबर्ग का मास्टर प्लान सामने आया। इस रिपोर्ट को ट्विटर पर शेयर किया जाने लगा। ऐसी ही एक पोस्ट पर एलन मस्क ने जुकरबर्ग को चिढ़ाने वाली इमोजी पोस्ट की। मारियो नाफवाल नाम के ट्विटर हैंडल से जुकरबर्ग के नए प्लेटफॉर्म से जुड़ी और डीटेल्स शेयर की गई। नाफवाल को एलन मस्क फॉलो भी करते हैं। इसमें कहा गया कि मेटा के नए ऐप का नाम थ्रेड हो सकता है। इस पर एक ट्विटर यूजर ने लिखा- बेहतर होगा मस्क सावधान रहें... मैंने सुना है कि जुकरबर्ग अब जु-जित्सु कर रहे हैं। यहीं से केज फाइट चैलेंज की शुरुआत हुई। मस्क ने पोस्ट पर जवाब दिया- मैं केज फाइट के लिए तैयार हूं। इसके बाद जुकरबर्ग ने मस्क से फाइट की लोकेशन पूछी और मस्क ने जवाब दिया था- वेगास ऑक्टागन। खैर अब वेन्यू कॉलेसियम हो सकता है।

मस्क स्ट्रीट फाइटर और जुकरबर्ग जु-जित्सू चैंपियन

52 वर्षीय मस्क साउथ अफ्रीका में बड़े हुए हैं। मस्क ने बताया था कि साउथ अफ्रीका में उन्होंने रियल हार्ड-कोर स्ट्रीट फाइट्स में हिस्सा लिया। 39 साल के जुकरबर्ग एक एस्पिरेशनल फाइटर हैं, जिन्होंने पहले ही जु-जित्सु टूर्नामेंट जीते हैं। उन्होंने हाल ही में मर्फ चैलेंज वर्कआउट को 40 मिनट से कम समय में पूरा किया था। मस्क की ट्रेनिंग की तस्वीरें शेयर करने वाले फ्रिडमैन ने लिखा- मैंने कुछ घंटों के लिए एलन मस्क के साथ ट्रेनिंग सेशन किया। मैं उनकी स्ट्रेंथ, पावर और स्किल से बेहद प्रभावित हूं। एलन और मार्क को मार्शल आर्ट करते हुए देखना वास्तव में प्रेरणादायक है। अगर दोनों मार्शल आर्ट की ट्रेनिंग करें तो ये दुनिया के लिए बेहतर होगा। पर ये ट्रेनिंग फाइट के लिए ना हो। फ्रिडमैन ने जुकरबर्ग के साथ जु-जित्सू की ट्रेनिंग की थी, लिखा था- ये मेरे और मार्क जुकरबर्ग जु-जित्सु की ट्रेनिंग का वीडियो है।

रिलीज से पहले फिल्म 'जवान' ने की करोड़ों की कमाई

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान, नयनतारा और विजय सेतुपति की बहुचर्चित फिल्म 'जवान' ने रिलीज से पहले ही अच्छी खासी कमाई कर ली है। एटली कुमार निर्देशित फिल्म 'जवान' के म्यूजिक राइट्स 36 करोड़ रुपये में बेचे गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, टी-सीरीज ने फिल्म "जवान" के म्यूजिक राइट्स खरीद लिए हैं। कहा जाता है कि यह इंडस्ट्री में किसी फिल्म के म्यूजिक राइट्स 36 करोड़ में बिकने का अब तक का एकमात्र रिकॉर्ड है। बॉलीवुड किंग खान की फिल्म 'जवान' की जमकर चर्चा हो रही है। इससे फिल्म के म्यूजिक राइट्स ने अच्छी खासी कमाई कर ली है। बॉलीवुड मीडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक, डायरेक्टर एटली कुमार और शाहरुख खान जल्द ही इस बहुप्रतीक्षित एक्शन फिल्म का टीजर सोशल मीडिया पर रिलीज करेंगे। हालांकि, तारीख को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही रिपोर्ट्स के मुताबिक, जवान का टीजर 7 जुलाई या 15 जुलाई को रिलीज हो सकता है। शाहरुख खान की फिल्म 'जवान' का टीजर जुलाई महीने में रिलीज होगा। कहा जा रहा है कि 'जवान' का डिजिटल लॉन्च भव्य होने वाला है। इस ग्रैंड इवेंट में शाहरुख खान और एटली एक साथ फिल्म का टीजर रिलीज करेंगे। इसके अलावा 'जवान' के टीजर में शाहरुख खान उस अंदाज में नजर आएंगे जो पहले किसी ने नहीं देखा होगा। तमिल डायरेक्टर एटली कुमार फिल्म 'जवान' से हिंदी इंडस्ट्री में डेब्यू करेंगे। 'जवान' 7 सितंबर 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। शाहरुख खान की फिल्म 'जवान' की रिलीज डेट कृष्ण जन्माष्टमी है। ऐसे में इस छुट्टी का फायदा शाहरुख खान की फिल्म को मिलने की संभावना है। फिल्म का निर्देशन साउथ डायरेक्टर एटली ने किया है और इस फिल्म में शाहरुख खान डबल रोल में नजर आएंगे।

प्रभास सालार और प्रोजेक्ट-के में आएंगे नजर

-प्रोजेक्ट-के को बताया जा रहा सबसे महंगी भारतीय फिल्म

नई दिल्ली (ईएमएस)। साउथ के सुपर स्टार प्रभास जल्द ही सालार और प्रोजेक्ट-के में नजर आने वाले हैं। इसमें से प्रोजेक्ट-के को अब तक की सबसे महंगी भारतीय फिल्म कहा जाता है। जहां चर्चा लगातार बढ़ती जा रही है, वहीं वरिष्ठ निर्देशक तम्मारेड्डी ने फिल्म की बॉक्स ऑफिस क्षमता के बारे में सनसनीखेज दावा किया है। नाग अश्विन की निर्देशित, प्रोजेक्ट-के में लीड एक्टर्स के तौर पर काफी बड़े-बड़े नाम शामिल हैं। अमिताभ बच्चन, प्रभास, दीपिका पादुकोण और दिशा पटानी इस फिल्म का हिस्सा है। ऐसी टीम के साथ, इस बड़ी फिल्म से उम्मीदें बहुत अधिक हैं, और यह कोई आश्चर्य की बात नहीं होगी अगर प्रोजेक्ट-के भारतीय सिनेमा में पहले से मौजूद सभी रिकॉर्ड तोड़ दे।हाल ही में, निर्देशक तम्मारेड्डी ने प्रोजेक्ट के की तारीफ की, जिस तरह से यह नाग अश्विन के निर्देशन में बन रहा है। उन्हें लगता है कि मजबूत स्टारकास्ट, प्रभास का स्टारडम और एक अच्छी कहानी इसे काफी आगे तक लेकर जाएगी। तम्मारेड्डी का दावा है कि फिल्म पहले दिन 500 या 600 करोड़ का आंकड़ा छू लेगी। एक रिपोर्ट के मुताबिक, तम्मारेड्डी ने कहा, प्रोजेक्ट के, नागा अश्विन की फिल्म में प्रभास, अमिताभ बच्चन और दीपिका पादुकोण मुख्य भूमिका में हैं। हाल ही में कमल हासन भी इसका हिस्सा बने। अगर वो फिल्म को ठीक से पेश कर सकें, तो वर्ल्ड वाइड बॉक्स ऑफिस पर इसके टॉप लिस्ट में जाने की संभावना है। क्योंकि मैं सेट पर गया हूं और जिस तरह से नाग अश्विन की फिल्म बनाई जा रही है, उसे देखने के बाद यह कह रहा हूं। निर्देशक, जिन्होंने ऑस्कर अभियान के लिए कथित तौर पर 80 करोड़ रुपये खर्च करने के लिए आरआरआर के निमार्ताओं की आलोचना की थी। उन्होंने आगे कहा, ह्लमुझे विश्वास है कि अगर वे फिल्म को सही ढंग से रिलीज करते हैं, तो यह एक पैन इंडिया फिल्म होगी जो दुनियाभर में रिकॉर्ड तोड़ देगी। बता दें कि आदिपुरुष की असफलता के बाद, फिल्म के सभी कलाकार अपने अगले प्रोजेक्ट में बिजी हो गए हैं। जिसमें से प्रभास का भी नाम शामिल है। एक्टर के पास अपकमिंग फिल्मों की लंबी फेहरिस्त है।

हॉरर कॉमेडी फिल्म 'तू तू मैं मैं' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई, (हि.स.)। एक तरफ आत्मा से प्यार और दूसरी तरफ इंसान से चक्कर... दोनों की नोकझोंक में हीरो बन गया घनचक्कर- ऐसी कहानी के साथ रितेश पांडे की भोजपुरी फिल्म 'तू तू मैं मैं' का ट्रेलर रिलीज हुआ। इस फिल्म का ट्रेलर फेमस म्यूजिक कंपनी वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी के ऑफिशियल यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है। रितेश पांडे, यामिनी सिंह, मधु शर्मा, विक्रांत सिंह स्टारिंग हॉरर कॉमेडी भोजपुरी फिल्म 'तू तू मैं मैं' का ट्रेलर काफी मजेदार है। ट्रेलर में दिखाया गया है कि रितेश पांडे भूतनी बनी दोनों एक्ट्रेस यामिनी सिंह और मधु शर्मा को सपोर्ट कर रहे हैं और लव भी कर रहे हैं। इसमें कई नाटकीय ढंग से घटनाक्रम दशार्या गया है। विक्रांत सिंह का कन्फ्यूज कर देने वाला किरदार भी बड़ा ही मजेदार है। भूत की आत्मा के रूप में देव सिंह भी कमाल की एक्टिंग करते दिख रहे हैं। भूतनी को कंट्रोल करने वाले तांत्रिक बने अवधेश मिश्रा ने अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज कराई है। कुल मिलाकर फिल्म 'तू तू मैं मैं' का ट्रेलर हॉरर होते हुए भी काफी गुदगुदाने वाला है। यह फिल्म देखकर कोई डरेगा नहीं, बल्कि फुल इंटरटेन करेगा। इस फिल्म के डायरेक्टर प्रवीण गुडुरी ने गजब का डायरेक्शन किया है और कलाकारों से बहुत ही उत्तम एक्टिंग करवाया है। जिओ स्टूडियो प्रस्तुत भोजपुरी फिल्म 'तू तू मैं मैं' की निर्मात्री ज्योति देशपांडे, निमार्ता समीर आफताब, अविनाश रोहरा और वेंकट महेश हैं। निर्देशक प्रवीण कुमार गुडुरी हैं। इस फिल्म के स्टार कास्ट रितेश पांडे, मधु शर्मा, यामिनी सिंह, विक्रांत सिंह, अवधेश मिश्रा, देव सिंह, प्रकाश जैस, केके गोस्वामी, महेश आचार्य आदि हैं। फिल्म के सिंगर छोटे बाबा, रितेश पांडे, अलका झा, दीपू द्विवेदी, अमृता दीक्षित, खुशबू जैन हैं। संगीतकार छोटे बाबा, गीतकार अरबिंद तिवारी, सुमित सिंह चंद्रवंशी, छोटू यादव हैं। इस फिल्म का म्यूजिक राइट्स वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स के पास है।

ब्लाइंड का पहला टीजर रिलीज

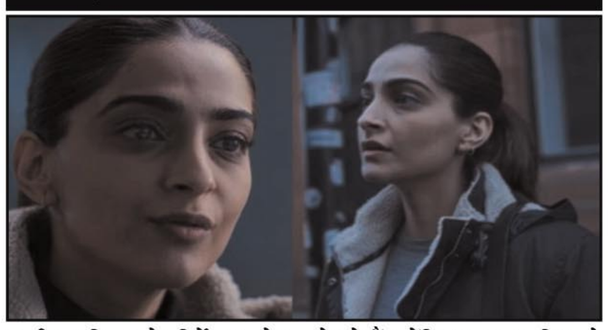

बालीवुड फिल्म के निर्देशक सोम मखीजा की फिल्म ब्लाइंड का पहला टीजर रिलीज हो गया है। यह फिल्म सोनम और पूरब कोहली, जो जाहिर तौर पर फीचर में मुख्य प्रतिद्वंद्वी की भूमिका निभाते हैं, के पात्रों के बीच एक दिलचस्प बिल्ली और चूहे की दौड़ का वादा करती है। सोनम कपूर की मुख्य भूमिका और पूरब कोहली की महत्वपूर्ण भूमिका वाली लघु प्रोमो वीडियो में, हम सोनम को स्कॉटलैंड में कई लापता महिलाओं के मामले में न्याय दिलाने की कसम खाते हुए देखते हैं क्योंकि पूरब का चरित्र उसे अपनी गली में रहने की चेतावनी देता है। सोनम कपूर ने अपने पहले बच्चे वायु के गर्भवती होने से पहले ब्लाइंड की शूटिंग की थी।

ब्लाइंड अगले महीने रिलीज हो रही है, जिसे मेरे गर्भवती होने से ठीक पहले शूट किया गया था। इसलिए आगे देखने के लिए बहुत कुछ है। सोनम कपूर को आखिरी बार विक्रमादित्य मोटवाने की फिल्म एके बनाम एके में एक विस्तारित कैमियो भूमिका में देखा गया था।

3 लाख रुपए फीस चार्ज करती है टीवी की अनुपमा

-इतने करोड़ की मालकिन बन चुकी हैं एक्ट्रेस

मुंबई (ईएमएस)। टीवी धारावाहिक अनुपमा में मशहूर एक्ट्रेस रूपाली गांगुली का किरदार तो अब लोगों का फेवरेट बन चुका है। अपने इस किरदार की वजह से आज 46 साल की इस एक्ट्रेस पर लोग दिल खोलकर प्यार लुटाते हैं। तो चलिए आज जानते हैं अनुपमा यानी रुपाली की नेट वर्थ कितनी है। अनुपमा बनकर लोगों के दिलों पर राज कर रही रुपाली गांगुली असल जिंदगी में भी काफी डाउन टू अर्थ हैं। उनके नेचर की वजह से ही फैंस उनसे इतना कनेक्ट कर पाते हैं। ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, रूपाली गांगुली अनुपमा सीरीयल के एक एपिसोड के लिए 3 लाख रुपये फीस चार्ज करती हैं। वहीं एक्ट्रेस की कुल संपत्ति 2023 तक 20 करोड़ है। टैलेंट और पॉपुलैरिटी के चलते एक्ट्रेस की नेटवर्थ हर साल बढ़ती जा रही है। टीवी सीरियल एक्ट्रेस की कमाई का मुख्य जरिया है। इसके अलावा वह ब्रांड एंडोर्समेंट, गेस्ट अपीयरेंस और दूसरे प्रोजेक्ट्स के लिए भी काम करके अच्छा पैसा कमाती हैं। शायद ही कोई जानता हों कि एक्ट्रेस एक्टिंग के अलावा एडवर्टाइजमेंट बिजनेस से भी जुड़ी हुई हैं हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक रूपाली एक एड एजेंसी भी चला रही हैं। साल 2000 में अपने पिता अनिल गांगुली के साथ मिलकर उन्होंने इसकी शुरूआत की थी।बात अगर रूपाली गांगुली के घर की करें तो मुंबई में उनका आलीशान घर है। उनके आशियाने में तीन बड़े बेडरूम हैं और एक लग्जरी ड्रॉइंग रूम शामिल है। रूपाली का घर कई सुविधाओं से लैस है। टीवी की अनुपमा लग्जरी कारों की भी बहुत शौकीन हैं और उनके पास शानदार कार कलेक्शन हैं। उनकी गाड़ियों की लिस्ट में महिंद्रा थार और एक मर्सिडीज शामिल हैं। रूपाली ने 2021 में महिंद्रा थार और 2023 में मर्सिडीज खरीदी थी।

अपने सीरियल अनुपमा में रुपाली एक ऐसी महिला का किरदार निभा रही हैं, जो पढ़ी-लिखी नहीं है और अपने घर का पूरा ख्याल रखती है। अनुपमा के किरदार से एक्ट्रेस को नई पहचान मिली है। बता दें कि टीवी की मशहूर एक्ट्रेस रूपाली गांगुली आज किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं। अपनी दमदार एक्टिंग की वजह से आज एक्ट्रेस लाखों दिलों पर राज कर रही हैं।

कौन बनेगा करोड़पति के 15 वें सीजन का वीडियो जारी

-अब नए अवतार में दिखेगा फेमस गेम शो

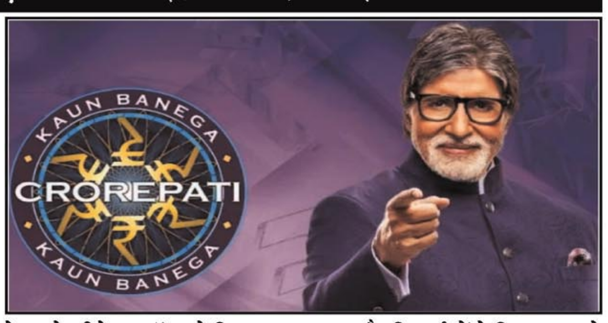

मुंबई (ईएमएस)। लोगों के चहेते टीवी शो कौन बनेगा करोड़पति ने सोशल मीडिया पर अपने 15वें सीजन का वीडियो जारी किया है, जिसमें दिखाया गया है कि डिजिटलीकरण के कारण दुनिया कैसे बदल रही है, लोग मल्टी-टास्किंग और काम के साथ-साथ अपनी पसंद की चीजें भी कर रहे हैं। मेगास्टार अमिताभ बच्चन बेहद लोकप्रिय गेम शो कौन बनेगा करोड़पति के साथ एक नए अवतार में वापसी कर रहे हैं। शो ने हाल ही में एक दिलचस्प प्रोमो जारी किया है, जिसमें बिग बी अपनी अनोखी आवाज में कहते हैं, बदल रहा है, सब कुछ बदल रहा है। प्रोमो को लेकर वीडियो साझा किए गए हैं। एक वीडियो में एक महिला को अपने लैपटॉप पर एक मीटिंग में भाग लेते हुए दिखाया गया है। जबकि, वह टेबल के नीचे फुटबॉल को किक मार रही है और अपने छोटे बेटे के साथ खेल रही है।एक अन्य दृश्य में ट्रैफिक में एक युवक को दिखाया गया है जो अपने हाथ पर क्यूआर कोड गुदवाकर, डिजिटल पैसा मांग रहा है। अमिताभ यह भी कहते हैं कि लोग अब अपने मोबाइल फोन के एक क्लिक से भोजन का आनंद ले सकते हैं और यह कैसे परिवारों को करीब लाया है। निमार्ताओं ने ट्विटर पर शो के बारे में लिखा कि, कौन बनेगा करोड़पति जल्द ही नए रूप में देखने को मिलेगा। बड़ी शान से, बड़े ज्ञान से देखो, सब कुछ बदल रहा है... ये कौन बनेगा करोड़पति शो की नई टैगलाइन है। साल 2000 में शुरू हुआ कौन बनेगा करोड़पति अमेरिकी गेम शो हू वांट्स टू बी अ मिलियनेयर का भारतीय रीमेक है।

फिल्म गदर 2 को लेकर सुर्खियां में अमीषा

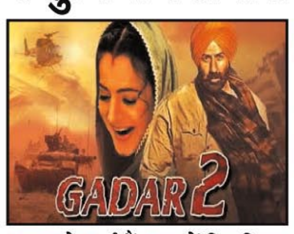

बालीवुड एक्ट्रेस अमीषा पटेल अपनी अपकमिंग फिल्म गदर 2 को लेकर सुर्खियां में हैं। फिल्म में एक्ट्रेस एक बार फिर को-स्टार सनी देओल संग जोड़ी बनाती नजर आएंगी। ऐसे में गदर 2 को देखने के लिए लोग काफी एक्साइटड हैं। इसी बीच लीड एक्ट्रेस अमीषा मुंबई की माहिम दरगाह में फिल्म के लिए आशीर्वाद लेने पहुंची, जहां से उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आई हैं। बता दें कि फिल्म स्टार्स ने गदर 2 का प्रमोशन भी शुरू कर दिया है।

नवाजुद्दीन सिद्दिकी का समर्थन करने पर आलिया ने कंगना रनौत पर साधा निशाना

बॉलीवुड एक्टर नवाजुद्दीन सिद्दीकी की पत्नी आलिया सिद्दिकी अब 'बिग बॉस ओटीटी 2' का घर छोड़ चुकी हैं। घर से बाहर निकलते ही आलिया ने कई लोगों को नाराज कर दिया। कुछ दिनों पहले नवाजुद्दीन और आलिया के विवाद में एक्ट्रेस कंगना रनौत ने नवाजुद्दीन का समर्थन किया था। अब आलिया ने कंगना की कड़ी आलोचना की है। आलिया ने बंगले के गेट के बाहर खड़े नवाज से बात करते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड किया था। इस वीडियो को लेकर कंगना ने कहा, 'जब नवाज जैसे बड़े स्टार को उनकी ही पत्नी इस तरह बेइज्जत करती हैं। ये सब देखकर मुझे रोना आ गया।' अब आलिया ने कंगना के बयान पर प्रतिक्रिया दी है। बिग बॉस के घर से निकलने के बाद आलिया ने मीडिया को इंटरव्यू दिया। इंटरव्यू में आलिया ने कंगना के बारे में बात करते हुए कहा, 'मैं कंगना पर ध्यान नहीं देती क्योंकि उनकी बातों का कोई मतलब नहीं होता। वह मेरे हर काम में अपनी नाक घुसाती है। वह सिर्फ गलत चीजों पर आवाज उठाने और हर किसी के बारे में कुछ न कुछ कहती रहने के लिए जानी जाती हैं।' आलिया से विवाद के बाद नवाज ने सोशल मीडिया पर बयान दिया था। इस बयान पर कंगना ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट शेयर किया था। जिस पर कंगना ने लिखा, 'इसकी बहुत जरूरत थी सिद्दिकी साहब।' मौन हमेशा मन की शांति नहीं लाता। मुझे खुशी है कि आप इसे लेकर आये।'

न्यूयॉर्क सिटी में स्पॉट किया गया एंजेलीना को

हॉलीवुड मोस्ट गॉर्जियस दिवा एंजेलीना जोली को न्यूयॉर्क सिटी में स्पॉट किया गया, जहां वह अपने लुक से सबका ध्यान खींचती नजर आईं। अब एक्ट्रेस की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। लुक की बात करें तो इस दौरान 48 वर्षीय एंजेलीना जोली ब्लैक कलर की स्लीवलेस ड्रेस में नजर आई, जिसके साथ उन्होंने ट्रेंच कोट कैरी किया है। ब्लैक ड्रेस के साथ उन्होंने मैचिंग हील्स पेयर की हैं। कैजुअल मेकअप और खुले बालों के साथ उन्होंने अपने लुक को कंप्लीट किया है। ओवरऑल लुक में एक्ट्रेस की ब्यूटी और स्टाइल देखते ही बन रहा है। काम की बात करें तो एंजेलीना जोली को आखिरी बार साल 2021 में फिल्म इंटरनल्स देखा गया था। एंजेलीना जोली हॉलीवुड इंडस्ट्री की एक जानी मानी एक्ट्रेस हैं, जो अपने काम से ज्यादा लुक्स को लेकर सुर्खियां बटोरती हैं। एक्ट्रेस की खूबसूरती के चर्चे अक्सर सोशल मीडिया पर छाए रहते हैं।

फिल्म पुष्पा 2 की शूटिंग की शुरू

अल्लू अर्जुन स्टारर अपकमिंग फिल्म पुष्पाः द रूल की शूटिंग रश्मिका मंदाना ने शुरू कर दी है। फिल्म सेट से उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर की और कैप्शन दियाः हैशटैग नाइटशूट। वह पुष्पा 2 में भी श्रीवल्ली की भूमिका निभाएंगी। फिल्म का निर्देशन संदीप रेडी वांगा ने किया है वर्कफ्रंट की बात करें तो रश्मिका रेनबो और वीएनआर ट्रायो में भी नजर आएंगी।

रश्मिका ने अपनी अपकमिंग फिल्म एनिमल की शूटिंग पूरी कर ली है, जिसमें रणबीर कपूर हैं।

सूडोकु नवताल- 6479

★★★ मध्यम

6	3	7		1	5	4		9
	8						2	
		1		4	8			6
	6			9	7	1		
7	2						5	3
		5	6	3			9	
5			8	2		3		
	4						7	
1		3	7	5		2	6	8

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6478 का हल

5	9	4	1	7	2	6	3	8
6	8	1	4	3	5	2	7	9
2	3	7	8	9	6	1	4	5
9	2	3	7	5	1	4	8	6
4	7	6	9	2	8	5	1	3
1	5	8	3	6	4	9	2	7
8	6	2	5	4	3	7	9	1
7	1	5	2	8	9	3	6	4
3	4	9	6	1	7	8	5	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 7226

प्र	अ	मे	आ	ए	का	धि	का	र	प	क
न	का	क	दि	इं	डो	ने	ग	ति	मा	री
अ	दा	र	ला	मा	ग	अ	द	ह	प	म
है	द	रा	बा	द	न	स	नं	ह	लि	न
त	अ	अ	द	न	कृ	ष्णा	ह	त	न	ग
ख	म्म	न	र	व	प	का	त	ह	पु	र
ग	मा	ल	मा	व	चि	ला	र	मा	न	र
र	न	भा	र	न	प	तु	रा	ल	वि	ला
क	गुं	बा	क	ड	प्पा	प	र	न	जू	दे
र	टु	ति	मा	न	सिं	ब्रा	रु	का	प	श
बां	र	ल	प	रु	स	क	र्नू	ल	र	र

शब्द जाल में आंध्रप्रदेश के10 जिलों के नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हो सकते हैं.

आदिलाबाद, हैदराबाद, अनंतपुर, गुंटुर, चितुर, कृष्णा, कर्नूल, कडप्पा, खम्मन करीमनगर,

शब्दजाल - 7225 का हल

म	अ	मु	न	सी	ब	आ	ज	धे	मा	जी
रा	वि	ली	प्रे	क	न्या	स	द	ज	कां	ड़
चु	बा	र	पे	टा	छ	मि	रां	ब	वृ	डि
इं	नौ	ब	न	बा	वा	स	ग	ल	ष	ब्रु
बो	आ	मी	ल	म	चा	न	क्रो	न	भ	ग
य	ग	न	र	रा	गो	ली	ती	जो	घ	ढ़
द	सं	ई	ग	ट्रे	न	ला	स	र	व	स
धु	ह	अ	गां	द	ब	क	घा	हा	श	क
ब	म	तु	ला	व	म	स	या	ट	र	आ
री	गॉ	ल	क	छा	र	कुं	भ	म	प	द
क	ड	क	र्क	या	क	र्त	का	म	रू	प

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-6179

4	7		6		2	1
1	31	2	38		28	
	1	6		7	2	
6	36		33		28	5
3		7		2	1	
	32		31	4	33	2
2	3		4		6	7

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6178 का हल

4	3	7	1	6	2	5
3	32	6	36	2	30	1
6	1	2	5	7	4	3
5	33	1	29	4	30	6
7	6	5	4	1	3	2
2	30	4	32	3	31	7
1	2	3	7	5	6	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

आठ बार का चैंपियन भारत अपने 13वें फाइनल में प्रवेश की दहलीज पर, सेमीफाइनल में लेबनान से मैच

बेंगलुरु ।

भारतीय टीम सैफ फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में शनिवार को जब लेबनान की मजबूत टीम के खिलाफ मैदान में उतरेगी जो उसे अपने करिश्माई कप्तान से एक और दमदार प्रदर्शन की उम्मीद होगी। गत चैंपियन भारत ने ग्रुप ए से कुवैत के बाद दूसरे स्थान पर रहते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश किया, जबकि लेबनान ने ग्रुप ए में शीर्ष पर रहते हुए अंतिम-चार चरण का टिकट पक्का किया। आठ बार की चैंपियन टीम चार बार उपविजेता रही है और एक बार तीसरे स्थान पर रही है। भारतीय टीम अपने 13वें फाइनल में प्रवेश करने से एक जीत दूर है।

शानदार फॉर्म में हैं सुनील छेत्री – सुनील छेत्री शानदार लय में हैं और वह तीन मैचों में पांच गोल के साथ टूर्नामेंट की तालिका में शीर्ष पर है। इसमें पाकिस्तान के खिलाफ गोल की हैट्रिक भी शामिल है। कुवैत के खिलाफ आखिरी लीग मुकाबले में छेत्री ने शानदार तरीके से गोल कर यह साबित किया कि वह अब भी अपने खेल के शीर्ष पर हैं। लेबनान के खिलाफ चुनौती से पार बनाने के लिए छेत्री को एक बार फिर से अपना दमखम दिखाना होगा। सहल अब्दुल समद, महेश सिंह और उदांता सिंह जैसे खिलाड़ियों को अपने कप्तान का साथ देने के लिए आगे आना होगा। इन सभी ने टूर्नामेंट में अच्छे से अपनी भूमिका निभाई है लेकिन छेत्री के अलावा केवल उदांता और महेश ही टीम के लिए गोल करने में सफल रहे है।

नौ मैचों में भारत पर हुआ है एक गोल – लेबनान जैसी मजबूत टीम के खिलाफ भारत के लिए छेत्री पर निर्भरता घातक हो सकती है। टीम को रक्षापंक्ति से अपने दमदार खेल को जारी रखने की उम्मीद होगी। टीम ने पिछले नौ मैचों में सिर्फ एक गोल गंवाया है और वह भी कुवैत के खिलाफ आत्मघाती गोल था। भारतीय टीम का मनोबल हालांकि बढ़ा हुआ होगा। लेबनान के खिलाफ उसके दो हालिया मुकाबलों में सकारात्मक परिणाम मिले। भारत ने इस महीने की शुरुआत में ओडिशा में इंटरकॉन्टिनेंटल कप के लीग मैच में लेबनान को गोलरहित ड्रॉ पर रोका और टूर्नामेंट के फाइनल में उसे 2-0 से हराया। फुटबॉल की प्रतिस्पर्धी दुनिया में पिछले मैचों के रिकॉर्ड ज्यादा मायने नहीं रखते। भारत इस मध्य एशियाई प्रतिद्वंद्वी को हराने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। लेबनान ने ग्रुप चरण में भूटान, मालदीव और बांग्लादेश को हराकर सेमीफाइनल का टिकट कटाया। वहीं भारत को पाकिस्तान के खिलाफ अपेक्षाकृत आसान मुकाबले के बाद नेपाल और कुवैत से कड़ी टक्कर का सामना करना पड़ा।

न्यूज ब्रीफ

शाहीन अफरीदी ने पारी के पहले ओवर में 4-विकेट लिए: वाइड से शुरू हुआ ओवर, कैच आउट-बोल्ड से खत्म किया; टी-20 ब्लास्ट में हैट्रिक चूके

नॉटिंघम, इंग्लैंड। पाकिस्तान के लेफ्ट आर्म पेसर शाहीन अफरीदी इंग्लैंड में कमाल कर रहे हैं। उन्होंने शनिवार को टी-20 ब्लास्ट में पारी के पहले ही ओवर में 4 विकेट निकाले। शाहीन ने अपने ओवर की शुरुआत ही वाइड बॉल से की, इस पर बाय के 4 रन भी बन गए। फिर उन्होंने अगली बॉल पर बैटर को आउट कर दिया। ओवर की दूसरी गेंद पर शाहीन ने बैटर को बोल्ड किया। तीसरी और चौथी गेंद पर एक-एक रन आया। ओवर की पांचवीं बॉल पर बैटर कैच आउट हो गया और छठी गेंद पर शाहीन ने बैटर को बोल्ड कर ओवर खत्म किया। उन्होंने ओवर में 7 रन दिए और 4 विकेट झटके। शाहीन इस वक्त इंग्लैंड के टी-20 ब्लास्ट में नॉटिंघमशायर से खेल रहे हैं। शुक्रवार देर रात नॉटिंघम के मैदान पर उनकी टीम का सामना बर्मिंघम (वारविकशायर) से हुआ। यहां शाहीन दूसरी पारी के पहले ही ओवर में बॉलिंग करने आए और 4 विकेट निकाल लिए। पहली गेंद वाइड रही। विकेटकीपर के हाथ से गेंद छूट गई और चौका हो गया। 5 रन बने। अगली गेंद शाहीन ने लेग स्टंप पर फुलर लेंथ फेंकी। बैटर एलेक्स डेविस के पैर पर बॉल लगी और वह नीचे गिर गए। टीम ने अपील की और बैटर आउट हो गए। दूसरी गेंद शाहीन ने मिडिल स्टंप पर फुलर लेंथ इन-स्विंगर फेंकी। बैटर क्रिस बेंजामिन बोल्ड हो गए। चौथी गेंद पर रॉब यीट्स ने एक रन लिया। पांचवीं गेंद शाहीन ने ऑफ स्टंप पर फुलर लेंथ फेंकी। डैन मोसले ने ड्राइव किया, लेकिन कवर्स पर खड़े ओली स्टोन ने शानदार कैच पकड़ लिया। छठी गेंद शाहीन ने लेग स्टंप पर इन-स्विंगर फेंकी। बैटर एड बर्नार्ड बोल्ड हो गए। टॉप-5 में 3 बैटर खाता भी नहीं खोल सके बर्मिंघम के टॉप-5 बैटर में 3 प्लेयर्स खाता भी नहीं खोल सके, वहीं क्रिस बेंजामिन एक ही रन बना सके।

27 साल बाद डूरंड कप फुटबॉल टूर्नामेंट में होगी विदेशी टीमों की वापसी, चार शहरों में होंगे मैच

नई दिल्ली । घरेलू सत्र के शुरुआती टूर्नामेंट डूरंड कप के आयोजकों ने शुक्रवार को कहा कि 27 साल बाद एशिया के इस सबसे पुराने फुटबॉल टूर्नामेंट में विदेशी टीमों की वापसी होगी। डूरंड कप दुनिया का तीसरा सबसे पुराना फुटबॉल टूर्नामेंट है, जिसमें देश भर के शीर्ष भारतीय फुटबॉल क्लब भाग लेते हैं। भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा आयोजित डूरंड कप तीन अगस्त से कोलकाता में शुरू होने वाले 132वें चरण में 24 टीमें हिस्सा लेंगी। इसमें नेपाल, भूटान और बांग्लादेश की टीमें भी शामिल हैं। टूर्नामेंट के आयोजकों ने शुक्रवार को ट्रॉफी टूर शुरू किया जिसे थलसेना प्रमुख मनोज पांडे, वायुसेना प्रमुख वी आर चौधरी और अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने हरी झंडी दिखाई।

दूसरा एशेज टेस्ट- इंग्लैंड 325 रन पर ऑलआउट: तीसरे दिन ऑस्ट्रेलिया को 221 रन की बढ़त, स्कोर 130/2; ख्वाजा की फिफ्टी

लंदन। द एशेज सीरीज के दूसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलियाई टीम अपनी पकड़ मजबूत करती जा रही है। लंदन के

लॉर्ड्स स्टेडियम में इंग्लैंड की टीम पहली पारी में 325 रन पर ही ऑलआउट हो गई। ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में 91 रन की बढ़त मिली, टीम ने तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक 2 विकेट पर 130 रन बना लिए। इस तरह उनकी कुल बढ़त 221 रन की हो चुकी है। दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया से उस्मान ख्वाजा ने फिफ्टी लगाई। वह 58 रन बनाकर स्टीव स्मिथ (6 रन) के साथ नॉटआउट लौटे। जबकि ओपनर डेविड वार्नर 25 और मार्नस लाबुशेन 30 रन बनाकर आउट हुए। तीसरे दिन का खेल भारतीय समयानुसार दोपहर 3 बजे से शुरू होगा। मुकाबले के तीसरे दिन इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी को 278/4 से आगे बढ़ाया। हैरी ब्रूक (50 रन) अपने पिछले स्कोर में 5 रन ही जोड़े सके। उन्हें मिचेल स्टार्क ने पैट कमिंस के हाथों कैच कराया। वहीं कप्तान बेन स्टोक्स तीसरे दिन कोई रन नहीं बना सके और 17 रन के स्कोर पर ही पवेलियन लौट गए।

5वें प्रयास में नीरज के गोल्डन आर्म ने दिखाया जादू; 87.66 मीटर दूर भाला फेंक जीता गोल्ड

नई दिल्ली ।

मांसपेशियों के खिचाव से उबरने के बाद नीरज चोपड़ा एक बार फिर हाथ में भाला उठाकर कीर्तिमान रचा है। उन्होंने प्रतिष्ठित डायमंड लीग श्रृंखला के लुसान चरण में पुरुषों की भाला फेंक प्रतियोगिता का खिताब जीत लिया है। नीरज ने 87.66 मीटर थ्रो के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। वहीं, जर्मनी के जूलियन वीबर 87.03 मीटर के साथ दूसरे स्थान पर हैं। तीसरे स्थान पर 86.13 मीटर थ्रो के साथ चेक गणराज्य के याकूब वादलेज्चे रहे। बता दें कि भारतीय जेवलिन स्टार नीरज का इस साल में यह दूसरा गोल्ड है। वे दोहा डायमंड लीग में भी गोल्ड मेडलिस्ट रहे थे।

फाउल का साथ की शुरुआत – नीरज चोपड़ा ने पहले राउंड में फाउल के साथ शुरुआत की। वहीं, जर्मनी के जूलियन वेबर ने 86.20 मीटर थ्रो के साथ बढ़त बनाई। पहले दौर के अंत में, नीरज शीर्ष तीन एथलीटों में भी नहीं थे। इसके बाद दूसरे प्रयास में, नीरज ने 83.52 मीटर का थ्रो किया। हालाँकि, दूसरे राउंड के अंत में जूलियन अभी भी बढ़त में रहे। बावजूद इसके नीरज की रैंकिंग में सुधार हुआ और वह तीसरे नंबर पर पहुंच गए। तीसरे प्रयास में नीरज ने 85.02 मीटर का स्कोर किया। इस थ्रो के साथ वह दूसरे नंबर पर पहुंच गये। हालांकि जूलियन ने तब भी 86.20 मीटर थ्रो के साथ बढ़त बना रखी थी। ऐसे में चौथे प्रयास में नीरज फाउल कर बैठे। पांचवें प्रयास में नीरज की गोल्डन आर्म ने अपना जादू चलाया और 87.66 मीटर का थ्रो हासिल किया। इसके साथ ही वह पहले स्थान पर पहुंच गये। छठे और अंतिम प्रयास में, नीरज ने 84.15 मीटर का थ्रो हासिल किया।

साल का दूसरा गोल्ड – बता दें कि भारतीय जेवलिन स्टार नीरज का इस साल में यह दूसरा गोल्ड है। वे दोहा डायमंड लीग में भी गोल्ड मेडलिस्ट रहे थे। वहीं, नीरज का यह 8वां इंटरनेशनल गोल्ड है। इससे पहले उन्होंने एशियन गेम्स, साउथ एशियन गेम्स, ओलिंपिक गेम्स और डायमंड लीग जैसे टूर्नामेंट में सोना जीता था।

एक माह बाद उतरे नीरज – 25 वर्षीय नीरज ने पांच मई को दोहा डायमंड लीग में 88.67 मीटर भाला फेंककर स्वर्ण जीता था। उसके बाद उनकी मांसपेशियों में खिंचाव आ गया, जिसके चलते उन्हें चार जून को हुए फैनी ब्लैंकर्स कोएन गेम्स और 13 जून को हुए पावो नूरमी गेम्स से नाम वापस लेना पड़ा। 29 मई को उन्होंने बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। अब पूरे एक माह बाद वह फिर कंपटीशन में उतरे थे। हालांकि इस दौरान उन्होंने किसी डायमंड लीग में खेलने का मौका नहीं खोया। लीग के रबत, रोम, पेरिस और ओस्लो चरण में जेवेलिन थ्रो शामिल नहीं है।

लीग में शीर्ष पर चल रहे हैं नीरज – नीरज को लुसान में कड़ी टक्कर मिली। उनके सामने टोक्यो ओलंपिक के रजत पदक विजेता चेक रिपब्लिक के याकूब वादलेज्चे (सर्वश्रेष्ठ 90.88, सत्र का श्रेष्ठ 89.51 मीटर), विश्व चैंपियन ग्रेनाडा के एंडर्सन पीटर्स (सर्वश्रेष्ठ 93.07, सत्र का श्रेष्ठ 85.88 मीटर), फिनलैंड के ओलिवर हालेंडर (सर्वश्रेष्ठ 89.83, सत्र का श्रेष्ठ 87.32 मीटर), लंदन ओलंपिक विजेता त्रिनिदाद और टोबेगो के केशर्न वॉल्काट (सर्वश्रेष्ठ 90.16, सत्र का श्रेष्ठ 85.85 मीटर) यूरोपियन चैंपियन जर्मनी के जूलियन वीबर (सर्वश्रेष्ठ 89.54, सत्र का श्रेष्ठ 88.37 मीटर) थे। बीते वर्ष डायमंड लीग विजेता बनने वाले नीरज अपने खिताब की रक्षा के लिए आठ अंकों के साथ लीग में शीर्ष पर चल रहे हैं, वादलेज्चे के सात और पीटर्स के छह अंक हैं। लुसान के बाद मोनाको (21 जुलाई) और ज्यूरिख (31 अगस्त) में लीग होनी हैं, जहां जेवेलिन थ्रो शामिल है। लीग का फाइनल यूजीन (अमेरिका) में 16, 17 सितंबर को होगा।

नीरज वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए क्वालिफाई कर चुके – नीरज हंगरी के बुडापेस्ट में आयोजित होने वाली वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2023 में भी हिस्सा लेंगे। यह चैंपियनशिप 19 से 27 अगस्त तक होगी। नीरज ने 2022 यूजीन में हुए पिछले सीजन में रजत पदक जीता था। भारतीय टीम इस चैंपियनशिप के इतिहास में केवल दो पदक जीत सकी है, उनमें से एक नीरज के नाम है। नीरज से पहले 2003 में अंजू बॉबी जॉर्ज ने महिलाओं के लॉन्ग जम्प प्रतियोगित में भारत के लिए पहला मेडल जीतकर इतिहास रचा था। उन्होंने कांस्य पदक जीता था।

मुरली श्रीशंकर पदक नहीं जीत सके – नीरज के अलावा एक अन्य भारतीय लॉन्ग जंपर मुरली श्रीशंकर ने भी डायमंड लीग में हिस्सा लिया। उन्होंने शुरुआती 5 कोशिशों में 7.75, 7.63, 7.88 और 7.59 और 7.66 मीटर की छलांग लगाई। हालांकि, वह कोई पदक नहीं जीत सके। मुरली पांचवें स्थान पर रहे।

दलीप ट्रॉफी...सेंट्रल और नॉर्थ जोन सेमीफाइनल में

ईस्ट जोन 129 पर ऑल आउट; सौरभ कुमार ने लिए 8 विकेट

अलुर/बेंगलुरु ।

सेंट्रल जोन ने दलीप ट्रॉफी का क्वार्टर फाइनल मुकाबला जीत लिया है। टीम ने अलुर में ईस्ट जोन को दूसरी पारी 129 रन पर ऑल आउट किया ओर 170 रन से मुकाबला जीत लिया। सेंट्रल जोन से लेफ्ट आर्म स्पिनर सौरभ कुमार ने 8 विकेट लिए। दूसरे क्वार्टर फाइनल में नॉर्थ जोन ने नॉर्थ-ईस्ट जोन को 511 रन के बड़े अंतर से हरा दिया। टीम से पहली पारी में 150 रन बनाने वाले निशांत सिंधु प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

ईस्ट जोन से कोई 25 रन भी नहीं बना सका

दलीप ट्रॉफी मुकाबले कर्नाटक में जारी है। अलुर में पहला क्वार्टर फाइनल ईस्ट और सेंट्रल जोन के बीच खेला गया। मैच के चौथे दिन ईस्ट जोन को 300 रन की जरूरत थी, लेकिन टीम पहले सेशन में ही 129 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। सेंट्रल जोन से सौरभ कुमार ने 8 विकेट लिए। वहीं आवेश खान और शिवम मावी को 1-1 विकेट मिला। ईस्ट जोन से आकाश दीप ने सबसे ज्यादा 24 रन बनाए, बाकी बैटर्स 20 रन का आंकड़ा भी पार नहीं सके। टीम के शांतनु मिश्रा ने 18, अभिमन्यु ईश्वरन ने 11, सुदीप कुमार घरामी ने 0, अनुस्टुप मजूमदार ने 13, शाहबाज अहमद ने 18, रियान पराग ने 14, कुमार कुशाग्र ने 0, मणिशंकर मुरासिंह ने 12, शाहबाज नदीम ने 14 और ईशान पोरेल ने 0 रन बनाए।

2 ही बैटर्स ने मैच में फिफ्टी लगाई

टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने उतरी सेंट्रल जोन की टीम पहली पारी में 182 रन ही बना सकी। टीम से कोई भी बैटर फिफ्टी नहीं लगा सका। मणिशंकर मुरासिंह ने 5 विकेट लिए। ईस्ट जोन अपनी पहली पारी में 122 रन ही बना सका। आवेश खान और सौरभ कुमार ने 3-3 विकेट लिए। सेंट्रल जोन से दूसरी पारी में हिमांशु मंत्री ने 68 और विवेक सिंह ने 56 रन बनाए। टीम का कोई अन्य बैटर 32 से ज्यादा रन नहीं बना सका और टीम 239 रन पर ऑल आउट हो गई। ईस्ट जोन से ईशान पोरेल और शाहबाज अहमद ने 3-3 विकेट लिए। पहली पारी में 60 रन की बढ़त और दूसरी पारी में 239 रन बनाने के बाद सेंट्रल ने ईस्ट जोन को 300 रन का टारगेट दिया। लेकिन टीम आखिरी पारी में 129 रन ही बना सकी और मैच हार गई। बेंगलुरु में नॉर्थ जोन ने दूसरा क्वार्टर फाइनल मुकाबला जीत लिया। टीम ने नॉर्थ-ईस्ट जोन को 511 रन से हराया। नॉर्थ जोन से 3 खिलाड़ियों ने शतक लगाए, निशांत सिंधु ने सबसे ज्यादा 150 रन बनाए। उन्होंने दूसरी पारी में 2 विकेट भी लिए। इस प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। नॉर्थ जोन ने अपनी पहली पारी 540 और दूसरी 259 रन पर डिक्लेयर की। नॉर्थ-ईस्ट जोन की टीम पहली पारी में 134 रन पर ऑल आउट हो गई। 666 रन के टारगेट के सामने टीम दूसरी पारी में भी 154 रन ही बना सकी। पुलकित नारंग ने 4 विकेट लिए।

ड्रीम-11 अब टीम इंडिया की जर्सी पर: फैंटेसी स्पोर्ट्स गेमिंग कंपनी 358 करोड़ में मुख्य स्पॉन्सर बनी; 3 साल की डील

नई दिल्ली ।

टीम इंडिया की जर्सी पर अब बायजू की जगह फैंटेसी स्पोर्ट्स गेमिंग कंपनी ड्रीम-11 का लोगो नजर आएगा। टीम इंडिया की जर्सी के मुख्य स्पॉन्सरशिप राइट्स 358 करोड़ रुपए में खरीदे हैं। यह डील 3 साल के लिए है। बायजू का कॉन्ट्रैक्ट इसी साल मार्च में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज के बाद खत्म हो गया था। इस तरह 3 महीने तक भारत का कोई जर्सी स्पॉन्सर नहीं रहा, अब शुक्रवार देर रात बीसीसीआई ने ड्रीम-11 के साथ पार्टनरशिप के बारे में ऐलान किया।

वेस्टइंडीज दौरे से लगेगा ड्रीम-11 का लोगो

ड्रीम-11 का लोगो भारतीय टीम की जर्सी पर वेस्टइंडीज दौरे से लग जाएगा। भारत की पुरुष और महिला टीम उससे पहले कोई और सीरीज नहीं खेलेगी। वेस्टइंडीज दौरा 12 जुलाई से शुरू होगा। यहां टीम इंडिया 2 टेस्ट, 3 वनडे और 5 टी-20 खेलेगी। ड्रीम-11 का कॉन्ट्रैक्ट 2025 के जून में होने वाले वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल तक बना रहेगा।

बीसीसीआई प्रेसिडेंट बोले- फैंस का एंगेजमेंट बढ़ाएंगे

बीसीसीआई प्रेसिडेंट रोजर बिन्नी ने कहा, ड्रीम-11 पहले भी बीसीसीआई के साथ डील कर चुका है। उन्हें फिर से बीसीसीआई के साथ आने पर बधाई। भारत में वनडे वर्ल्ड कप को देखते हुए डील अहम है। दोनों पार्टनर साथ मिलकर टूर्नामेंट में फैंस का एंगेजमेंट बढ़ाएंगे और उनका एक्सपीरियंस भी बेहतर करेंगे।

टीम इंडिया के साथ जुड़ना प्राइड की बात- ड्रीम-11 सीईओ

ड्रीम-11 के सीईओ और को-फाउंडर हर्ष जैन ने कहा, बीसीसीआई और इंडियन प्लेयर्स के साथ कंपनी लंबे समय से काम कर रही है। नेशनल टीम का लीड स्पॉन्सर बनना कंपनी के लिए प्राइड की बात है। हम भारत में स्पोर्ट्स इकोसिस्टम को बढ़ाने पर भी फोकस कर रहे हैं।

एडिडास किट स्पॉन्सर, ड्रीम-11 जर्सी स्पॉन्सर

इसी साल जून में एडिडास ने टीम इंडिया के किट स्पॉन्सरशिप राइट्स खरीदे। एडिडास टीम इंडिया की जर्सी डिजाइन करेगा और द्विपक्षीय सीरीज में मैचों के दौरान खिलाड़ियों की जर्सी के कंधे वाले हिस्से पर एडिडास रहेगा।

वर्ल्ड कप क्वालिफायर...श्रीलंका ने 21 रन से जीता रोमांचक मुकाबला: नीदरलैंड्स को हराया, प्लेयर ऑफ द मैच डी सिल्वा ने बनाए 93 रन

बुलावायो।

धनंजय डी सिल्वा (93 रन) की अर्धशतकीय पारी की बदौलत श्रीलंका ने वनडे वर्ल्ड कप क्वालिफायर में रोमांचक जीत दर्ज की। टीम शुक्रवार को सुपर-6 मुकाबले में नीदरलैंड के खिलाफ 213 रन ही पर ही ऑलआउट हो गई। बुलवायो के क्वींस स्पोर्ट्स क्लब मैदान पर 213 रन के जवाब में नीदरलैंड्स का स्कोर एक समय 88 रन पर एक विकेट था। लेकिन श्रीलंकाई गेंदबाजों ने टीम की वापसी कराई और नीदरलैंड्स को 192 रन पर ऑलआउट कर 21 रन से मैच जीत लिया।

सुपर-6 में टॉप पर पहुंचा श्रीलंका

नीदरलैंड्स पर जीत के दम पर श्रीलंकाई टीम सुपर-6 की पॉइंट्स टेबल के टॉप पर आ गई है। टीम के तीन मैचों के बाद 6 अंक हैं। उनके 2 मैच जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज के खिलाफ बाकी हैं। क्वालिफायर स्टेज में 10 टीमों ने हिस्सा लिया था, अब 6 टीमें बची हैं। लीग स्टेज खत्म होने के बाद टॉप-2 पोजिशन पर रहने वाली टीमें भारत में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप में हिस्सा लेंगी।

शतक से चूके डी सिल्वा

टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने उतरी श्रीलंकाई टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम ने जीरो पर पहला विकेट गंवाया। यहां से दिमुथ करुणारत्ने और कुसल मेंडिस ने पारी को आगे बढ़ाया। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 22 रन ही जोड़े थे कि मेंडिल आउट हो गए। रियान क्लेन ने उन्हें आउट कर दिया। नए बैटर सदीरा समरविक्रम एक रन ही बनाकर पवेलियन लौट गए। चरिथ असलंका भी कुछ खास नहीं कर सके और 2 रन के निजी स्कोर पर आउट हुए।

मिडिल ऑर्डर में खेलने उतरे धनंजय डी सिल्वा ने 93 रनों की पारी खेलकर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। नीदरलैंड्स से लॉगन वान बीक और बास डी लीड्स ने 3-3 विकेट लिए। शाकिल जुल्फिकार को दो सफलताएं मिलीं।

वार्सी और एडवर्ड्स की फिफ्टी

जवाबी पारी में नीदरलैंड की ओर से वेस्ले बारसी (52 रन) और कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स (67 रन) ने अर्धशतक जमाए। बास डी लीड्स ने भी 41 रन का योगदान दिया, लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके।

महीश तीक्षणा ने चटकाए तीन विकेट

स्कोर डिफेंड कर रही श्रीलंकाई टीम की ओर से महीश तीक्षणा ने 3 विकेट चटकाए, जबकि वनिंदु हसरंगा को दो सफलता मिलीं। लहीरू कुमारा, दिलशान मधुशंका और दासुन शनाका ने आपस में एक-एक विकेट बांटे।

पाकिस्तान बोर्ड भारत में सिक्योरिटी टीम भेजेगा

बोला- वर्ल्ड कप से पहले शहरों की जांच जरूरी, खामी मिली तो वेन्यू चेंज करवाएंगे

नई दिल्ली ।

पाकिस्तान सरकार भारत में वनडे वर्ल्ड कप के लिए अपनी क्रिकेट टीम भेजने से पहले सिक्योरिटी की जांच करेगी। रिपोर्ट्स के अनुसार, पाकिस्तान सरकार जल्द ही अपनी सिक्योरिटी टीम को भारत में इन्वेस्टिगेशन के लिए भेजेगी। ये टीम उन शहरों की सुरक्षा जांच करेगी, जहां पाकिस्तान क्रिकेट टीम के वर्ल्ड कप मैच होंगे।

नया चेयरमैन अपॉइंट होने के बाद करेंगे जांच

ईद के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड में चेयरमैन पद के चुनाव होंगे। जका अशरफ नए चेयरमैन बन सकते हैं। नया चेयरमैन मिलते ही पीसीबी विदेश मंत्रालय से कोऑर्डिनेशन कर जल्द ही सिक्योरिटी टीम भेजेगा।

सिक्योरिटी टीम के साथ पीसीबी मेंबर्स भी आएंगे, वे देखेंगे कि जिन शहरों में पाकिस्तान के मैच होंगे, वहां के सुरक्षा इंतजाम और बाकी मैनेजमेंट कितना बेहतर है।

5 शहरों की सुरक्षा जांच करेंगे

पाकिस्तान क्रिकेट टीम वर्ल्ड कप में अपना पहला मुकाबला हैदराबाद में क्वालिफायर-1 टीम के खिलाफ खेलेगी। टीम 15 अक्टूबर को अहमदाबाद में भारत के खिलाफ खेलेगी। उसके बाकी मैच 3 अन्य शहरों में होंगे। इनमें बेंगलुरु, चेन्नई और कोलकाता शामिल हैं। पाकिस्तान की सिक्योरिटी टीम अगर भारत आई तो इन्हीं शहरों की सुरक्षा व्यवस्था और यहां के स्टेडियम का मैनेजमेंट देखेगी।

जांच के बाद वेन्यू चेंज की मांग कर सकता है पीसीबी

रिपोर्ट्स के अनुसार, सिक्योरिटी टीम को किसी भी शहर की सुरक्षा में कोई खामी लगी तो पीसीबी अपनी टीम के क्रिकेट मैच वेन्यू को चेंज करने की मांग करेगा। पीसीबी सुरक्षा जांच की रिपोर्ट आईसीसी और बीसीसीआई को भी भेजेगा।

टी-20 वर्ल्ड कप में भी बदलना पड़ा था वेन्यू

पाकिस्तान क्रिकेट टीम आखिरी बार 2016 में टी-20 वर्ल्ड कप खेलने भारत आई थी। तब दोनों टीमों के बीच मुकाबला पहले धर्मशाला के एचपीसीए स्टेडियम में होना था, लेकिन सुरक्षा कारणों के चलते वेन्यू चेंज किया गया और मैच फिर कोलकाता के ईडन गार्डन्स मैदान में खेला गया। जिसे भारत ने 6 विकेट से जीता था।

पाकिस्तान सरकार से परमिशन के बाद ही भारत आएगी टीम

पिछले दिनों वनडे वर्ल्ड कप का शेड्यूल जारी होने के बाद पीसीबी ने कहा था टीम को अभी तक उनकी सरकार से भारत जाने की परमिशन नहीं मिली है। सरकार से परमिशन मिलने के बाद ही उनकी टीम भारत में वर्ल्ड कप खेलने जाएगी। जिसके बाद अब सिक्योरिटी टीम भेजे जाने की खबरें आ रही हैं।

फुटबॉल और हॉकी टीम को भी लेनी पड़ती है परमिशन

पीसीबी अधिकारियों ने कहा कि स्पोर्ट्स में ऐसा पहली बार नहीं हो रहा है। दोनों देशों के बीच राजनीतिक विवादों के कारण क्रिकेट की द्विपक्षीय सीरीज नहीं होती। क्रिकेट के अलावा हॉकी या फुटबॉल की टीम भी अगर भारत जाती है तो उसे पाकिस्तान सरकार से परमिशन का इंतजार करना पड़ता है। पिछले दिनों पाकिस्तान की फुटबॉल टीम साउथ एशियन फुटबॉल फेडरेशन चैंपियनशिप का हिस्सा बनने के लिए भारत आई थी। तब उसे भी सरकार से परमिशन लेनी पड़ी थी। पाकिस्तान में एशिया कप खेलने को राजी नहीं था भारत, फिर हाइब्रिड मॉडल को मंजूरी मिली वर्ल्ड कप से एक महीने पहले सितंबर में 50 ओवर का एशिया कप पाकिस्तान की मेजबानी में ही होगा।

लैवेंडर तेल और बर्न्स - क्या फायदे हैं?

लैवेंडर तेल के उपयोग करने का मुख्य लाभ, प्राकृतिक रूप से त्वचा के जलने का उपचार है। हालांकि बाजार में कई तरह की बर्न क्रीम मिलती है, लेकिन उनमें से ज्यादातर में हानिकारक केमिकल मौजूद होते हैं। अगर आप अपने स्वास्थ्य और भलाई की परवाह करते हैं तो आवश्यक तेल जैसे लैवेंडर त्वचा के जलने के उपचार के लिए एक बढ़िया घरेलू उपाय हो सकता है।

मोटापा कम करने के लिए मुद्राएं

मोटापा ऐसी समस्या है जो अपने साथ कई तरह की बीमारी लेकर आती है। समय रहते काबू पाना बहुत जरूरी है। मोटापा कम करने में योग बहुत कारगर होता है। योगासनों के जरिए आप आसानी से मोटापा कम कर सकते हैं। मोटापे को दूर करने के लिए पृथ्वी मुद्रा का प्रयोग किया जाता है। और दूसरी मुद्रा है अपान वायु मुद्रा। इनका अभ्यास नियमित रूप से कम से कम 15 से 45 मिनट तक करेंगे, तभी इनका फायदा मिलेगा।

ये आदतें नष्ट कर देती हैं शरीर के रोगों से लड़ने की क्षमता

आदतें ही होती हैं जो हमारे जीवन, सेहत और चरित्र आदि का निर्माण करती हैं। स्वस्थ रहने के लिए आपको एक आदर्श जीवशैली और अच्छी आदतों का पालान करना होता है। जिसमें नियमित व्यायाम व पौष्टिक आहार आदि शामिल होते हैं। इस तरह शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है और शरीर रोगों से दूर रहता है। वहीं हमारी जीवनशैली से जुड़ी खराब आदतें हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाती हैं। लेकिन कुछ खराब आदतें ऐसी भी होती हैं, जिनसे शरीर के रोगों से लड़ने की क्षमता खतम हो जाती है।

अकसर जाने-अनजानें हमारी कई आदतें हमें कई रोगों की ओर ढ़केल देती हैं। इन आदतों के चलते शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो जाती है और शरीर बीमारियों से लड़ नहीं पाता है और बीमारियों के बैक्टीरिया और वाइरस शरीर की प्रणाली पर हमला कर आसानी से उसे खराब करने लगते हैं। इसमें से कई आदतों के बारे में तो हमें पता ही नहीं चलता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता कम करने वाली आदतें

- लगातार देर तक धूप में रहने से इम्यून पावर कमजोर हो सकती है। यूं तो सुबह की ताजी सूरज की रोशनी से शरीर को विटामिन डी मिलता है जिससे रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है लेकिन बहुत ज्यादा तेज धूप में रहने से त्वचा को नुकसान हो सकता है और त्वचा कैंसर तक की समस्या हो सकती है।
- बहुत ज्यादा तनाव से भी रोग प्रतिरोधक क्षमता घटने लगती है। तनाव होने पर शरीर में कोर्टिसोल (तनाव हार्मोन) का स्तर बढ़ जाता है जिससे इम्यूनिटी तो कमजोर होती ही है, साथ ही पाचन क्रिया भी पूरी तरह से गड़बड़ा जाती है।
- साफ-सफाई के प्रति लचर व्यवहार भी रोग प्रतिरोधक क्षमता को नाकारात्मक तरीके से प्रभावित करता है। शरीर का साफ-सफाई पर ध्यान ना देने से हानिकारक कीटाणु शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। जिससे कई बीमारियों और इंफेक्शन हो जाते हैं। साथ ही बहुत ज्यादा शराब का सेवन या धूम्रपान भी शरीर की रोगों से लड़ने की शक्ति कम हो जाती है।
- जाने-अनजाने में ही सही लेकिन खाने की गलत आदतें और बदपरहेजी धीरे धीरे रोग प्रतिरोधक त्क्षमता को खत्म करती हैं और कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी का कारण भी बन सकती हैं। एक ताजा शोध के अनुसार तो डिब्बाबंद और माइक्रोवेव में बनाए खाद्य को खाने से कैंसर सहित कई गंभीर बीमारी हो सकती हैं। इसके अलावा पर्याप्त नींद न लेने से ये दिमाग व पाचन क्रिया को सीधे-सीधे प्रभावित करती है। और इससे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी घटती है। इसलिए समय से सोएं और पूरी नींद लें। नियमित एक्सरसाइज करें और अच्छा भोजन करें। इस तरह आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ेगी और रोग आपको छू भी नहीं पाएंगे।

खुशखबरी देने का सही समय है

बारहवां हफ्ता

गर्भावस्था का बारहवां हफ्ता यानी गर्भवर्ती महिला दूसरी तिमाही में प्रवेश करने वाली है। अब गर्भपात का जोखिम न के बराबर है। यदि मां बनने वाली महिला दोस्तों और रिश्तेदारों को यह खुशखबरी नहीं दी है तो अब उन्हें यह खबर दे सकती हैं। दूसरी तिमाही में प्रवेश करने पर महिलाएं राहत महसूस करती हैं। अब उन्हें जल्द ही मां बनने का अहसास मन ही मन खुशी देता है। इस समय कुछ महिलाओं का बेबी बंप दिखाई देने लगता है, जब्कि कुछ का दिखाई भी नहीं देता। यदि गर्भवर्ती महिला के अंदर कोई शारीरिक बदलाव नहीं हो रहा तो परेशानी होने की काई बात नहीं है। आंतरिक परिवर्तन लगातार जारी हैं।

बच्चे का विकास

दूसरी तिमाही में प्रवेश कर लिया है, अब बच्चे के विकास में तेजी आएगी। मस्तिष्क हार्मोन का उत्पादन शुरू करेगा और तंत्रिका कोशिकाएं भी जल्द बढ़ेंगी। गर्भ में पल रहा शिशु तरल पदार्थ को चूसना और आहार को निगलना शुरू कर देगा। सब कुछ सही रहने पर शिशु की लंबाई और आकार में परिवर्तन होता रहेगा।

बच्चे की मुठ्ठी, खोलने और बंद करने की प्रक्रिया भी अब शुरू होने लगती है। समय समय पर बच्चे के होठ और भौंहे सिकुड़ने लगते हैं। आंखें और कान चेहने के अनुपात में विकसित होने शुरू हो जाता हैं। हफ्तों और महीनों का समय बीतने के साथ शिशु की बनावट में और भी बदलाव आने लगता है।

शरीर में परिवर्तन

गर्भावस्था के बारहवें सप्ताह के दौरान बच्चे की स्थिति में होने वाले परिवर्तन के कारण गर्भाशय के आकार में भी परिवर्तन दिखाई देगा। अब मां का पेट पहले से बड़ा होना शुरू हो जाएगा। इसके साथ ही वजन में दो से तीन पाउंड की वृद्धि हो जाएगी। त्वचा के रंग में भी कुछ परिवर्तन होगा। यदि त्वचा पर दाग हैं तो ये गर्भावस्था के दौरान और गहरे हो सकते हैं। कुछ महिलाओं में पेट के केंद्र से एक गहरे रंग का रेशा दिखाई देना शुरू हो सकता है, यह शिशु के जन्म के बाद गायब भी हो सकता है।

हर महिला के गर्भावस्था के दौरान अलग-अलग लक्षण होते हैं, इसलिए यदि किसी महिला के लक्षण किसी से भिन्न हैं तो चिंता की बात नहीं है। गर्भावस्था के बारहवें सप्ताह में मां बनने वाली महिला के दिल में जलन भी अधिक हो सकती है। इसमें कमी लाने के लिए दिन भर थोड़ी-थोड़ी मात्रा में आहार लें। चिकित्सक से ऐसे खाद्य पदार्थ के बारे में जानकारी करें, जिनके सेवन से दिल में जलन न हो। यह समय मोलर गर्भावस्था का हो सकता है। इस समय नाल ठीक से विकसित नहीं होती। धब्बे या योनि से खून बहता दिखाई दे सकता है। इस तरह की परेशानी होने पर बिना किसी लापरवाही के चिकित्सक से परामर्श करें। इस तरह की परेशानी गर्भपात का कारण भी बन सकती है।

क्या उम्मीद की जाती है

दूसरी तिमाही में जाने पर गर्भपात का जोखिम काफी कम हो गया है। सुबह को होने वाली परेशानी, थकान और मितली जैसी दिक्कतें भी कम होंगी। पहले से अच्छा महसूस कर रही होगी। आपके हार्मोन बच्चे के विकास के साथ समायोजन कर रहे हैं और सब अच्छी तरह से चल रहा होना चाहिए। त्वचा सूर्य के प्रकाश के प्रति अतिसंवेदनशील बनी महसूस हो सकती है। इस समय त्वचा पर दाग या काले धब्बे बन सकते हैं। धूप में जाने से पहले सनस्क्रीन का इस्तेमाल फायदेमंद रहेगा। संतुलित आहार योजन को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं रखें। जो महिलाएं पहले गर्भवती रह चुकी हैं, उनसे बात करें और उनके अनुभवों को जानने की कोशिश करें। अपने और बच्चे के स्वास्थ्य की निगरानी के लिए समय-समय पर चिकित्सक से मिलते रहें।

सुझाव / सलाह

सफलता पूर्वक पहली तिमाही पूरी कर ली है। अब दूसरी तिमाही की शुरूआत हो चुकी है। पहले के मुकाबले शारीरिक व मानसिक रूप से बेहतर महसूस कर रही हैं। यदि आने वाले दिनों में गर्भवर्ती महिला को यात्रा करने का विचार बन रहा है तो उसके लिए यह समय बेहतर है। सुबह को होने वाली परेशानी से भी राहत मिलेगी। दोस्तों और रिश्तेदारों से मिलने वाली बधाईयां आपकी खुशी को दोगुना कर देंगी। अन्य महिलाओं की गर्भावस्था के दौरान की बातों को सुनकर उनसे अपने अनुभवों की तुलना न करें। जरूरी नहीं कि हर महिला की गर्भावस्था के दौरान का अनुभव एक जैसा ही हो। यदि इस सबके बाद मन में अगर कोई प्रश्न है तो चिकित्सक से परामर्श करना अच्छा रहेगा।

गर्भावस्था के बारहवें हफ्ते में

- पहली तिमाही के मुकाबले गर्भवर्ती महिला को कम थकान और मितली भी कम आएगी। इस समय कोशिश करें कि तनाव न लें। इससे ऊर्जा स्तर में वृद्धि होगी।
- अब एरोबिक्स एक्सरसाइज को अपनी दिनचर्या में लागू कर सकती हैं। इसके लिए यह सही समय है।
- अपनी दिनचर्या में हल्की एक्सरसाइज को शामिल करें, इससे मां और गर्भस्थ शिशु दोनों ही स्वस्थ रहेंगे।

कैंसर से लड़ने में मददगार हैं ये जादुई फूल

कैंसर रोग पूरी दुनिया के लिए एक बड़ी समस्या बना हुआ है। कैंसर के तेजी से बढ़ते मामले और जटिल इलाज के चलते लोगों के लिए यह रोग काफी डरावना बन चुका है। इसका बारे में बात करने से भी लोग घबराते हैं। शोध बताते हैं कि कैंसर दुनिया भर में हर साल हज़ारों मौतों का कारण बनता है। यह दरअसल शरीर में असामान्य कोशिकाओं की वृद्धि होती है, जो ऊतकों को मार देती हैं और अंततः शारीरिक प्रणाली को नष्ट कर देती हैं। कैंसर मानव प्रणाली के किसी भी हिस्से को प्रभावित कर सकता है। कैंसर के सबसे आम प्रकार में स्तन कैंसर, फेफड़ों का कैंसर, पेट के कैंसर, ल्यूकेमिया, प्रोस्टेट कैंसर व लिम्फोमा आदि शामिल होते हैं। लेकिन ऐसा भी माना जाता है कि कुछ प्राकृतिक औषधियों की मदद से भी कैंसर का इलाज किया जा सकता है। चलिए इस विषय के बारे में विस्तार से जानने का प्रयास करते हैं। जैसे कि माना जाता है कि डेंडलाइन का फूल कैंसर के उपचार में मददगार होता है।

कैंसर का इलाजः हालांकि कैंसर के कई प्रकारों का इलाज करना संभव होता है, लेकिन इस बीमारी के दोबारा होने का भी बड़ा जोखिम रहता है, जिसके चलते ये बीमारी और भी घातक हो जाती है। इस रोग के साथ इलाज के स्थायी होने की कोई गारंटी नहीं होती है। यही कारण है कि स्वास्थ्य संगठनों और अनुसंधान केन्द्रों द्वारा कैंसर के लिए एक स्थायी समाधान खोजने के प्रयास में हर साल लाखों-करोड़ों रुपए खर्च किया जा रहे हैं। हालांकि कैंसर के इलाज के

लिये दवाएं, कीमो थेरेपी तथा जीवनशैली में सकारात्मक परिवर्तन आदि कि मदद से कैंसर के उपचार और बचाव को प्रभावी बनाया जा सकता है। ऐसा भी माना जाता है कि कैंसर के उपचार और रोकथाम के लिए प्राकृतिक नुस्खों की मदद भी ली जा सकती है। डेंडलाइन का फूल जिसे कामफूल के नाम से भी जाना जाता है, के फूल के बारे में भी ऐसा माना जाता है कि इसमें कैंसर से लड़ सकने वाले असाधारण औषधीय गुण होते हैं।

कैंसर से लड़ने की क्षमताः डेंडलाइन का फूल, खासतौर पर इसकी जड़ में असंख्य विटामिन और खनिज होते हैं, जोकि मानव प्रणाली को स्वस्थ रखने के लिए आवश्यक होते हैं। डेंडलाइन का फूल विटामिन डी, सी और बी, आयरन, सिलिकॉन, जिंक व पोटेशियम आदि पोषक तत्वों का शरीर में संचार करता है। इन सबके मनुष्य के लिए विभिन्न स्वास्थ्य लाभ होते हैं। यह फूल कोशिकाओं को पोषण देता है और प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाता है। इसके साथ - साथ डेंडलाइन कब्ज, गुर्दे और यकृत रोग, पीलिया, वायरल फ्लू, आदि को भी दूर कर सकता है। यह फूल नई बनी मां के दूध का उत्पादन भी कुशलता से बढ़ा सकता है। डेंडलाइन के फूल को एक उत्कृष्ट रक्त शोधक भी माना जाता है, जो कि चयापचय दर को ठीक बनाए रखने और रक्त विकारों को रोकने में मदद करता है। इस सभी स्वास्थ्य लाभों के साथ डेंडलाइन में कैंसर से लजडने की काबिलियत बी होती है।

विभिन्न अनुसंधान अध्ययनों से पता चलता है कि डेंडलाइन की जड़ में कैंसर कोशिकाओं को नष्ट कर सकने वाले गुण होते हैं।

जानें पोकवीड केब हर्ब्स के गुणों के बारे में

पोकवीड एक बारहमासी जड़ीबूटी है, जो पूर्वी उत्तर अमेरिका का मूल निवासी है और दुनिया भर में इसकी खेती की जाती है। इसके बेरीज् और सूखी जड़ों का इस्तेमाल हर्बल उपचार में किया जाता है। पोकवीड सप्लीमेंट अर्क, टिंचर, पाउडर और पुलटिस के रूप में उपलब्ध है। पोकवीड के लिए कोई मानक खुराक निश्चित नहीं हैं।

पोकवीड के गुण

पोक एंटीबायोटिक, एंटी-इंफ्लेमेंटरी, एंटी-रूमेटिक, एंटी-स्कर्वीजनक, एंटी-सिफिलिटिक और एंटी-ट्यूमर के रूप में कार्य करता है। इस संयंत्र के कुछ हिस्सों जैसे बेरीज् और जड़ों को हर्बल उपचार के लिए उपयोग किया जाता है। पोकवीड एक तीखी कड़वी जड़ी-बूटी है जो प्रतिरक्षा और लसीका प्रणालियों के कार्य में मददगार होती है।

बीमारियों के लिए पोकवीड

पोकवीड की जड़ का इस्तेमाल दर्दनाक मसल्स, जोड़ों (गठिया) के लिए इस्तेमाल किया जाता है। साथ ही यह नाक, गला, और सीने में सूजन के अलावा टांसिलाइटिस, कर्कश गले, लसीका ग्रंथियों की सूजन, ब्रेस्ट में दर्द और सूजन किया जाता है। परंपरागत रूप से, हालांकि, पोकवीड जड़ का इस्तेमाल कभी कभार ही करना चाहिए। अमेरिका के मूल निवासी पोकवीड का चिकित्सा के रूप में इसकी जड़ का सबसे आम उपयोग उल्टी को प्रेरित करने के लिए रेचक के रूप में होता है। बेरीज् को भोजन में रंग एजेंट के रूप में भी इस्तेमाल किया जाता है, और वास्तव में अभी भी खाद्य उद्योग में इसका प्रयोग किया जाता है। जब इसे कच्चा खाया जाता है तो संयंत्र द्वारा उत्पादित एंजाइम जैसे लेक्टिंस लाल रक्त कोशिकाओं आपस में जुड़ जाती है। लेक्टिंस चिपकने वाले प्रोटीन हैं। ऐसे लेक्टिंस जो ब्लड टाइप के साथ मेल नहीं खाते, शरीर की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं। भोजन से आने वाले कई लेक्टिंस हानिकारक नहीं होते हैं, लेकिन थोड़ा बहुत असर होता है। अगर ये लेक्टिंस ब्लड ग्रुप के साथ मेल नहीं खाता, तो शरीर में जलन, सूजन हो सकती है। पोकवीड को अवसादरोधी दवाओं, डिसुलफिरम, ओरल गर्भ निरोधकों और प्रजनन की दवाएं ले रहे लोगों को द्वारा प्रयोग नहीं किया जाना चाहिए। हमेशा किसी भी जड़ी बूटियों कको लेने से पहले अपने चिकित्सक और फार्मासिस्ट बताओ।

महिलाओं के लिए पोकवीड

पोकवीड महिलाओं की कई विशिष्ट बीमारियों को दूर करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। एंडोमेट्रिओसिस, पोकवीड के निर्धारित उपयोग के साथ हटाया जा सकता है। पीरियड्स से पहले ब्रेस्ट और पेट में दर्द को भी इसके इस्तेमाल से दूर किया जा सकता है। पोकवीड की जड़ में थोड़ी सी मात्रा मे तेल मिलाकर पेट पर हल्के हाथों से रगड़ने से आराम मिलता है। वैकल्पिक रूप से टिंचर की कम खुराक इस्तेमाल की जानी चाहिए। इन्टर्सिटशल सिस्टाइटिस एक और भड़काऊ बीमारी है जिसे इसी टिंचर से ठीक किया जा सकता है। बवासीर के दर्द को भी इसकी जड़ों के सत्व से ठीक किया जा सकता है।

पोकवीड को इस्तेमाल कैसे करें

परंपरागत रूप से, पोकवीड के लाल पत्तों को लाकर पानी में उबलकर, अच्छे से निचोड़कर निकाल लें। फिर एक बार और उबला लें। ऐसा कम से कम तीन बार करना चाहिए और हर बार पानी को बाहर फेंक देना चाहिए। इन उबले हुए पत्तों का इस्तेमाल सलाद के रूप में या चाय के रूप में किया जा सकता है। इसके अलावा, यंग शूट को शतावरी के विकल्प के रूप में भी खाया जा सकता है। बेरीज् से रेड जूस निकाल कर फिर इसे पकाया जाता है। इस जूस का इस्तेमाल पाइ बनाने के लिए किया जाता है। इसका इस्तेमाल अन्य जूस में जेली बनाने के लिए भी किया जाता है। पोकवीड के किसी भी हिस्से को कच्चा, असंसाधित नहीं खाया जा सकता है।

अर्थराइटिस

पुराने दिनों से, रूमेटाइड अर्थराइटिस से जुड़े दर्द और सूजन को दूर करने के लिए इसका इस्तेमाल किया जाता है। इसके लिए टिंचर उपयोगी है। वैकल्पिक रूप से एक या दो सूखी बेरी लेकर उसे पूरा ही खा लें। बहुत कम मात्रा में टिंचर का इस्तेमाल सिर दर्द को कम करने के लिए इस्तेमाल करना चाहिए।

प्रतिरक्षा प्रणाली में मजबूती

पोकवीड में प्रतिरक्षा प्रणाली से संबंधित रोगों के इलाज की क्षमता भी होती है, क्योंकि इसमें एंटी एड्स दवा के गुण और क्षमता होती है। यह प्रचुर मात्रा में टी-कोशिकाओं पर परस्पर प्रभाव डाल प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करता है।

श्वसन संक्रमण का इलाज

पोकवीड के काढ़े का सामान्यत गले में दर्द और टांसिलाइटिस, ग्रसनीशोथ, अपच जैसे श्वसन संक्रमण के इलाज के लिए उपयोग किया जाता है, यह ग्रंथियों की सूजन और पुराने संक्रमण के इलाज में भी कारगर है।

कैंसर का इलाज

जल्द ही पोकवीड ने कैंसर का इलाज करने की क्षमता हासिल कर लोक्रिपयता प्राप्त कर ली है, विशेष रूप से स्तन और गर्भाशय के कैंसर के लिए। शोधों से पता चला है कि कैंसर की प्राकृतिक चिकित्सा के लिए यह जड़ी-बूटी बहुत ही फायदेमंद है। पोक की जड़ एंटीटॉक्सिन थेरेपी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है जो कुछ प्रकार के ट्यूमर विकास में बाधा उत्पन्न करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

रेसिपी

बटर गार्लिक फ्राइड राइस

सामग्री

दो कप पके हुए चावल, लहसुन की 6 कलियां बारीक कटी हुईं, आधा कप हरा लहसुन बारीक कटा हुआ, एक प्याज बारीक कटा हुआ, एक बड़ी चम्मच फ्रेंच बींस बारीक कटी हुईं, आधा कप पत्तागोभी बारीक कटी हुई, आधा कप फूलगोभी बारीक कटी हुई, एक गाजर छीलकर कद्दूकस कर लें, एक बड़ा चम्मच लहसुन का पेस्ट, दो बड़े चम्मच मक्खन, स्वादानुसार नमक

विधि

गैस पर नॉन स्टिक पैन में मक्खन गर्म करें। इसमें लहसुन और प्याज डालकर मध्यम आंच पर एक मिनट तक फ्राई करें। अब पैन में फ्रेंच बींस, फूलगोभी, पत्तागोभी, गाजर और नमक डालकर मिक्स करें। अब पके चावल, लहसुन का पेस्ट और थोड़ा पानी छिड़ककर इन्हें मिलाएं। अब हरा लहसुन डालकर इसे मिक्स करें। फिर पैन को ढक दें और धीमी आंच पर इसे 3 से 4 मिनट तक पकाएं। गैस को बंद करे 2 मिनट बाद पैन का ढक्कन खोलकर चावल को अच्छी तरह चलाएं। तैयार है बटर गार्लिक फ्राइड राइस। इन्हें प्लेट में निकालकर गर्मागर्म सर्व करें।

चिल्ली पनीर

सामग्री

पनीर - 300 ग्राम, ग्रीन कैप्सीकम - 1 (कटी हुई), रैड कैप्सीकम - 1 (कटी हुई), कार्न फ्लोर - 3-4 स्पून, टमाटो सास - 1/4 कप, तेल- 3 -4 चम्मच, सिरका-2 छोटी चम्मच, सोया सास- 2 छोटी चम्मच, चिल्ली सास- 2 छोटी चम्मच, हरी मिर्च - 2-3 (छोटी काटी हुई), अदरक - 1 इंच टुकड़ा (कद्दूकस), नमक स्वादानुसार, काली मिर्च पाउडर- 1/4 छोटी चम्मच, चिल्ली फ्लेक्स -1/4 छोटी चम्मच, अजीनो मोटो-2 पिंच, पोदीना के पत्ते- 12

विधि

पनीर क्यूब्स को एक बाउल में रखें, उसमें डालें नमक, अदरक-लसहुन पेस्ट, मैदा, 1 छोटा चम्मच टोमाटो चिल्ली सॉस और अच्छे से मिलाएं। हरे प्याज को मोटा-मोटा काटें। एक नॉन स्टिक पैन में 2 बड़े चम्मच तेल गरम करें। लाल मिर्चों के छोटे टुकड़े करके उनके बीज निकालें और पैन में डालें। फिर हरे प्याज डालकर भूने। पैन में शिमला मिर्चें डालें और अच्छी तरह मिलाएं। नमक डालकर कुछ देर पकाएं। 1 बड़ा चममच टोमाटो चिल्ली सॉस डालें और 2 मिनिट तक पकने दें फिर आंच बुझा दें। पनीर के क्यूब्स को पैन में डालें और अच्छी तरह मिलाएं। गारमागरम परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)